जबलपुर सोमवार 13 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
वर्ष 32 अंक 18 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर
रोज दर्पण
▸▸ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 34.5°C
न्यूनतम तापमान 26.0°C
सूर्योदय - 5.33 | सूर्यास्त - 6.59

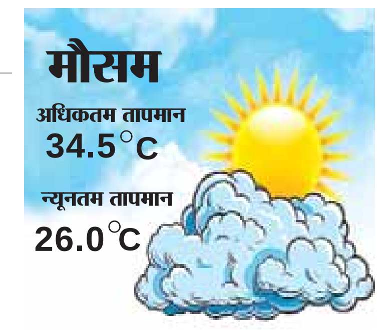

415 लाख की सड़क निर्माण में अवैध खनन का खेल.. ▸▸ 4

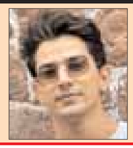

किशोरी का पीछा कर मारपीट करने के आरोप ... ▸▸ 7

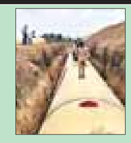

183 गांवों की बदलेगी तकदीर: बहोरीबंद माइक्रो ... ▸▸ 9

विदेशी छात्रों को भा रहा भारत का एजुकेशन सिस्टम

यहां 173 देशों के 58000 से अधिक स्टूडेंट्स पढ़ रहे

उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2023-24 में बताया गया कि शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में 173 देशों के छात्र पढ़ाई के लिए आए।

नई दिल्ली

देश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में कुल 58,134 विदेशी छात्रों के दाखिले हुए। नेपाल अब भी भारत में सबसे ज्यादा छात्र भेजने वाला देश है। जबकि विदेशी छात्रों को आकर्षित करने वाले राज्यों में कर्नाटक सबसे आगे है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के सर्वेक्षण में यह जानकारी निकलकर सामने आई है। एआईएसएचई देशभर के उच्च शिक्षा संस्थानों से ऑनलाइन माध्यम से विस्तृत जानकारी जुटाता है। इसके लिए संस्थान छात्रों के दाखिले, शिक्षक और कर्मचारियों की जानकारी, सुविधाओं, परीक्षा परिणाम और अन्य जानकारियां एआईएसएचई पोर्टल पर अपलोड करते हैं। यह सर्वे भारत में उच्च शिक्षा से जुड़े आधिकारिक आंकड़ों का मुख्य स्रोत है। इससे शिक्षा नीति बनाने, योजना तैयार करने और शिक्षा क्षेत्र की निगरानी में मदद मिलती है। सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारत आने वाले विदेशी छात्रों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी नेपाल की रही। नेपाल से आने वाले छात्रों की संख्या कुल विदेशी छात्रों का 24.1 फीसदी रही। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 7 फीसदी, अमेरिका से 5.9 फीसदी, बांग्लादेश से 5.9 फीसदी, नाइजीरिया से 5.5 फीसदी और जिम्बाब्वे से 4 फीसदी छात्र आए। रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष 10 देशों से आने वाले छात्रों की संख्या 2023-24 में भारत के कुल विदेशी छात्रों का 63.8 फीसदी रही।

कौन सा राज्य पहली पसंद

अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने में कर्नाटक सबसे आगे रहा। कर्नाटक के उच्च शिक्षा संस्थानों में 7,914 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। पंजाब दूसरे स्थान पर रहा, जहां 7,902 विदेशी छात्रों ने दाखिले लिए। महाराष्ट्र में 6,190, उत्तर प्रदेश में 5,953 और तमिलनाडु में 5,694 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। ये राज्य विदेशी छात्रों को दाखिला देने वाले शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हैं।

किस पाठ्यक्रम में अधिक छात्र

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा विदेशी छात्रों ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया। कुल विदेशी छात्रों में 73.6 फीसदी छात्र स्नातक स्तर की पढ़ाई कर रहे थे। इसके बाद 16.8 फीसदी छात्रों का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला हुआ। कुल 42,779 छात्र स्नातक पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे थे, जो कुल विदेशी छात्रों का करीब 74 फीसदी है। इनमें 27,849 पुरुष और 14,930 महिलाएं थीं। इसके अलावा 9,845 छात्र स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे थे। वहीं डिप्लोमा, पीएचडी, प्रमाणपत्र और अन्य संयुक्त पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या इससे कम रही।

नितिन नवीन से मिलने के बाद नरोत्तम मिश्रा बोले

तय हो गया कि मेरा कद बड़ा नहीं

"मध्य प्रदेश के दतिया के उपचुनाव देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसके पीछे वजह है कि भाजपा ने प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उतारा है। इसके बाद से ही दतिया में नरोत्तम समर्थकों ने बवाल मचा दिया था।

नई दिल्ली

आज नरोत्तम मिश्रा ने दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि टिकट को लेकर उन्होंने अपनी बात रखी है। मुलाकात के बाद नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि यह अब स्पष्ट हो चुका है कि किसी भी व्यक्ति का कद पार्टी से बड़ा नहीं होता। टिकट न मिलना इस बात का जवाब है कि कोई भी पार्टी से ऊपर नहीं है। पार्टी का स्थान बहुत ऊंचा है और वह दूरगामी दृष्टि रखती है। पार्टी के इस निर्णय को पूर्ण सम्मान के साथ स्वीकार करना और संगठन के लिए काम करना ही हमारा एकमात्र उद्देश्य है। मैं एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करूंगा। मैं आशुतोष तिवारी के नामांकन दाखिल करने के समारोह में उपस्थित रहूंगा। मिश्रा ने कहा कि मैं न कभी नाराज था, न होऊंगा। मैं न तो संगठन को दोष देता हूं और न ही मुख्यमंत्री को। मैं किसी पर उंगली नहीं उठा रहा हूं। मेरा मानना है कि मेरी ओर से कुछ कमी रही होगी। मैं आत्मनिरीक्षण करूंगा और खुद में सुधार करूंगा। कल मुख्यमंत्री आवास पर माननीय प्रदेश अध्यक्ष और क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) अजय जमवाल के साथ हमारी बैठक हुई, जहां हमने दतिया उपचुनाव जीतने, नामांकन दाखिल करने और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं से संबंधित मामलों पर चर्चा की।

पार्टी से ऊपर कोई भी नहीं

नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि टिकट न मिलना इस बात का जवाब है कि कोई भी पार्टी से ऊपर नहीं है। पार्टी बहुत ऊंचे स्थान पर है और वहां से दूर तक देख सकती है। पार्टी के फैसले को पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करना और संगठन के लिए काम करना ही हमारा एकमात्र मकसद है। मैं एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करूंगा। मैं आशुतोष तिवारी के नॉमिनेशन फाइलिंग में शामिल होऊंगा। गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के सवाल पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि वो अभी दिल्ली में नहीं है, इसलिए मुलाकात संभव ही नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि मेरी फ्लाइट है 4.40 की तो मैं यहां से चला जाऊंगा। उन्होंने कहा कि मैं यहां (दिल्ली) अचानक नहीं आया हूं, मेरे आने का प्रोग्राम पहले से तय था।

बीजेपी में जन्मा, बीजेपी में ही मरूंगा

नरोत्तम मिश्रा ने पार्टी से नाराजगी की अटकलों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मैं नाराज कभी न था, ना कभी हूं, ना कभी होगा। उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी की जीत का भरोसा जताते हुए कहा, आशुतोष जीतेंगे, आप निश्चिंत रहिए। नरोत्तम मिश्रा का बीजेपी में जन्म हुआ, बीजेपी में ही मरेगा। उन्होंने कहा, यह तो तय हो गया कि मेरा कद बड़ा नहीं है, पार्टी बहुत ऊपर होती है। साथ ही उन्होंने साफ किया कि उन्हें किसी तरह का कोई भरोसा नहीं दिया गया है और न ही उन्होंने कोई भरोसा मांगा है। उन्होंने कहा, मैं पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करता रहूंगा। पूर्व गृह मंत्री ने साफ कहा कि मैं किसी को दोष नहीं दूंगा, मेरे अंदर ही कोई कमी होगी, जिस पर मैं आत्म चिंतन करूंगा।

9 रेलवे स्टेशनों पर पूछताछ सेवा निजी हाथों में

रतलाम। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने यात्रियों के पूछताछ केंद्रों का संचालन निजी एजेंसी को सौंपने का फैसला किया है। 20 जुलाई से मंडल के नौ प्रमुख स्टेशनों पर 10 पूछताछ काउंटर आउटसोर्स एजेंसी संचालित करेगी। इसके साथ ही रतलाम मंडल ऐसा करने वाला पश्चिम रेलवे का पहला मंडल बन जाएगा। मंडल प्रशासन ने इंदौर, रतलाम, उज्जैन, दाहोद, नीमच, चित्तौड़गढ़, देवास, नागदा और डा. अंबेडकर नगर स्टेशन के पूछताछ केंद्रों के संचालन के लिए हैदराबाद की मेगा कंस्ट्रक्शन कंपनी का चयन किया है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्यादेश जारी कर दिया गया है। यहां तैनात 37 रेल कर्मचारियों को उनकी मूल जिम्मेदारियों में लगाया जाएगा।

यूएपीए मुकदमों को तेजी से पूरा करना एक चुनौती

चीफ जस्टिस ने सुनवाई में देरी पर जताई चिंता

नई दिल्ली

दिल्ली दंगों और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य आरोपियों के ट्रायल में हो रही देरी के बीच सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के मामलों में ट्रायल जल्द पूरा होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सबूतों पर आखिरी फैसले से लंबे समय तक जेल में रहने के बावजूद जमानत न मिलने की शिकायतों का समाधान हो सकेगा। सीजेआई ने किसी खास मामले या बिना किसी आरोपी का जिक्र किए कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर न्यायिक पक्ष से ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का एक हिस्सा एक समानांतर न्यायिक प्रक्रिया के ज़रिए प्रभावी ढंग से हल किया गया है, जिसके जरिए मैंने केंद्र सरकार को यूएपीए, पीएमएलए और एनडीपीएस मामलों में ट्रायल के लिए खास स्पेशल कोर्ट बनाने के लिए राजी किया है। सरकार के सहमत होने के बाद यूएपीए, पीएमएलए और एनडीपीएस मामलों के लिए स्पेशल कोर्ट बनाना शुरू कर दिया है। अगर एक सा के भीतर या तेजी से हम ट्रायल को पूरा कर पाते हैं, तो यह विवाद खत्म हो जाएगा। आने वाले सालों में ट्रायल को तेज करने के नतीजे मिलने लगेंगे और आरोपियों की शिकायत का समाधान होगा। सीजेआई ने कहा कि लंबित मामलों से निपटना सबसे बड़ी चुनौती है। देश में ट्रायल कोर्ट में कुल लंबित मामलों की संख्या पांच करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। इन मामलों में 1.1 करोड़ सिविल और 3.9 क्रिमिनल मामले शामिल हैं।

कांग्रेस ने युवा टीम को सौंपा चुनाव प्रबंधन

दतिया सीट के उपचुनाव में कांग्रेस ने चुनाव प्रबंधन में वरिष्ठ नेताओं को आगे करने के स्थान पर नई टीम को उतारने का निर्णय लिया है। पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह को चुनाव प्रबंधन की कमान दी गई है तो जयवर्धन सिंह, सचिन यादव, सिद्धार्थ कुशवाहा को अलग-अलग मोर्चे पर लगाया गया है। इनका जिम्मा संपर्क, संवाद और समन्वय बनाने का रहेगा। तय किया गया है कि बड़ी सभा करने के स्थान पर मोहल्ला स्तरीय बैठकें की जाएंगी। प्रियव्रत सिंह दिल्ली विधानसभा चुनाव के समय वार रूम की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वे राजगढ़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनने से पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस में चुनाव प्रबंधन समिति के प्रभारी थे। पार्टी के उम्मीदवार घनश्याम सिंह सोमवार को नामांकन पत्र जमा करेंगे। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के अलावा पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह समेत वरिष्ठ नेता पहुंचेंगे

आंध्र प्रदेश में कोरोना से 2 की मौत

अमरावती

आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19 के आठ मामले सामने आए हैं और दो मरीजों की मौत हो चुकी है. नए मामले सामने आने और मरीजों की मौत के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी और तैयारी के उपायों को तेज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, कडप्पा के राजमपेट इलाके में एक 52 वर्षीय एक व्यक्ति को बुखार और खांसी की शिकायत हुई। जांच में व्यक्ति कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया, जिसकी वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं एक दूसरे मामले में कडप्पा के 43 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान वह कोविड-19 संक्रमित पाया गया और बाद में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 का शुभारंभ आज

जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में निवेश को मिलेगा बढ़ावा

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 13 जुलाई को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 : जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर का शुभारंभ करेंगे। साथ ही राज्य सरकार के प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक विकास के विजन को साझा कर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठक कर निवेश, परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं भावी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉनक्लेव परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित टेकग्रोथ कॉनक्लेव 3.0 का उद्देश्य उच्च-विकास वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को गति देना और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रदेश को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करना है। कॉनक्लेव में मध्यप्रदेश की प्रौद्योगिकी विकास यात्रा पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही अग्रणी कंपनियों के विशेषज्ञ जीसीसी विस्तार, डेटा सेंटर विकास और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जुड़े अवसरों पर अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न रणनीतिक साझेदारियों और समझौतों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा जो राज्य के प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कॉन्क्लेव में सेमीकंडक्टर, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स एवं डेटा सेंटर्स विषयों पर केंद्रित राउंडटेबल चर्चाएं आयोजित होंगी। इनमें वरिष्ठ उद्योग प्रतिनिधि, नीति-निर्माता और शिक्षाविद् राज्य में निवेश की संभावनाओं, कुशल मानव संसाधन, औद्योगिक अधोसंरचना, नीतिगत सहयोग और भविष्य की आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श करेंगे। चर्चा के प्रमुख विषयों में मध्यप्रदेश में एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का विकास, राज्य को भारत के अगले प्रमुख जीसीसी गंतव्य के रूप में स्थापित करना और डिजिटल अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाना शामिल है।

पहाड़ों पर उतरा कुदरत का गुस्सा

उत्तराखंड में 91 सड़कें बंद

कश्मीर में बादल फटा

देहरानू/जम्मू/शिमला

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्य इस समय मानसून और प्राकृतिक आपदाओं की दोहरी मार झेल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर घाटी में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदियां उफान पर हैं, मुख्य हाईवे से लेकर सैकड़ों लिंक रोड बंद हैं और लोग लगातार मलबे व भूस्खलन के डर के साये में जीने को मजबूर हैं। बिगड़ते हालातों को देखते हुए मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। दक्षिण कश्मीर में प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला है, जहां दो अलग-अलग प्रसिद्ध इलाकों में अचानक बादल फटने से नदी-नालों में भयंकर सैलाब आ गया। पहली घटना अनंतनाग जिले के चित्रगुल के ऊपरी पर्वतीय इलाकों में हुई, जिससे नाला आरपत चित्रगुल शांगस में अचानक बाढ़ आ गई। इसके तुरंत बाद पर्यटन स्थल पहलगाम के नाला आवूरा में भी बादल फटा, जिससे पानी का स्तर डरावनी तेजी से बढ़ गया। मटमैले पानी के तेज बहाव को देखकर निचले इलाकों और तटों पर कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया। गनीमत रही कि पहलगाम तट पर स्थित प्रमुख होटलों में ठहरे देश-विदेश के सभी पर्यटक सुरक्षित हैं। आपदा प्रबंधन, पुलिस और राजस्व विभागों को पूरी तरह सतर्क मोड पर रखा गया है। संवेदनशील और निचले इलाकों में बचाव और निगरानी टीमें तैनात कर दी गई हैं। उत्तराखंड में भूस्खलन के कारण संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट चुके हैं। राज्य में एक राष्ट्रीय राजमार्ग और दो स्टेट हाईवे समेत कुल 91 मुख्य मार्ग बंद हैं, जिससे आवाजाही ठप हो गई है। लोक निर्माण विभाग सड़कों को खोलने की कोशिश में जुटा है, लेकिन लगातार गिरते मलबे से बाधा आ रही है। सबसे बदतर हालात पौड़ी गढ़वाल (21 मार्ग बंद) और चमोली (19 मार्ग बंद) में हैं। इसके अलावा टिहरी में 17 और पिथौरागढ़ में 10 सड़कें बंद हैं।

नदियों का बढ़ता जलस्तर

राज्य के 11 बांध और बैराजों में जल स्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। उत्तरकाशी में भागीरथी नदी, कोटेश्वर-रुद्रप्रयाग में अलकनंदा (बदरीनाथ के पास) का जलस्तर तेजी से बढ़ा, हालांकि बाद में इसमें मामूली कमी दर्ज की गई है। ऋषिकेश और हरिद्वार में गंगा का जलस्तर फिलहाल घट रहा है, लेकिन खतरा टला नहीं है।

12 से 16 जुलाई का पूर्वानुमान

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में राहत की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग ने 12 से 16 जुलाई तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और मंडी, कुल्लू, कांगड़ा व चंबा जैसे जिलों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश तथा बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

कीचड़ से गुजर रही शव यात्रा, मुंह में कपड़ा बांधकर अंतिम संस्कार करने मजबूर हुए लोग

सिहोरा के वार्ड 9 और 13 के रहवासियों का जीना हुआ मुहाल, जिम्मेदार हुए मौन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

बारिश के मौसम में नगर के वार्ड क्रमांक 9 पहरेवा और वार्ड 13 के रहवासियों के लिए श्मशान घाट तक अंतिम यात्रा ले जाना किसी परीक्षा से कम नहीं है। परिवार में किसी की मृत्यु होने पर परिजनों को कंधे पर अर्थी उठाकर कीचड़ और पानी से भरे रास्ते से गुजरते हुए श्मशान घाट पहुंचना पड़ता है। स्थानीय निवासी संतोष विश्वकर्मा और बंशीलाल ने बताया कि तेज बारिश के दौरान एक व्यक्ति का पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में चार लोग कंधे पर अर्थी लेकर पानी और कीचड़ के बीच से अंतिम यात्रा निकालने को मजबूर होते हैं। कई बार फिसलने का खतरा भी बना रहता है।

सुविधाओं का अभाव, बदबू से बढ़ी परेशानी

श्मशान घाट में पीने के पानी और अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों के बैठने तक की व्यवस्था नहीं है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि श्मशान घाट के पास ही नगर पालिका ने कचरा डंपिंग पॉइंट बना दिया है। बारिश में कचरा सड़ने से उठने वाली दुर्गंध के कारण लोगों को मुंह पर कपड़ा बांधकर अंतिम संस्कार करना पड़ता है।

2 साल बाद भी अधूरा पहुंच मार्ग– करीब दो वर्ष पहले श्मशान घाट में शेड का निर्माण कराया गया था, लेकिन आज तक लगभग 250 मीटर पहुंच मार्ग नहीं बन सका। रहवासियों ने नगर पालिका से तत्काल सड़क निर्माण और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

70वीं जिला स्तरीय शालेय कुराश प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया अपना दमखम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला शिक्षा विभाग एवं मेरिडियन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गांधीग्राम के संयुक्त तत्वावधान में 70वीं अंतरशालेय जिला स्तरीय शालेय बालक एवं बालिका कुराश प्रतियोगिता का भव्य आयोजन मंगल भवन, पनागर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने जोश, अनुशासन, खेल भावना एवं उत्कृष्ट तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ पनागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुशील तिवारी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में जिला शिक्षा विभाग की जिला क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा, मेरिडियन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर प्रताप सिंह बघेल, चेयरमैन पुष्पराज सिंह बघेल, प्राचार्या अंकिता अग्रवाल, अंतरराष्ट्रीय खो-खो खिलाड़ी चंद्रशेखर स्वामी आदि उपस्थित रहे।

प्रमाण पत्र का वितरण – दिनभर चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार तकनीक, साहस, संयम और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रत्येक मुकाबला दर्शकों के लिए रोमांच और उत्साह का केंद्र बना रहा। विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई। प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों का चयन आगामी संभाग स्तरीय शालेय कुराश प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित खिलाड़ियों से जिले को उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मेरिडियन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जिला शिक्षा विभाग, तकनीकी अधिकारियों, निर्णायकों, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा। वहीं कुराश एसोसिएशन के महासचिव शशांक सिंह ठाकुर ने प्रतियोगिता के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बुजुर्ग को रौंदकर फरार हुआ अज्ञात वाहन चालक, मौत

मझौली थाना क्षेत्र के रानीताल गांव की घटना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझौली थाना क्षेत्र के रानीताल गांव में शनिवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से 55 वर्षीय प्रताप चौधरी निवासी रानीताल गांव की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक यह हादसा शनिवार देर रात हुआ। बुजुर्ग को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मझौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और संभावित मार्गों पर वाहन की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान कर जल्द ही वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

युवाओं की आशाओं, आकांक्षाओं के अनुरूप ही नीति निर्माण की आवश्यकता

विश्व जनसंख्या दिवस पर शास मानकुंवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय में हुए आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शासकीय मानकुंवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य डॉ. आरएन श्रीवास्तव के संरक्षण में एवं आई क्यूएसी एवं भूगोल व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्व जनसंख्या दिवस 2026 का विषय युवाओं की आशाओं और अकांक्षाओं को साकार करना आज और भविष्य के लिए पर डॉ. आशा दुबे ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि भारत युवाओं का देश है और युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप ही नीति निर्माण की आवश्यकता है। डॉ. उषा कैली ने लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तिकरण पर विचार व्यवक्त किया। डॉ. अखिलेश शर्मा ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण की जगह जनसंख्या प्रबंधन की आवश्यकता है। डॉ. नोएलदान ने संतुलित जनसंख्या व सतत् विकास की बात कही। डॉ. रागिनी उपाध्याय, ने युवाओं को विचार व्यक्त एवं निर्णय क्षमता पर चर्चा की। डॉ. किरण कुमार ने जनसंख्या का असमान वितरण पर विचार व्यक्त किये। डॉ. वरुणराव बंसोड़कर ने कहा कि बढ़ती उपभोक्तावादी नीतियों का नियंत्रण होना चाहिए जिससे सामाजिक संस्कृति विकास हो सके।

बढ़ती जनसंख्या पर हुई चर्चा -डॉ. सुनीता सोनी ने भारतीय संस्कृति व पश्चात्य कार्यशैली के प्रभाव की बात कहीं। डॉ. बलिराम अहिरवार ने शहरीकरण व पाश्चात्य कार्यशैली के प्रभाव पर चर्चा की। डॉ. तुलिका गौतम ने प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते जनसंख्या दबाव पर चर्चा की। डॉ. प्रशांत सिंह ने युवाओं के कौशल विकास का एवं रोजगार निर्माण पर ध्यान आकर्षण की बात कही। डॉ. कृष्ण कुमार पाण्डेय ने युवाओं की शिक्षा व स्वास्थ्य की महत्ता पर विचार व्यक्त किये। डॉ. हर्षा सिसोदिया ने नौकरी पेशा महिलाओं की व्यवसायिक कार्यशैली व समय प्रबंधन और सामाजिक भागीदारी के अभाव की बात कही। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ. ब्रम्हानंद त्रिपाठी द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सतत् विकास एवं युवाओं को सशक्त बनाने की बात कहीं एवं कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. मनोज प्रियदर्शन, डॉ. अभिषेक कोष्टा, डॉ. नोएल दान, डॉ. उषा कैली, डॉ. अभिषेक शर्मा, डॉ. किरण कुमार, डॉ. रागिनी उपाध्याय, डॉ. वरूण राव बंसोड़कर, डॉ. सुनीता सोनी आदि उपस्थित रहे।

मानगांव में आवारा कुत्तों का आतंक

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर के निकट बसे मानगांव में पिछले 6 महीने से आवारा कुत्तों का आतंक है। यह खूंखार श्वान मवेशियों को अपना शिकार बना रहे हैं। पशुपालक हेमराज यादव, लक्ष्मी नारायण यादव ,राम प्रकाश यादव ने बताया की पिछले छः महीने से आवारा कुत्ते के झुंड गाय, बछड़ा, बछड़ी, भैंस, बकरी के ऊपर समूह बनाकर झूमट पडते हैं और घायल कर लहूलुहान कर देते हैं। इन आवारा कुत्तों के काटने से गांव में लगभग एक दर्जन मवेशियों की मौत रेबीज की बीमारी से हो चुकी है। जिससे पशुपालकों को बेहद आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस संबंध में मानगांव के पशुपालकों ने शासन प्रशासन से इस समस्या के निजात पाने की गुहार लगाई है। जहां एक ओर प्रदेश में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या के कारण देश के उच्चतम न्यायालय ने मप्र सरकार को इनकी संख्या पर पाबंदी लगाने नसबंदी करने ,डाग कैचर टीम बनाने सहित अनेक प्रकार की एडवाइजरी दिशा निर्देश जारी किए हैं, परंतु यह आदेश निर्देश ग्रामीण क्षेत्रों में हवा हवाई साबित हो रहे हैं। गांव में कई दर्जन कुत्तों का झुंड दिनभर सार्वजनिक स्थान चौराहा, तिराहा ,गली ,मोहल्ले ,मंदिरों स्कूलो ,चाय पान की दुकानो व प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में बैठा रहता है।

फिर बढ़ी बैचेनी और उमस, आसमान से नदारद हुए बादल

अब तक दर्ज हुई 181.4 मिमी वर्षा, सिस्टम पड़ा कमजोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मानसून के सीजन में रविवार का दिन जबलपुर वासियों के लिए काफी भारी और बेचैन करने वाला साबित हुआ। बीते कुछ दिनों से शहर में छाए रहने वाले काले-घने बादलों का मिजाज अचानक बदल गया और वे आसमान से पूरी तरह नदारद रहे। सुबह से ही सूरज के तेवर तल्ख नजर आए, जिसके कारण दिनभर में एक बूंद बरसात भी दर्ज नहीं की गई। बारिश थमने और आसमान साफ होने से मौसम के मिजाज में अचानक रुखापन आ गया, जिससे पूरे दिन लोग बूंद-बूंद बारिश के लिए तरसते दिखे। इस पुरे सप्ताहांत में बारिश देखने नहीं मिली पर आसमान में बादल रहे पर वहीं रविवार को कड़ाके की धूप ने शहर में दस्तक दे दी। छुट्टी का दिन होने के बावजूद लोग कड़ी और चुभने वाली धूप के कारण अपने घरों से बाहर निकलने में कतराते रहे। छुट्टी का

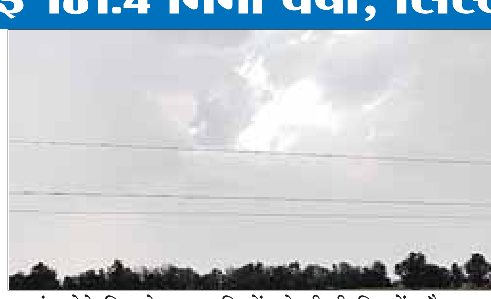

आनंद लेने निकले शहरवासियों को तीखी किरणें और तपन का सामना करना पड़ा। धूप इतनी तेज थी कि दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा।

तापमान में हुई बढ़ोत्तरी– धूप के तीखे तेवरों का सीधा असर दिन के तापमान पर भी देखने को मिला। शनिवार की तुलना में रविवार को अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 34.5 तो वहीं न्यूनतम तापमान 26.0 दर्ज किया गया। इस दौरान 181.4 मिमी बारिश दर्ज की गयी। हवा में नमी का स्तर अधिक होने और ऊपर से धूप खिलने के कारण वातावरण में भारी उमस बन गई। इस उमस भरे माहौल ने लोगों को पसीने से तर-बतर कर दिया। घरों में पंखे और कूलर भी इस बेहिसाब उमस के आगे बेअसर साबित हो रहे थे, जिसने लोगों की बेचैनी को और बढ़ा दिया। स्थानीय स्तर पर बने सिस्टम के कमजोर पड़ने के कारण बादलों की आवाजाही कम हुई है, जिससे अचानक गर्मी और तापमान में यह उछाल आया है। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि आगामी 24 से 48 घंटों में एक बार फिर नया सिस्टम सक्रिय हो सकता है, जिससे बादलों की वापसी होगी। फिलहाल, संस्कारधानी के नागरिक इस चिपचिपी गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए झमाझम बारिश के नए दौर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नर्मदा किनारे गायत्री परिवार ने रोपे 500 पौधे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अखिल विश्व गायत्री परिवार के पर्यावरण आंदोलन के अंतर्गत मां नर्मदा को हरियाली चूनर के क्रम में नर्मदा तट, लम्हेटाघाट के समीप स्थित श्रीराम वन एवं भृगु उद्यान में 500 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण जन जागरूकता गीतों से हुआ। पीपल, बरगद, नीम, आंवला, बेल, देव वृक्षों के साथ ही फ लदार पौधों का विधिवत पूजन पंच कुंडीय तरू रोपण महायज्ञ के माध्यम से किया गया। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा औषधि उपवन बनाने के लिए औषधि पौधे प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक नीरज सिंह, विशिष्ट अतिथि जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर पंचायत भेड़ाघाट अध्यक्ष चतुरसेन लोधी, विधायक प्रतिनिधि ओम नारायण दुबे ने भागीदारी की। नगर

परिषद से पार्षद महेश तिवारी, अजय पटेल, सजल तिवारी आदि की उपस्थिति रही। गायत्री परिवार से उपजोन प्रभारी नरेश तिवारी, मुख्य ट्रस्टी बीबी शर्मा, जिला समन्वयक प्रेम शंकर तिवारी ने सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित कराया।

पाटन बस स्टेंड से पकड़ा गया सागर से फरार दुष्कर्म का आरोपी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सागर से फरार दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने पाटन स्थित बस स्टेंड से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी युवक ने एक युवती को नौकरी दिलाने व शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद धमकी देते हुए भाग निकला।

पुलिस के मुताबिक सागर की युवती को युवक ने नौकरी दिलाने का झांसा दिया, जिसके चलते वह युवक से बातचीत करने लगी। बातचीत के दौरान युवक ने बहाने से मिलने के लिए बुलाया, इसके बाद जबलपुर की होटल में लाकर शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान युवक ने शादी का वादा कर किया। इसके बाद न नौकरी मिली और शादी करने के लिए कहा गया तो उसने इंकार करते हुए धमकी देना शुरु कर दिया। युवती की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी, पुलिस साइबर सेल की मदद से युवक का लोकेशन भी ट्रेस करती रही। इस दौरान खबर मिली कि युवक जबलपुर के पाटन बस स्टेंड में बैठा है और जबलपुर आने के लिए बस का इंतजार कर रहा है। जिसपर सागर से पुलिस की टीम जबलपुर के पाटन बस स्टेंड पहुंच गई और घेराबंदी करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया जबलपुर-पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ऑन-बोर्ड निरीक्षण

परखी यात्री सुविधाएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं गुणवत्तापूर्ण रेल यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा ने वाणिज्य, विद्युत, संरक्षा एवं रेल सुरक्षा बल के अधिकारियों के साथ ट्रेन संख्या 20162 जबलपुर-पुणे वीकली सुपरफास्ट एक्सप्रेस का जबलपुर से इटारसी तक ऑन-बोर्ड सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने कोचों में उपलब्ध यात्री सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने कोचों की साफ-सफाई, पानी की उपलब्धता, शौचालयों की स्वच्छता, पंखे, लाइट एवं अन्य विद्युत उपकरणों की कार्यशीलता का निरीक्षण किया।

जांची गई बेड रोल की गुणवत्ता– साथ ही फायर सेफ्टी उपकरणों,यात्रियों को दिये जाने वाले बेड रोल ,कम्बल इत्यादि की गुणवत्ता की भी जांच की गई। साथ ही आपातकालीन निकास, सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं तथा यात्रियों की सुविधा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जांच की। निरीक्षण के दौरान अनाधिकृत यात्रियों एवं संदिग्ध सामान की जांच भी की गई तथा यात्रियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव प्राप्त किए गए।

चलाया गया विशेष अभियान– मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रियों को उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कमी न रहे तथा प्रत्येक शिकायत का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। इसी दौरान मंडल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग द्वारा विशेष टिकट जांच अभियान भी चलाया गया। अभियान के दौरान बिना टिकट, अनियमित एवं अनाधिकृत रूप से यात्रा कर रहे कुल 47 यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 44,360 का रेल राजस्व प्राप्त किया गया। जबलपुर रेल मंडल यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा इस प्रकार के निरीक्षण एवं विशेष अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे।

टिकट चैकिंग से पमरे ने कमाया 15 करोड़ से अधिक का राजस्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के जून 2026 में अनबुक्ड लगेज, बिना टिकट यात्रा तथा अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 1 लाख 75 हजार 900 मामलें पकड़े गए जिनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 15 करोड़ 3 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकिट जाँच अभियान में बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के 3 हजार 400 मामलों से 24 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। जबलपुर मंडल के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए जांच अभियान में 84 हजार 900 मामलों से 7 करोड़ 71 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया।

भोपाल मंडल के टिकट जांच के दौरान 56 हजार मामलों से 4 करोड़ 22 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। कोटा मंडल के टिकट निरीक्षकों ने अभियान के दौरान 31 हजार 600 मामलों से 2 करोड़ 86 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया।

छायावादः भाव, सौंदर्य और सांस्कृतिक चेतना का स्वर्णिम अध्याय

हिन्दी साहित्य के इतिहास में छायावाद युग (1918 से 1936) को आधुनिक हिन्दी कविता का स्वर्णिम काल माना जाता है। इस युग ने कविता को केवल उपदेश, नीति और वर्णन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे मानवीय भावनाओं, आत्मानुभूति, कल्पना, प्रकृति-प्रेम और सौंदर्य-बोध से समृद्ध किया। छायावाद ने हिन्दी कविता को नई संवेदना, नई भाषा और नई कलात्मक अभिव्यक्ति प्रदान की। इस युग के चार प्रमुख स्तंभ जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी शिनरालाश, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्माकृने अपनी कालजयी रचनाओं से हिन्दी साहित्य को अमूल्य धरोहर दी।

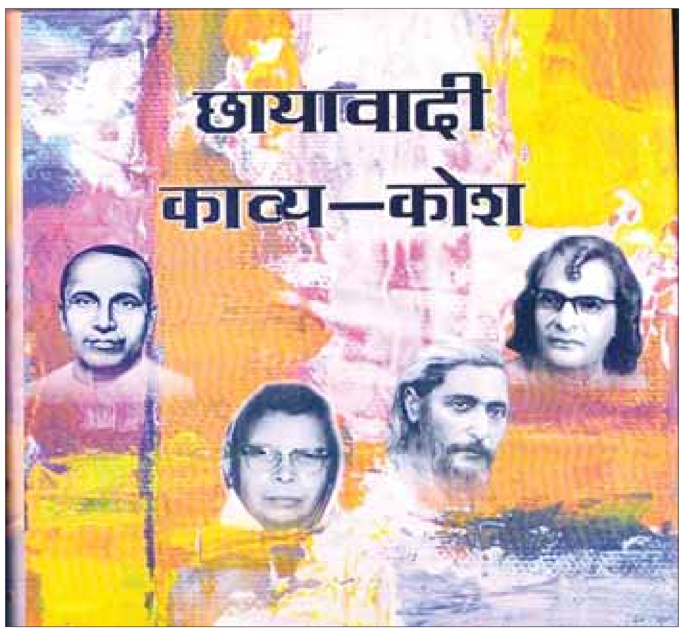

छायावाद का उद्भव और स्वरूप

द्विवेदी युग की उपदेशात्मक और तथ्यप्रधान काव्यधारा के बाद छायावाद का उदय हुआ। इसने कविता में व्यक्ति के अंतर्मन, संवेदनाओं और कल्पना को प्रमुख स्थान दिया। छायावादी कवियों ने जीवन के सूक्ष्म भावों, प्रेम, विरह, करुणा, आशा, निराशा और आध्यात्मिक अनुभवों को अत्यंत कलात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया। इस कारण छायावाद को हिन्दी का रोमांटिक युग भी कहा जाता है।

छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ

छायावाद की सबसे बड़ी विशेषता प्रकृति का मानवीकरण है। पर्वत, नदी, फू ल, चाँद, बादल और पवन जैसे प्राकृतिक तत्व कवियों की रचनाओं में जीवंत पात्र बनकर उभरते हैं। नारी को केवल सौंदर्य की वस्तु नहीं, बल्कि संवेदना, शक्ति, त्याग और गरिमा के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया। रहस्यवाद, सौंदर्य-चेतना, प्रतीकात्मकता, संगीतात्मक भाषा, लाक्षणिक शैली तथा कोमल भावनाओं की अभिव्यक्ति ने इस युग को विशिष्ट पहचान दी।

भारतीय संस्कृति और दर्शन का प्रभाव

छायावादी साहित्य पर भारतीय संस्कृति, वेद-उपनिषद, भक्ति साहित्य, बौद्ध एवं सूफी दर्शन का गहरा प्रभाव दिखाई देता है। साथ ही, पाश्चात्य रोमांटिक साहित्य से भी प्रेरणा मिली। परिणामस्वरूप इस युग की रचनाओं में आध्यात्मिकता, मानवीय संवेदना, प्रकृति के प्रति अनुराग और आत्मचिंतन का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

हिन्दी साहित्य को मिला अमूल्य योगदान

छायावाद का सबसे महत्वपूर्ण योगदान खड़ी बोली हिन्दी को एक सशक्त, परिष्कृत और मधुर काव्य-भाषा के रूप में स्थापित करना था। इस युग ने हिन्दी कविता को कलात्मक ऊँचाइयाँ प्रदान कीं और साहित्य में मौलिक चिंतन तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रतिष्ठित किया। राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक गौरव और स्वतंत्रता आंदोलन के सांस्कृतिक पक्ष को भी छायावादी साहित्य ने नई ऊर्जा दी। इस काल की रचनाओं ने पाठकों में आत्मविश्वास, देशप्रेम और सांस्कृतिक स्वाभिमान की भावना को सुदृढ़ किया।

आज के संदर्भ में छायावाद का महत्व

आज भी छायावादी साहित्य अपनी संवेदनशीलता, मानवीय मूल्यों और सौंदर्य-दृष्टि के कारण प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ के बीच यह साहित्य मनुष्य को प्रकृति, संस्कृति और अपने अंतर्मन से जोड़ने का संदेश देता है। इसकी भाषा, शैली और भाव-संपदा आज के रचनाकारों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनी हुई है।

श्रद्धा पटेरिया
शिक्षक
हितकारिणी
चिल्ड्रन्स एकेडमी
गोरखपुर,
जबलपुर

भाषा के माध्यम से बाल-केंद्रित शिक्षा

आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने का अवसर देती है भाषा

बदलते समय के साथ शिक्षा के स्वरूप में भी परिवर्तन आया है। आज बाल-केंद्रित शिक्षा को आधुनिक शिक्षा की सबसे प्रभावी पद्धति माना जाता है। इस पद्धति में शिक्षण का केंद्र शिक्षक नहीं, बल्कि बच्चा होता है। बच्चों की रुचि, आवश्यकता, क्षमता और सीखने की गति को ध्यान में रखते हुए उन्हें सीखने के अवसर दिए जाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में भाषा सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है, क्योंकि भाषा ही बच्चों को अपने विचार व्यक्त करने, प्रश्न पूछने, संवाद स्थापित करने और ज्ञान अर्जित करने में सक्षम बनाती है।

बाल-केंद्रित शिक्षा में भाषा की भूमिका

बाल-केंद्रित शिक्षा में भाषा केवल संप्रेषण का साधन नहीं, बल्कि सीखने और सोचने का आधार है। जब बच्चे अपनी मातृभाषा या सहज भाषा में प्रश्न पूछते हैं, चर्चा करते हैं और अपने अनुभव साझा करते हैं, तब उनका सीखना अधिक प्रभावी और स्थायी बनता है। भाषा बच्चों को आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने का अवसर देती है।

बाल-केंद्रित शिक्षा की अवधारणा

बाल-केंद्रित शिक्षा इस सिद्धांत पर आधारित है कि प्रत्येक बच्चा विशिष्ट होता है और उसकी सीखने की शैली भी अलग होती है। इसलिए सभी बच्चों को एक जैसी पद्धति से पढ़ाने के बजाय उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। शिक्षक यहाँ ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का मार्गदर्शक और सहयोगी होता है।

भाषा आधारित शिक्षण गतिविधियाँ

बाल-केंद्रित शिक्षा में कहानी-कथन, कविता, संवाद, भूमिका-अभिनय, समूह चर्चा, परियोजना कार्य, खेल, प्रयोग, चित्र-वर्णन और रचनात्मक लेखन जैसी गतिविधियों का उपयोग किया जाता है। इन गतिविधियों से बच्चों का भाषा कौशल, अभिव्यक्ति, कल्पनाशक्ति और तार्किक सोच विकसित होती है।

शिक्षक की भूमिका

बाल-केंद्रित शिक्षा में शिक्षक बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने, प्रश्न पूछने और अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रेरित करता है। वह ऐसा भाषाई वातावरण तैयार करता है जहाँ प्रत्येक बच्चा बिना संकोच अपनी बात कह सके और सक्रिय रूप से सीखने की प्रक्रिया में भाग ले सके।

वैष्णवी राय
शिक्षक
आदर्श
हितकारिणी
चिल्ड्रन
एकेडमी
गोविंदगंज,
जबलपुर

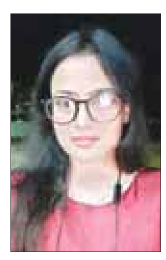

प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पहल

शिक्षकों को बाल-केंद्रित एवं भाषा-आधारित शिक्षण का नियमित प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए। कक्षा में समृद्ध भाषाई वातावरण का निर्माण करना बेहद जरूरी है इसके साथ ही मातृभाषा एवं स्थानीय भाषा को सम्मान देना होगा। गतिविधि आधारित एवं संवादात्मक शिक्षण को बढ़ावा देते हए बच्चों को पढ़ने, लिखने, बोलने और सुनने के पर्याप्त अवसर देना बेहद जरूरी है।

विद्यार्थियों पर सकारात्मक प्रभाव

जब बच्चों को अपनी भाषा में विचार व्यक्त करने और प्रश्न पूछने का अवसर मिलता है, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। भाषा के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति के भाव विकसित होते हैं, जो उनमें समस्याओं के समाधान खोजने की क्षमता विकसित करते हैं। समूह चर्चा, सहयोगात्मक कार्य और संवाद के माध्यम से बच्चे एक-दूसरे का सम्मान करना, टीम भावना और नेतृत्व कौशल सीखते हैं।

भाषा और बच्चों की जिज्ञासा, सीखने की पहली सीढ़ी

बच्चों की जिज्ञासा उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता होती है। जिज्ञासा का अर्थ है किसी नई बात को जानने, समझने और सीखने की इच्छा। इस जिज्ञासा को व्यक्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम भाषा है। भाषा के द्वारा ही बच्चे अपने मन में उठने वाले प्रश्न पूछते हैं, अपने विचार व्यक्त करते हैं और नए ज्ञान की ओर बढ़ते हैं। इसलिए भाषा और जिज्ञासा का गहरा संबंध है।

भाषा से अभिव्यक्त होती है जिज्ञासा

बच्चे स्वभाव से अत्यंत जिज्ञासु होते हैं। वे अपने आसपास की हर वस्तु, घटना और व्यक्ति के बारे में प्रश्न पूछते हैं। जैसे आसमान नीला क्यों है? सूरज कहाँ से निकलता है? पक्षी कैसे उड़ते हैं? इन प्रश्नों के माध्यम से उनकी भाषा का विकास होता है और वे अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करना सीखते हैं।

भाषा सीखने का सशक्त माध्यम

जब बच्चों को उनके प्रश्नों के सरल और उचित उत्तर मिलते हैं, तो उनका ज्ञान बढ़ता है। कहानी, कविता, संवाद, पुस्तकें और बातचीत जैसी भाषाई गतिविधियाँ उनकी सोचने-समझने की क्षमता का विकास करती हैं। भाषा उन्हें नए शब्द, नए विचार और नए अनुभवों से परिचित कराती है।

जिज्ञासा और मानसिक विकास

जिज्ञासा बच्चों को नई खोज करने, प्रयोग करने और समस्याओं का समाधान ढूँढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भाषा इस पूरी प्रक्रिया में मार्गदर्शक का कार्य करती है। वैज्ञानिकों, आविष्कारकों और महान व्यक्तियों की सफ लता के पीछे उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति के साथ-साथ प्रभावी भाषा और ज्ञान अर्जित करने की क्षमता भी महत्वपूर्ण रही है।

जिज्ञासा को सही दिशा देना

बच्चों की जिज्ञासा को सुरक्षित और सकारात्मक दिशा देना भी आवश्यक है। उन्हें सही और गलत का ज्ञान कराते हुए ऐसी गतिविधियों से जोड़ना चाहिए, जिनसे उनकी भाषा समृद्ध हो और वे अपने ज्ञान का उपयोग समाजहित में कर सकें।

सरिता नामदेव
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
डुमना, जबलपुर

माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका

माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे बच्चों के प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनें, धैर्यपूर्वक उत्तर दें तथा उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को पुस्तकें पढ़ने, चर्चा करने, कहानी सुनने, प्रयोग करने और नई बातें सीखने के अवसर देने चाहिए। इससे उनकी भाषा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास तीनों का विकास होता है।

हिंदी पहेलियां

1. मैं स्वर भी हूँ और व्यंजन भी नहीं, फिर भी हिंदी में मेरा बहुत महत्व है। बताओ मैं कौन हूँ?
उत्तर – अनुस्वार

2. मैं बिना मुँह के बोलती हूँ, बिना कान के सुनाती हूँ। किताबों में रहती हूँ। बताओ मैं कौन हूँ?
उत्तर – भाषा

3. ऐसा कौन-सा शब्द है, जिसमें पाँच अक्षर हैं, लेकिन पढ़ने पर केवल दो अक्षरों की ध्वनि सुनाई देती है?
उत्तर – क्षमा
(यह संयुक्ताक्षर की अवधारणा पर आधारित है।)

4. मैं लिखने में छोटी हूँ, लेकिन मेरे बिना कोई वाक्य पूरा नहीं होता। मैं कौन हूँ?
उत्तर – पूर्ण विराम

शब्दों का सही अर्थ जानिए

हिंदी के ऐसे शब्द जिन्हें हम अक्सर गलत समझ लेते हैं

हिंदी भाषा शब्दों की समृद्धि और अभिव्यक्ति की गहराई के लिए जानी जाती है। लेकिन कई ऐसे शब्द हैं जिनका हम रोजमर्रा की बातचीत या लेखन में गलत अर्थ लगा देते हैं। कभी-कभी एक छोटी-सी भूल वाक्य का पूरा भाव बदल देती है। इसलिए सही अर्थ और सही प्रयोग जानना न केवल भाषा को शुद्ध बनाता है, बल्कि व्यक्तित्व और अभिव्यक्ति को भी प्रभावशाली बनाता है। आइए, ऐसे ही कुछ शब्दों से परिचित होते हैं जिनका अर्थ अक्सर गलत समझ लिया जाता है।

1. श्रद्धांजलि– सामान्य बोलचाल में, इसका उपयोग किसी व्यक्ति के निधन के बाद उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करने और उनके महान कार्यों को याद करके सम्मान प्रकट करने के लिए किया जाता है। जबकि सही अर्थ होता है, किसी दिवंगत व्यक्ति के प्रति सम्मान प्रकट करना, जो कभी भी दिया जा सकता है।

2. सहानुभूति– इसका गलत अर्थ समझ लिया जाता है कि केवल दया करना, जबकि सही अर्थ किसी के दुख या पीड़ा को समझना और उसके प्रति संवेदना व्यक्त करना होता है।

3. संवेदना– संवेदना शब्द अक्सर केवल शोक प्रकट करने के लिए प्रयोग किया जाता है, जबकि सही अर्थ होता है किसी भी भावना या अनुभव को महसूस करने की क्षमता।

4. अभिमान– अक्सर इसे गलत समझकर हर स्थिति में नकारात्मक भाव से लिया जाता है, जबकि सही अर्थ गर्व भी हो सकता है, लेकिन अनुचित या अत्यधिक गर्व के अर्थ में यह नकारात्मक हो जाता है।

5. प्रसिद्ध– सामान्य बोलचाल में इसे केवल अच्छी वजह से प्रसिद्ध होने के संदर्भ में बोला जाता है, जबकि प्रसिद्धि अच्छी या बुरी, दोनों कारणों से मिल सकती है।

6. आलोचना– अक्सर आलोचना का अर्थ केवल निंदा करना समझा जाता है, जबकि सही अर्थ होता है किसी विषय का गुण-दोष सहित निष्पक्ष विश्लेषण करना।

प्रेम और भक्ति के अमर कवि रसखान

जिन्होंने श्रीकृष्ण को अपना सर्वस्व बना लिया

भारतीय भक्ति साहित्य में अनेक संत और कवियों ने अपनी रचनाओं से अमिट छाप छोड़ी है, लेकिन उनमें रसखान का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। मुस्लिम परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के प्रति ऐसी अनन्य भक्ति दिखाई कि उनका नाम कृष्ण-भक्त कवियों की अग्रिम पंक्ति में लिया जाता है। उनके काव्य में प्रेम, भक्ति, प्रकृति, वात्सल्य और ब्रज संस्कृति का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। रसखान की रचनाएँ आज भी पाठकों के हृदय को भक्ति और प्रेम से सराबोर कर देती हैं।

रसखान का जीवन परिचय

रसखान का वास्तविक नाम सैयद इब्राहीम माना जाता है। उनका जन्म लगभग 16वीं शताब्दी (लगभग 1548 ई.) में माना जाता है। उनके जन्मस्थान को लेकर मतभेद हैं, पर अधिकांश विद्वान उत्तर प्रदेश के पिहानी (जिला हरदोई) को उनका जन्मस्थान मानते हैं।

रसखान एक समृद्ध और शिक्षित परिवार से थे। उन्हें फारसी भाषा और साहित्य का अच्छा ज्ञान था। प्रारंभिक जीवन में वे सांसारिक वैभव और ऐश्वर्य से जुड़े रहे, किंतु बाद में श्रीकृष्ण की भक्ति से प्रभावित होकर उन्होंने अपना जीवन भक्ति और काव्य-साधना को समर्पित कर दिया।

कृष्ण भक्ति की ओर कैसे बढ़े?

लोककथाओं के अनुसार, श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं और ब्रजभूमि की महिमा ने रसखान के हृदय को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने सांसारिक मोह त्यागकर वृंदावन को अपना निवास बना लिया। वहाँ उन्होंने कृष्ण की बाल-लीलाओं, रास, गोचारण और ब्रज की प्राकृतिक सुंदरता का अत्यंत मनोहारी चित्रण किया।

रसखान की प्रमुख रचनाएँ

- प्रेमवाटिका
- सुजान रसखान
- दान-लीला
- अष्टयाम

हिंदी साहित्य में योगदान

रसखान ने यह सिद्ध किया कि सच्ची भक्ति जाति, धर्म और संप्रदाय की सीमाओं से परे होती है। उन्होंने ब्रजभाषा को अपनी रचनाओं का माध्यम बनाकर हिंदी साहित्य को अमूल्य धरोहर दी। उनके काव्य ने प्रेम, समरसता और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

आज के समय में रसखान की प्रासंगिकता

आज जब समाज में सौहार्द, प्रेम और आपसी सम्मान की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है, तब रसखान का जीवन और साहित्य हमें यह सिखाता है कि प्रेम ही सबसे बड़ा धर्म है। उनकी रचनाएँ हमें भक्ति के साथ-साथ मानवता, सहिष्णुता और सांस्कृतिक एकता का भी संदेश देती हैं। रसखान केवल एक महान कवि ही नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक समन्वय के प्रतीक भी थे। उन्होंने अपने काव्य के माध्यम से यह संदेश दिया कि ईश्वर तक पहुँचने का सबसे सरल मार्ग प्रेम और भक्ति है। श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा और ब्रजभूमि के प्रति उनका अनुराग उन्हें हिंदी साहित्य के अमर कवियों की श्रेणी में स्थापित करता है। आज भी उनकी रचनाएँ प्रेम, भक्ति और मानवीय मूल्यों की प्रेरणादायी धरोहर बनी हुई हैं।

कैसे बदलते गए शब्द, कैसे बदलती गई भाषा

हम रोज सैकड़ों शब्द बोलते और सुनते हैं, लेकिन शायद ही कभी यह सोचते हैं कि इन शब्दों की अपनी भी एक कहानी होती है। कोई शब्द हजारों वर्ष पुराना है, कोई किसी विदेशी भाषा से आया है, तो कोई समय के साथ अपना अर्थ बदल चुका है। यही शब्दों की यात्रा भाषा को जीवंत और समृद्ध बनाती है।

कैसे शुरू होती है शब्दों की यात्रा– हर शब्द का जन्म किसी न किसी आवश्यकता से होता है। जब समाज में कोई नई वस्तु, विचार या परिस्थिति आती है, तो उसके लिए नया शब्द बनता है या किसी पुराने शब्द को नया अर्थ मिल जाता है। यही कारण है कि भाषा समय के साथ निरंतर विकसित होती रहती है।

विदेशी भाषाओं से आए शब्द– हिंदी ने अनेक भाषाओं के शब्दों को अपनाकर स्वयं को समृद्ध बनाया है। जैसे किताब अरबी भाषा से, दरवाजा फ ारसी, कमीज अरबी, साबुन यूरोपीय भाषाओं के माध्यम से प्रचलित हुआ है। इसी तरह अलमारी पुर्तगाली भाषा से, रेल, स्टेशन, टिकट अंग्रेजी से आए और अब हिंदी का हिस्सा बन चुके हैं।

अर्थ बदलने वाले शब्द– कुछ शब्दों का अर्थ समय के साथ बदल गया। जैसे गुरु पहले केवल शिक्षक के लिए प्रयुक्त होता था, आज किसी भी क्षेत्र के विशेषज्ञ के लिए भी बोला जाता है। मोबाइल पहले केवल चलायमान वस्तु का अर्थ देता था, आज यह सीधे मोबाइल फ ोन का पर्याय बन गया है। मित्र अब केवल आमने-सामने के दोस्त तक सीमित नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर जुड़े लोगों के लिए भी प्रयुक्त होता है।

एक ही शब्द, अनेक अर्थ– हिंदी में कई शब्द ऐसे हैं जिनके अलग-अलग संदर्भों में अलग अर्थ होते हैं। जैसे कल, बीता हुआ दिन भी और आने वाला दिन भी। इसी तरह शब्द हार, पराजय भी और गले में पहनने वाला आभूषण भी। पत्र, चिट्ठी भी, पत्ता भी और समाचार-पत्र के लिए भी प्रयुक्त होता है।

डिजिटल युग में नए शब्द – ई-मेल, ब्लॉग, पॉडकास्ट, सेल्फी, हैशटैग, इमोजी जैसे नए शब्द बताते हैं कि भाषा समय के साथ बदलती रहती है और नई आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप अपनाती है।

उत्कृष्ट और आदर्श प्रदर्शन सुनिश्चित करने विकास कार्यों का किया गया अवलोकन

उमरिया (स्वतंत्र मत)

पंचायत अचीवमेंट इंडेक्स के अंतर्गत उत्कृष्ट रैंकिंग प्राप्त करते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली ग्राम पंचायत पठारी में विकास कार्यों की निरंतरता और गुणवत्ता को देखने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में यह भ्रमण आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य मुख्य ध्येय आगामी पीएआई 3.0 के स्कोर में भी पंचायत के उत्कृष्ट और आदर्श प्रदर्शन को सुनिश्चित करना तथा जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों का अवलोकन करना था। भ्रमण के दौरान राज्य सलाहकार द्वारा ग्राम पंचायत पठारी में पंचायत कार्यालय परिसर पूरी तरह से स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आम जनता के अनुकूल पाया गया। डिजिटल गवर्नेंस और ऑनलाइन पंचायत कार्यों के लिए कंप्यूटर कक्ष पूरी तरह क्रियाशील है, जिससे पंचायत का प्रशासनिक कार्य पेपरलेस और तीव्र गति से हो रहा है। सी.एस.सी. केंद्र ग्रामीणों को बैंकिंग, प्रमाण पत्र और अन्य ऑनलाइन शासकीय सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सुगमता से मिल रही हैं। युवाओं और बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेल स्टेडियम का निर्माण और उसका रख-रखाव उच्च स्तर का पाया गया। स्थानीय स्तर पर कुपोषण को दूर करने और ताजी सब्जियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह पहल बेहद प्रभावी ढंग से संचालित है। जिससे जुड़े लगभग 11 परिवारों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ प्राप्त हो रही है। पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के उद्देश्य से विकसित की गई नर्सरी और देवारण्य प्रोजेक्ट की प्रगति संतोषजनक रही। कचरा प्रबंधन और स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे स्वच्छता रथ की कार्यप्रणाली को सराहा गया। जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और आपसी संवाद के लिए नियमित रूप से आयोजित होने वाली जन चौपाल की व्यवस्था को एक आदर्श मॉडल माना गया। मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने और पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में पंचायत द्वारा किया गया कार्य अत्यंत उत्कृष्ट श्रेणी का पाया गया। ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम वासियों के लिए विशेषकर महिलाओं और बालिकाओं के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट भी लगाई गई है जो रात में भी एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करती है। राज्य सलाहकार नवीन शिवा ने वर्तमान व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पठारी पंचायत ने पीएआई 2.0 में जो कीर्तिमान स्थापित किया है, उसे पीएआई 3.0 में और ऊंचे स्तर पर ले जाने की पूरी क्षमता यहाँ दिखती है। डी.पी.एम. खेम लाल साहू ने सुझाव दिए कि सभी कार्यों के भौतिक सत्यापन के साथ-साथ उनके ऑनलाइन पोर्टल एंट्री और आवश्यक दस्तावेजीकरण को पूरी तरह अपडेट रखा जाए। इस अवसर पर सरपंच गोविन्द प्रसाद गौतम, ग्राम रोजगार सहायक राजकुमार शुक्ला एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में रिश्तों की कड़वाहट साइबर क्राइम तक पहुंची

चचेरे भाई पर फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाने का आरोप

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जमीन के विवाद ने चचेरे भाइयों के रिश्ते इस कदर बिगाड़ दिए कि मामला साइबर अपराध तक पहुंच गया। दरअसल उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम नरवार में एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर कथित तौर पर फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बना ली। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वह उसी की पहचान बनकर लोगों से बातचीत करता रहा, जिससे फरियादी की सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हुई और परिचितों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम नरवार निवासी आशीष सोनी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसका चचेरा भाई शिवम सोनी लंबे समय से चल रहे जमीन विवाद की रंजिश के चलते उसे बदनाम करने की नीयत से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट संचालित कर रहा था। प्रोफाइल में उसकी तस्वीर और नाम का उपयोग कर विभिन्न लोगों से संपर्क किया जा रहा था। जब इसकी जानकारी फरियादी को मिली तो उसने तत्काल नौरोजाबाद थाने में शिकायत की।

दर्ज हुआ मामला- शिकायत के बाद नौरोजाबाद पुलिस ने डिजिटल साक्ष्यों और तकनीकी जांच के आधार पर मामले की पड़ताल की। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। आरोपी के विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(सी), 66(डी), 67 और 67(ए) के साथ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 336(2), 336(4), 318(2) और 319(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस की सलाह- पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके नाम, फोटो या पहचान का दुरुपयोग कर फर्जी अकाउंट बनाया जाता है, तो इसकी जानकारी तत्काल संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, स्थानीय पुलिस या साइबर हेल्पलाइन को दें। किसी अन्य व्यक्ति की पहचान का दुरुपयोग कर उसे बदनाम करना या लोगों को गुमराह करना कानून के तहत गंभीर साइबर अपराध है, जिसके लिए कड़ी सजा का प्रावधान है।

जोहिला वॉटरफॉल सहित संवदेनशील स्थलों का अफसरों ने किया निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्र मत)। वर्षाकाल के दौरान संभावित बाढ़ एवं जलजनित दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से एसडीएम मानपुर, सीईओ जनपद पंचायत मानपुर तथा प्लाटून कमांडर होमगार्ड द्वारा संयुक्त रूप से जोहिला वॉटरफॉल, सरसी आइलैंड, इटमा बोट क्लब सहित अन्य संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन स्थानों का विशेष रूप से जायजा लिया गया, जहां बारिश के मौसम में जनहानि की आशंका बनी रहती है। अधिकारियों ने संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों को निर्देश दिए कि आसपास के सभी गांवों में बाढ़ एवं आपदा से बचाव संबंधी जनजागरूकता के लिए नियमित रूप से मुनादी कराई जाए, ताकि ग्रामीणों और पर्यटकों को संभावित खतरों के प्रति समय रहते सचेत किया जा सके। साथ ही, वॉटरफॉल, नदी, तालाब एवं अन्य जलाशयों के आसपास ऐसे सभी स्थानों पर चेतावनी एवं सावधानी संबंधी नोटिस बोर्ड लगाए जाएं, जहां दुर्घटना होने की संभावना रहती है।प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि वर्षाकाल में जलभराव वाले क्षेत्रों, तेज बहाव वाली नदियों तथा वॉटरफॉल के समीप अनावश्यक रूप से जाने से बचें और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

मगरदर्रा-टिटवा के बीच यात्रियों से भरी बस पलटी, 4 घायल, जिला अस्पताल रेफर

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

जिले के लामता थाना क्षेत्र में रविवार 12 जुलाई की शाम एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। बालाघाट से परसवाड़ा जा रही सीताराम बस सर्विस की निजी यात्री बस मगरदर्रा और टिटवा के बीच टाटेकसा पुलिया के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 14 से 15 यात्री सवार थे। दुर्घटना के बाद बस में चीख-पुकार मच गई और यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की तत्परता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में चार यात्रियों को चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, बस क्रमांक स्क्र 50 ँश्र 2881 बालाघाट से यात्रियों को लेकर परसवाड़ा की ओर जा रही थी। बस जैसे ही मगरदर्रा से आगे बढ़कर टाटेकसा पुलिया के पास पहुंची, चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे तथा बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही लामता थाना पुलिस और चरेगांव पुलिस चौकी का दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य चलाया और घायलों को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भिजवाया। हादसे में रेवतन बाई (46 वर्ष), पति चैनलाल बघेल, निवासी कुरेंडा, हरिसिंह (45 वर्ष), पिता श्याम प्रसाद टेकाम, निवासी जलगांव, सिवनी बघेल (22 वर्ष), पिता ठूनीलाल बघेल, निवासी बघोली तथा जाग्रति उइके (22 वर्ष), पिता मुन्नीलाल उइके, निवासी बघोली घायल हुए हैं। सभी घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार सभी की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में बस के अनियंत्रित होकर पलटने की बात सामने आई है। हालांकि दुर्घटना का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। तकनीकी खराबी, चालक की लापरवाही अथवा अन्य किसी कारण की संभावना को ध्यान में रखते हुए पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

इनका कहना हैं

टिटवा के पास में यात्रि बस पलटने की जानकारी मिलते ही दल के साथ मौके पर पहुंचे, यह घटना करीब 4 बजे के आसपास की हैं, सभी यात्रियों को सुरक्षित बहार निकालकर कुछ घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया हैं। काई जनहानी नहीं हुई हैं, घटना कैसे घटी हैं उसकी जांच की जा रहीं है।

जितेन्द्र चौहान, उपनिरीक्षक
थाना प्रभारी लामता

जिला शिक्षा अधिकारी ने सांदीपनि विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्र मत)। बीते दिनों जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शासकीय सांदीपनि उ.मा.वि. मॉडल करकेली, शास. उ.मा.वि. करकेली का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संस्था प्रमुखो को सभी लोकसेवक निर्देशानुसार प्रतिदिन शिक्षक एप्प मे ई-अटेंडेंस लगाने, कक्षावार, माहवार एंव विषयवार शैक्षणिक गतिविधियां कराने, शासकीय शालाओ में ''स्वच्छता साथी - वॉश ऑन व्हील'' सेवा का अधिक से अधिक उपयोग करने, समस्त संस्था प्रमुख शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने, शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 हेतु नामांकन करने, समस्त संस्था प्रमुख मिशन लाईफ पोर्टल मे नोटिफिकेशन अपलोड कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करा कर फोटो अपलोड करने, समस्त संस्था प्रमुख गुरू-पूर्णिमा पखवाड़ा 15 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक कैलेण्डर अनुसार आयोजित सुनिश्चित करनें, सभी संस्था प्रमुख किसी भी स्थिति में जर्जर भवन मे विद्यार्थियों को न बैठाने, समस्त संस्था प्रमुख सी.सी.एल.ई., उज्वल एवं उमंग हेल्थ एण्ड वेलनेस अंतर्गत कैलेण्डर अनुसार गतिविधियों का आयोजन कर लिंक मे जानकारी भरवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शिक्षकों की शिक्षक डायरी चेक की गई एवं प्राचार्य को निर्देशित किया गया कि सभी शिक्षकों की शिक्षक डायरी शिक्षण के उपरांत प्रतिदिन चेक कर हस्ताक्षर करने के निर्देश दिए गए। वहीं सभी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा एवं शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया।

सड़क हादसे के बाद जागा यातायात विभाग

उमरिया (स्वतंत्र मत)

बीते दिन भरौला में हुए सड़क हादसे के बाद उमरिया यातायात विभाग हरकत में आ गया है। शहर में विशेष यातायात जागरूकता एवं सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। विदित हो कि गुरुवार को भरौला के पास आर्टिका कार के ट्रक से टकराने की घटना में पॉच लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ाते हुए प्रमुख मार्गों और चौराहों पर व्यापक जांच अभियान शुरू कर दिया। अभियान के दौरान सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटवाकर यातायात व्यवस्था सुचारू कराया जा रहा है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई। रात्रिकालीन सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से मालवाहक एवं अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टिव रेडियम टेप लगाए गए। साथ ही वाहन चालकों को रेडियम, इंडिकेटर और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने तथा सड़क पर बेतरतीब वाहनों को नहीं खड़ा करने की समझाइश दी जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की।

एक काम... तीन दावेदार! विद्युत उपकेंद्र पर छिड़ी श्रेय की सियासत

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

खैरलांजी में प्रस्तावित 132 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्वीकृति ने जहां क्षेत्रवासियों को बेहतर बिजली आपूर्ति की उम्मीद दी है, वहीं इस विकास कार्य ने जिले की राजनीति में नया विवाद भी खड़ा कर दिया है। उपकेंद्र की स्वीकृति के बाद श्रेय लेने की राजनीति तेज हो गई है। स्थिति यह है कि एक ही परियोजना पर तीन बड़े नेताओं के समर्थक अपना-अपना दावा ठोक रहे हैं। कोई इसे वर्तमान विधायक की उपलब्धि बता रहा है तो कोई पूर्व मंत्री के वर्षों के प्रयासों का परिणाम बता रहा है, जबकि एक अन्य पक्ष इसे भाजपा विधायक की पहल का नतीजा बता रहा है। ऐसे में जनता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस परियोजना की वास्तविक देन किसकी है? खैरलांजी तहसील की विशेष राजनीतिक स्थिति यह है कि यह क्षेत्र कटंगी और वारासिवनी दो विधानसभा क्षेत्रों में विभाजित हैं। कटंगी से भाजपा विधायक गौरव सिंह पारधी प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि वारासिवनी से कांग्रेस विधायक विवेक विक्की पटेल निर्वाचित हैं। वहीं वारासिवनी के पूर्व विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप (गुड्डा) जायसवाल आज भी क्षेत्र में सक्रिय राजनीति कर रहे हैं। यही वजह है कि उपकेंद्र की स्वीकृति मिलते ही तीनों नेताओं के समर्थकों ने इसे अपने-अपने नेता की उपलब्धि बताना शुरू कर दिया। खैरलांजी नगर के प्रमुख चौराहों से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक श्रेय की जंग साफ दिखाई दे रही है। समर्थकों द्वारा लगाए गए पोस्टर और बैनरों में अपने-अपने नेताओं को 132 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्वीकृति का श्रेय दिया जा रहा हैं। सोशल मीडिया पर भी लगातार पोस्ट और संदेश साझा किए जा रहे हैं, जिससे आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 132 केवी विद्युत उपकेंद्र की मांग वर्षों से की जा रही थी। यदि यह स्वीकृति मिली हैं तो इसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन इसे लेकर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और श्रेय लेने की होड़ उचित नहीं है। लोगों का कहना है कि यदि किसी जनप्रतिनिधि ने वास्तव में इस परियोजना के लिए प्रयास किए हैं तो उन्हें संबंधित दस्तावेज और तथ्य सार्वजनिक करने चाहिए, ताकि वास्तविकता सामने आ सके। 132 केवी विद्युत उपकेंद्र शुरू होने के बाद खैरलांजी सहित आसपास के दर्जनों गांवों को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से बनी लो-वोल्टेज, बार-बार बिजली गुल होने और बढ़ते लोड की समस्या से भी राहत मिलने की संभावना जताई जा रही है। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि यह परियोजना विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और इससे किसानों, व्यापारियों तथा आम उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। फिलहाल एक ही विकास कार्य पर तीन राजनीतिक दावेदार सामने हैं। पोस्टर और सोशल मीडिया के जरिए समर्थक अपने-अपने नेता को श्रेय दिलाने में जुटे हैं, लेकिन आधिकारिक रूप से अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इस स्वीकृति के पीछे किस जनप्रतिनिधि या किस स्तर के प्रयास निर्णायक रहे। ऐसे में अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कोई पक्ष दस्तावेजों के साथ सामने आकर अपनी भूमिका स्पष्ट करेगा या फिर 132 केवी विद्युत उपकेंद्र भी श्रेय की राजनीति का एक और मुद्दा बनकर रह जाएगा।

नाबालिग ने लगाई फांसी

उमरिया (स्वतंत्र मत)। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम गहिराटोला मे एक नाबालिग ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी अनुसार मृतिका का नाम खुशबू बैगा पिता बसंत लाल बैगा उम्र 14 वर्ष निवासी गहिराटोला बताया गया। लिहाजा इस तरह नाबालिक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने के कारणों का पता नहीं चल सका। वहीं पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की विवेचना की जा रही है।

गुमशुदगी पर मामला कायम

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत ग्राम जोगिन से एक युवक बिना बताए घर से कहीं चला गया है। फरियादी सुमित्रा कोल पति राजू कोल उम्र 42 साल निवासी ग्राम जोगिन ने बताया कि अमित कोल पिता राजू कोल उम्र 21 साल निवासी ग्राम जोगिन 11 जुलाई को घर से बिना बताए कहीं चला गया। पुलिस ने मामला कायम कर युवक की तलाश में जुटी है।

415 लाख की सड़क निर्माण में अवैध खनन का खेल

कटंगी (स्वतंत्र मत)। बालाघाट जिले की तिरोड़ी तहसील में एक सड़क के निर्माण यानी विकास कार्य की आड़ में अवैध खनन, भ्रष्टाचार और राजनीतिक संरक्षण का गंदा खेला जा रहा है। पूरा मामला 5.30 किलोमीटर लंबे परसवाड़ाघाट सावरगांव-हथोड़ा सड़क के निर्माण से जुड़ा हुआ है। 415 लाख रुपए की लागत से बनने वाली इस सड़क में तय मानक और अनुमति को ताक पर रखकर अवैध तरीके से मुरूम का खनन कर उपयोग किया जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे खेल में जनप्रतिनिधि और ठेकेदार की मिलीभगत नजर आ रहे हैं। मई 2026 में इस सड़क का भूमिपूजन समारोह बड़े धूमधाम से हथोड़ा में हुआ था। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि थे। उनके साथ जनपद पंचायत अध्यक्ष कविता देशमुख, जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रियंका परते, जनपद सदस्य मनोज बोपचे और कई गांवों के सरपंच मौजूद थे। विधायक गौरव सिंह पारधी ने भूमिपूजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा था “यह सड़क निर्माण कार्य क्षेत्र की आवागमन सुविधा को सुदृढ़ करेगा और ग्रामवासियों को बेहतर संपर्क मार्ग उपलब्ध कराएगा। ग्रामीणों की शिकायत पर रविवार को जब मौके पर पहुंचे तो किसान सेवकराम मालदे के खेत का नजारा देखकर होश उड़ गए। खेत में करीब आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर खड़े थे और 2 जेसीबी मशीन मिट्टी और मुरूम खोद रही थी। जनपद सदस्य मनोज बोपचे खुद मौके पर मौजूद थे और खनन कार्य का संचालन कर रहे थे। खेत में 7 फीट से भी अधिक गहरे गड्ढे हो चुके थे। जब सवाल किया तो जवाब मिला किसान के खेत का सुधार किया जा रहा है। लेकिन 7 फीट गहरे गड्ढे देखकर साफ लग रहा था कि यह सुधार नहीं बल्कि अवैध खनन है। इसी मुरूम को ट्रैक्टरों में भरकर परसवाड़ाघाट हथोड़ा सड़क निर्माण में डाला जा रहा है। इस मामले में सबसे गंभीर पहलू है जनपद सदस्य की भूमिका। सड़क निर्माण का भूमिपूजन करने वाले विधायक गौरव सिंह पारधी के कार्यक्रम में मौजूद जनपद सदस्य मनोज बोपचे पर सीधा आरोप है कि वे खुद अवैध खनन करवा रहे हैं।

आज उमरिया अस्पताल में लगेगा नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर

उमरिया (स्वतंत्र मत)। आरोग्य भारती महाकौशल प्रांत की जिला इकाई उमरिया एवं एसवी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में आज 13 जुलाई 2026 दिन सोमवार को जिला अस्पताल, उमरिया में नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 09:30 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। शिविर में नागरिकों को विभिन्न गंभीर एवं जटिल रोगों के संबंध में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क परामर्श प्रदान किया जाएगा। इसमें मूत्र एवं किडनी रोग, न्यूरो एवं मस्तिष्क रोग, बांझपन एवं स्त्री रोग तथा मेडिकल एवं डायबिटीज से संबंधित विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। शिविर में डॉ. शिवेन्द्र सिंह तिवारी (यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ), डॉ. श्रुति सिंह (आईवीएफ एवं प्रजनन रोग विशेषज्ञ), डॉ. विवेक शर्मा (न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी विशेषज्ञ) तथा डॉ. अमित वर्मा (वरिष्ठ जनरल फिजिशियन एवं मेडिकल/डायबिटीज विशेषज्ञ) मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श देंगे। आयोजकों ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। शिविर के संबंध में अधिक जानकारी के लिए 7999284125 एवं 9399369763 पर संपर्क किया जा सकता है।

नेशनल हाईवे पुलों की मरम्मत को लेकर बैठक में दिए गए आदेश का नहीं हो सका पालन, रोजाना हो रही दुर्घटनाएं

मण्डला(स्वतंत्रमत)

6 जुलाई को समय सीमा की बैठक में दिए गए निर्देश का पालन एक सप्ताह बीतने के बाद भी नही हो पाया है। जबावदारों की लापरवाही कहें या फिर कलेक्टर के आदेश की अव्हेलना मसला जो भी हो लेकिन अधिकारियों की हटधर्मिता अब सब तरफ दिखाई दे रही है। कलेक्टर ने निर्देश दिए थे कि वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी पुल-पुलिया एवं नालों पर आवश्यक चेतावनी संकेतक लगाए जाएं। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों का स्वयं निरीक्षण करें तथा नियमित भ्रमण करें। उन्होंने मंडला-जबलपुर मार्ग पर फूलसागर पुल एवं नारायणगंज क्षेत्र में स्थित पुल के एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कराने के निर्देश दिए थे लेकिन इन दोनो पुलो में अब तक जरा सा भी सुधार काम नही हो पाया है। यहां रोजाना हादसे हो रहे हैं बड़े-बड़े गड्ढों से वाहन चालक दिन में तो निकल ही जाते हैं लेकिन शाम और रात के समय स्थिति खराब हो जाती है वैसे भी मंडला जबलपुर मार्ग का निर्माण होना न होना जिले वासियों के लिए एक बराबर ही रहा है। दस साल सड़क बनने में लगे और जैसे

तैसे सड़क बनी भी तो अब पुलों की मरम्मत और रख रखाव में लापरवाही बरती जा रही है। लिहाजा रोजाना दुर्घाटनाएं हो रही है। मंडला-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर स्थित बालई नदी पुल एवं फूलसागर पुल इन दिनों गंभीर हादसों का कारण बनता जा रहा है। लगातार हो रही बारिश और पुल पर बने गहरे गड्ढों के कारण यहां से गुजरना वाहन चालकों के लिए किसी जोखिम से कम नहीं रह गया है सड़क की जर्जर हालत और पुल की क्षतिग्रस्त सतह के चलते आए दिन छोटे-बड़े वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा समय रहते मरम्मत कार्य नहीं कराए जाने से लोगों में भारी नाराजगी व्याप्त है। इसी पुल में बीते दिनों हादसा भी हुआ है। विगत दस वर्षो से मंडला जबलपुर मार्ग का निर्माण कार्य चल रहा है। यह निर्माण कार्य लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। दर्जनों मौंते सैंकड़ो घायल और आए दिन बड़े वाहनों के दुर्घाटना ग्रस्त होने की जानकारी सामने आती है यहीं नही इस मार्ग में पड़ने वाले दर्जनों पुल पुलियों के निर्माण और रख रखाव में जमकर लापरवाही बरती गई हैं। लिहाजा इन पुलों से आए दिन बड़े वाहन

दुर्घटना के शिकार हो रहे है। पुल में सुरक्षा के कोई इंतजाम नही है तो वहीं मार्ग में कोई सूचना पटल नही लगा है। नेशनल हाइवें के पुल से दो बड़े वाहनों एक साथ निकला मुश्किल है। मंडला जबलपुर रोड अब तो यमराज बन गया है जिसमे जितने भी पुल हैं एक्सीडेंटल जोन बन गए हैं मंडला जबलपुर हाई वे नया बना पर पुल पहले जैसे ही सकरे और कमज़ोर है वहीं रोड बनने के बाद बबेहा पुल के दोनों तरफ ब्लाइंड स्पॉट और घाटी होने और पुल का लेवल नीचे होने से गड़ियों को कंट्रोल नहीं किया जा सकता रायपुर मंडला जबलपुर रोड़ टू लेन होने से एक्सीडेंट सबसे ज़्यादा हो रहे हैं। जबलपुर मंडला रायपुर टू लेन को फोर लेन सड़क जल्दी बनाना अति आवश्यक है साथ ही नए पुल बनाना भी आवश्यक है मंडला की जनता को इस रोड के लिए जिसने लोगों की जान ले ली उसके लिए फोर लेन के निर्माण के लिए जनआंदोलन की जरूरत है। जिले के चारों तरफ पानी ही पानी है नदी नाले में कई हादसे होते रहते हैं। बता दें कि एमपीआरडी के अधिकारियों की मिलीभगत और ठेकेदार की लापरवाही का नतीजा जिले की जनता बीते 10 सालों से भोग रही है। इस मार्ग को लेकर धरना प्रदर्शन आंदोलन-ज्ञापन के साथ ही पैदल यात्रा तक की जा चुकीं हैं लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि केवल बातों का जमा-खर्च करते रहे। मार्ग आज भी अधूरा पड़ा है आए दिन जाम लगते हैं रोजाना दुर्घाटनाएं हो रही हैं और अनेक लोग मौत के शिकार हो चुकें हैं। ठेकेदार के भी ठेकेदार यहॉ पर काम कर रहे हैं घटिया निर्माण के चलते जहॉ निर्माण हुआ है वहॉ पर मार्ग उखडने लगा है निर्माण सडक के अधिकांश हिस्सें तेजी से क्रेक हो रहे हैं। पूरा मार्ग बबलिंग कर रहा है साईड सोल्डर भरने में लापरवाही की गई है इस मार्ग से यात्रा करना मतलब मौत को आमंत्रण देना है। मार्ग का निर्माण 10 अगस्त 2015 को आरंभ हुआ था जो 18 माह में पूर्ण किया जाना था। लगभग 20 प्रतिशत काम आज भी अधूरा पडा है इस मार्ग में आए दिन हादसे हो रहे हैं अनेक व्यक्ति चोटिल हो चुकें हैं तो दर्जनों व्यक्तियों की मौंत भी हो चुकी हैं मार्ग से लगे रहवासी क्षेत्रों के बुरे हाल हैं दोषी अधिकारियो वे ठेका कंपनी के उपर दंडाणात्मक कार्यवाही किए जाने मांग की जा रही है।

प्रभारी मंत्री का संशोधित कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल के मंडला दौरे का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार पूर्व में जारी 12 एवं 13 जुलाई के कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं तथा अब दौरा 15 एवं 16 जुलाई को होगा 15 जुलाई बुधवार को प्रभारी मंत्री भोपाल से प्रस्थान कर शाम 7 बजे जिले के महाराजपुर स्थित रिजॉर्ट पौड़ी पहुंचेंगे जहां रात्रि विश्राम करेंगे 16 जुलाई गुरुवार को सुबह 10 बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे इसके बाद गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे दोपहर 12 बजे कलेक्टर कार्यालय स्थित योजना भवन में जिला विकास सलाहकार समिति की परिचयात्मक बैठक एवं विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेंगे दोपहर बाद मंडला से अनूपपुर जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।

एसोसिएशन की बैठक संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विगत दिवस बिछिया के दुर्गा मंदिर रेंज परिसर में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की तहसील शाखा बिछिया की बैठक डीएल गवले तहसील अध्यक्ष बिछिया की अध्यक्षता में तथा बी के राय जिलाध्यक्ष, एसके पटेल कोषाध्यक्ष, आरकेएस चौहान उपाध्यक्ष, सुरेश कुमार चौधरी उपाध्यक्ष तथा अंजनिया अध्यक्ष राम भजन पटेल के विशिष्ट आतिथ्य में बैठक का आयोजन किया गया प्रारंभ में ईसाफ बैंक बिछिया के अध्यक्ष हृदयेश मिश्रा ने बैंक की जमा योजनाएं व ऋण योजनाओं पर प्रकाश डाला तत्पश्चात मंगल दास टांडिया ने मंच संचालन करते हुए पेंशनरों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये जिलाध्यक्ष बीके राय ने संगठन की समस्याएं प्रमुख मांगे तथा मांगों पर संगठन द्वारा किया जाए प्रयासों पर प्रकाश डाला।

14 से चलेगा डायरिया अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में 14 जुलाई से 31 अगस्त तक दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान संचालित किया जाएगा अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों की स्वास्थ्य जांच करेंगी तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। अभियान का उद्देश्य शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाना दस्त से होने वाली मौतों की रोकथाम करना तथा अन्य बाल्यकालीन बीमारियों की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करना है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम घर-घर जाकर बच्चों की सक्रिय स्क्रीनिंग करेगी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की प्रारंभिक पहचान कर आवश्यक उपचार एवं जरूरत पड़ने पर रेफरल की व्यवस्था भी की जाएगी।

जनहानि रोकने के लिए आदेश

मण्डला/नैनपुर(स्वतंत्र मत)। मानसून के दौरान झरनों नदी-नालों एवं अन्य जल स्त्रोतों पर होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए नैनपुर एसडीएम आशुतोष सिंह ठाकुर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार अनुभाग नैनपुर के अंतर्गत सभी झरनों नदियों वाटरफॉल तथा अन्य दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के 50 मीटर के दायरे में प्रवेश, पिकनिक मनाना, रील बनाना, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, जलक्रीड़ा एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही खाद्य सामग्री की अस्थायी दुकानें या ठेले लगाने तथा अन्य जोखिमपूर्ण गतिविधियों की भी अनुमति नहीं होगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जलमग्न पुल-पुलियों, रपटों को पार करना अथवा पार करने का प्रयास करना, जलभराव वाले क्षेत्रों में वाहन ले जाना या खड़ा करना प्रतिबंधित रहेगा।

सुरक्षा को लेकर विशेष जांच अभियान जारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों के सुरक्षित संचालन हेतु संचालित 10 दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के बस एवं वैन वाहनों की सघन जांच की गई। अभियान के दौरान लिटिल फ्लावर स्कूल, जीएस इंग्लिश स्कूल, लर्निंग ट्री स्कूल, विद्या ज्योति स्कूल एवं सनराइज इंटरनेशनल स्कूल, बिछिया में संचालित बसों एवं वैन के दस्तावेजों, सुरक्षा उपकरणों तथा वाहन संचालन संबंधी नियमों का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान

चालक-परिचालक एवं अटेंडेंट को स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन हेतु निर्धारित यातायात नियमों का पालन करने वाहन संचालन में सतर्कता बरतने तथा सुरक्षा मानकों का पूर्णत: पालन करने की समझाइश दी गई। साथ ही वाहनों में उपलब्ध फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की भी जांच की गई। नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई की गई विशेष जांच अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 55 हजार का जुर्माना अधिरोपित किया गया जिसमें बिना परमिट संचालन करने वाले 3 वाहनों पर 30 हजार का जुर्माना, फिटनेस प्रमाणपत्र का उल्लंघन करने वाले 3 वाहनों पर 11 हजार का जुर्माना, बीमा इंश्योरेंस का उल्लंघन करने वाले 1 वाहन पर 3 हजार का जुर्माना, पीयूसी प्रमाणपत्र का उल्लंघन करने वाले 2 वाहनों पर 10 हजार का जुर्माना। फर्स्ट एड बॉक्स एवं अग्निशमन यंत्र जैसे सुरक्षा उपकरणों की कमी पाए जाने पर 1,000 का जुर्माना लगाया गया। जिला पुलिस मंडला ने सभी स्कूल प्रबंधन एवं वाहन संचालकों से अपील की है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रखते हुए सभी वैधानिक दस्तावेज एवं सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

भक्तिप्रेम स्वामी महाराज से मिले धर्मप्रेमी, 24 को निकलेगी रथ यात्रा

मण्डला(स्वतंत्रमत)

इस्कॉन उज्जैन के चेयरमैन एवं दीक्षा गुरु पूज्य श्रीमद भक्तिप्रेम स्वामी महाराज का मंडला आगमन हुआ जिनका धर्मप्रेमियों ने स्वागत किया। महाराज के सानिध्य में इस वर्ष मध्यप्रदेश के लगभग 70 स्थानों पर भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में इस्कॉन सेंटर जगन्नाथ हाई स्कूल के सामने मंडला में रथयात्रा की तैयारियों एवं आयोजन को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई। दीक्षा गुरु पूज्य श्रीमद भक्तिप्रेम स्वामी महाराज ने बताया कि 24 जुलाई को भव्य रथ यात्रा का आयोजन मंडला में किया जाएगा। सराफा बाजार स्थित श्रीराम मंदिर में भगवान जगन्नाथ स्वामी स्थापना होगी और पूजन पाठ करते हुए यहां से नगर भ्रमण के लिए

रथ रवाना होगा। जो नगर भ्रमण के बाद कार्यक्रम स्थल इस्कॉन सेंटर जगन्नाथ हाई स्कूल के सामने पहुंचेगा। श्रृद्धालुओं से रथ की डोर खींचने, पुष्प, माला, महाप्रसाद अथवा श्रद्धापूर्वक एक तुलसी दल अर्पित कर महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करने का अनुरोध किया गया है। स्वामी जी ने कहा कि भगवान भाव और श्रद्धा के भूखे हैं तथा निर्मल मन से की गई सेवा ही सच्ची भक्ति है। रथयात्रा के अवसर पर सनातन परंपरा, वैदिक पंचांग आधारित उत्सव, श्रद्धा, सेवा और समर्पण का संदेश भी दिया जाएगा। आयोजन समिति ने इसे केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं बल्कि समाज में आस्था सेवा और सनातन संस्कृति के प्रसार का महापर्व बताते हुए अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से सहभागिता की अपील की है। बैठक में पूज्य महाराज श्रृद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन प्रदान किया। रथयात्रा के विभिन्न पहलुओं आयोजकों ने सभी भक्तों, श्रद्धालुओं एवं सनातन प्रेमियों से समय पर उपस्थित होकर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और रथयात्रा आयोजन को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाने का निर्णय लिया।

विद्यार्थी परिषद की जनजाति छात्र चौपाल

मण्डला(स्वतंत्रमत)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई के तत्वावधान में रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रविवार को जनजाति छात्र चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास संस्कृति और परंपराओं से युवाओं को परिचित कराना तथा शिक्षा कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करना था कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके उपस्थित रहीं उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास गौरवशाली और प्रेरणादायक रहा है। युवाओं को अपनी संस्कृति परंपराओं और प्रकृति संरक्षण की भावना को बनाए रखते हुए शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए साथ ही छात्र हित एवं राष्ट्रहित में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की सराहना की कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अभाविप के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य माखन शर्मा ने विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ कौशल विकास स्किल डेवलपमेंट अपनाने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए शिक्षा के साथ हुनर भी आवश्यक है उन्होंने अभाविप द्वारा छात्रों के हित में किए जा रहे कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला चौपाल में जनजातीय नायकों के योगदान सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता तथा युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसरों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई कार्यक्रम में जिला संगठन मंत्री जितेंद्र यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वागीश पटेल, जिला संयोजक प्रिंस सिंह, नगर मंत्री उमंग राय सहित अभाविप के पदाधिकारी व जनजातीय छात्र-छात्राएं और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष का आगमन 15 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का 15 जुलाई को प्रथम मंडला नगर आगमन हो रहा है जिसकी तैयारियों को लेकर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष श्री योगेंद्र ठाकुर ने आगामी कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी एवं उत्साह के साथ स्वागत करने का आव्हान किया। वहीं भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयदत्त ने भी कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती एवं कार्यक्रम की सफलता के लिए सक्रिय सहभागिता का संदेश दिया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष आशीष झरिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा से कार्यकर्ताओं को अवगत कराते हुए सभी मंडलों एवं मोर्चा पदाधिकारियों से बड़ी संख्या में उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

सांभर सींग के साथ पकड़ाया युवक

मण्डला(स्वतंत्रमत)

एक सड़क दुर्घटना के बाद वन्यजीव तस्करी का संदिग्ध मामला सामने आया है शनिवार देर रात जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवदरा स्थित चूना भट्टा के पास जवाहर वार्ड निवासी सुशील सिंधिया अपनी मोटरसाइकिल से राजीव कॉलोनी की ओर जा रहा था

तभी देवमार्ट के सामने उसकी बाइक एक माल वाहक ऑटो से टकरा गई इस हादसे में बाइक पर रखे सांभर के सींग सड़क पर बिखर गए यह देखकर मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत युवक को पकड़ लिया और पुलिस व वन विभाग को सूचना दी। वन परिक्षेत्र सहायक अजय तिवारी ने बताया कि मामले में पंचनामा और बयान दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है आरोपी के पास से सांभर के दो पुराने सींग बरामद हुए हैं विभाग यह पता लगा रहा है कि युवक इन सींगों को कहा से लाया था और किस उद्देश्य से ले जा रहा था साथ ही इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है उन्होंने आगे बताया कि सांभर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-1 के अंतर्गत एक संरक्षित वन्यप्राणी है जांच पूरी होने के बाद इस मामले में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

मवेशियों से भरे ट्रक ने 108 एम्बुलेंस को मारी टक्कर

मरीज और स्टाफ बाल-बाल बचे

डूंडा गांव में हादसा, ट्रक छोड़कर चालक फरार; पुलिस जांच में जुटी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर थाना क्षेत्र के डिठौरी-मंडला मार्ग स्थित ग्राम डूंडा में शनिवार शाम करीब 7 बजे मवेशियों से भरे एक ट्रक ने 108 एम्बुलेंस को टक्कर मार दी। एम्बुलेंस बम्हनी बंजर से एक सड़क दुर्घटना के घायल मरीज को लेकर मंडला जिला अस्पताल जा रही थी। टक्कर के बाद एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर पलटने से बाल-बाल बच गई। वाहन में सवार मरीज और 108 स्टाफ को मामूली चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक मवेशियों को भरने के दौरान वाहन पीछे कर रहा था। इसी दौरान लापरवाही से एम्बुलेंस को टक्कर लगी। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से भाग निकला। बताया जा रहा है कि ट्रक में करीब 30 मवेशी भरे हुए थे। घटना के बाद चालक ट्रक को झिरिया के जंगल क्षेत्र में छोड़कर मवेशियों को उतारकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ मवेशी घायल अवस्था में थे। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस ने नहीं की है। सूचना मिलने पर नैनपुर और महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। रात होने के कारण ट्रक को वहीं सुरक्षित खड़ा कर उसके पहियों की हवा निकाल दी गई। पुलिस ने रविवार सुबह ट्रक को जब्त कर थाने लाने की कार्रवाई शुरू की। मवेशियों की तलाश और उनके परिवहन से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है

जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा 16 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)

श्री सिद्ध घाट रेवा दरबार छोटा रपटा में विराजमान महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी की विश्वविख्यात नन्दिघोष रथयात्रा का आयोजन इस वर्ष वैदिक तिथि आषाढ़ शुक्ल द्वितीया गुरुवार 16 जुलाई को किया जाएगा। रथयात्रा दोपहर 12 बजे श्री सिद्ध घाट रेवा दरबार से प्रारंभ होगी और नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। वर्ष 2016 से श्री सिद्ध घाट रेवा दरबार में महाप्रभु श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की पूजा-अर्चना एवं समस्त उत्सव श्रीधाम जगन्नाथ पुरी की सनातन परंपरा के अनुरूप संपन्न किए जा रहे हैं। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी ज्येष्ठाभिषेक, अनवसर विश्राम लीला एवं औषधीय भोग के उपरांत स्वस्थ होने पर महाप्रभु नगर भ्रमण के लिए रथ पर विराजमान होंगे। रथयात्रा का मार्ग श्री सिद्ध घाट रेवा दरबार छोटा रपटा से प्रारंभ होकर नेहरू स्मारक, स्टेट बैंक चौराहा, लालीपुर, बस स्टैंड, चिलमन चौक, श्रीराम मंदिर पड़ाव चिलमन चौक, उदय चौक, नेहरू स्मारक होते हुए वापस श्री सिद्ध घाट रेवा दरबार पहुंचेगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 196 श्रद्धालु रवाना

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जिले से 196 श्रद्धालुओं का जत्था मां कामाख्या धाम के पावन दर्शन हेतु रवाना हुआ। श्रद्धालुओं को प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभकामनाएं देते हुए हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए प्रस्थान कराया गया। जानकारी के अनुसार, जिले से रवाना हुआ यह दल कामाख्या शक्तिपीठ के दर्शन कर 16 जुलाई को वापस लौटेगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए यात्रा से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। शासन द्वारा भोजन, आवास, चिकित्सा एवं सुरक्षा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित एवं सुगम हो सके। स्टेशन परिसर में आयोजित विदाई कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, एसडीएम आशुतोष ठाकुर, राजस्व अमला,

रेलवे अधिकारी तथा आरपीएफ स्टाफ उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से उन्हें मां कामाख्या के पावन दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। जिला प्रशासन ने भी आश्वस्त किया कि यात्रा को सफल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

संपादकीय

विनाशकारी बाध्यता

युद्ध के बढ़ते तनाव के बीच ऐसी संभावनाएं और आशंकाएं जताई जा रही हैं कि ईरान अब परमाणु बम बनाने की सोचने लगा है। वह परमाणु अप्रसार सन्धि से भी बाहर आ सकता है। रक्षा विशेषज्ञ भी इन संभावनाओं और आशंकाओं को ही परमाणु बम बनाने का आधार मान रहे हैं। रूस ने भी कई बार बयान दिया है कि हालात ईरान को एटम बम बनाने को बाध्य कर रहे हैं। इस संदर्भ में रक्षा विशेषज्ञ ईरान की तुलना उत्तर कोरिया से कर रहे हैं। उत्तर कोरिया 1985 में एनपीटी का सदस्य था। फिर भी उसने रहस्यमयी परमाणु परीक्षण किए और छोटे-छोटे बम भी बना लिए। उसने 2003 में एनपीटी को छोड़ दिया। आज वह सरेआम विनाशक मिसाइलों के परीक्षण कर रहा है। उसके पास कितने परमाणु बम हैं, उसका सत्यापित हिसाब किसी के पास भी नहीं है, लेकिन अमरीका और यूरोपीय देश उससे आशंकित रहते हैं।

क्या यह युद्ध ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है कि ईरान 'उत्तर कोरिया' बन सकता है? वैसे ईरान के पास करीब 440 किग्रा संवर्धित यूरेनियम बताया जाता है। यह संवर्धन 60 फीसदी से अधिक है, जिससे छोटे एटम बम बनाए जा सकते हैं! जब तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण कर रही थी, उसके आधार पर अब भी आकलन किए जा रहे हैं कि ईरान ने परमाणु बम नहीं बनाया है। दिवंगत सुप्रीम लीडर खामेनेई भी घोषित रूप से परमाणु बम बनाने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन मौजूदा सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की इस बाबत सोच अभी तक अस्पष्ट है। ईरान के सबसे बड़े और प्रमुख परमाणु केंद्र 'नतांज' सहित फोर्डो और इस्फहान परमाणु केंद्रों में यूरेनियम संवर्धन अब भी जारी है, ऐसी खबरें आती रही हैं। ये जमीन के बहुत नीचे और सुरक्षित परमाणु केंद्र हैं, जिन्हें अमरीका और इजरायल अभी तक नष्ट करने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी सेना ने जिस बुशहर परमाणु प्लांट के निकट अभी हवाई हमले, बम विस्फोट किए हैं, वह ईरान का एकमात्र सक्रिय परमाणु बिजलीघर है। इस 1000 मेगावाट के संयंत्र को जर्मनी ने बनाना शुरू किया था, लेकिन वह अधूरा छोड़ कर भाग गया। फिर रूस ने इसे अंतिम रूप दिया। यह ईरान का सर्वाधिक संवेदनशील परमाणु प्लांट है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बिजली संयंत्रों और महत्वपूर्ण पुलों पर हमले करने का ऐलान किया है। बीते गुरुवार को अमरीकी हमले में उन रेल पुलों को तबाह किया गया है, जो तेहरान और मशहद को जोड़ते हैं। मशहद में ही खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किया गया है। अमरीकी हमलों में पहली बार चाबहार बंदरगाह के ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर और आईआरजीसी के इमाम अली बेस को निशाना बनाया गया है। जाहिर है कि नुकसान भी हुआ है। इस बंदरगाह को विकसित करने में भारत ने भी 1400 करोड़ रुपए का निवेश कर रखा है, लिहाजा हमारा भी नुकसान हुआ है। बहरहाल बीते दिनों एक खबर आई थी कि बुशहर में ही करीब 2100 किग्रा प्लूटोनियम का भंडार है। बेशक इससे 200 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। यह खबर फोर्ब्स के अलावा रॉयटर्स और गूगल ने भी जारी की थी। व्याख्या की गई कि ईरान यथाशीघ्र परमाणु शक्ति बनना चाहता है। अस्तित्व बचाने का यही आखिरी विकल्प उसे लगता है। इसे ईरान 'आत्मरक्षा का कवच' करार देता है, लिहाजा उसने परमाणु केंद्रों और ठिकानों पर सैन्य तैनाती करना भी शुरू कर दिया है। 'नतांज' केंद्र के तहत यूरेनियम जमीन के 300 फुट नीचे दबा है। जो सर्वंर्धित किया जा रहा है, उसे अन्यत्र शिफ्ट किया जा रहा है। संवर्धित यूरेनियम और प्लूटोनियम को मिला कर ईरान के पास करीब 2550 किग्रा विस्फोटक सामग्री है। इस मात्रा से वह व्यापक नरसंहार कर सकता है और परमाणु बम के विकिरण से कितनी पीढ़ियां 'विकलांग' होंगी, इसका अनुमान लगाना संभव नहीं है।

विशेषज्ञों का अध्ययन दूर करेगा इथेनॉल के भ्रम

इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को तेज़ी से बढ़ावा देने की सरकारी नीति हाल के हफ़्तों में लोगों की कड़ी आलोचना का निशाना है, हालांकि, यह नीति 2022 से लागू है। 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का मूल लक्ष्य 2030 तक हासिल करना था, लेकिन समयपूर्व 2025 कर दिया गया। इस नीति के फ़ायदों के बारे में कई दावे किए जा रहे हैं- ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत से लेकर किसानों के कल्याण तक। फिर भी, वाहन मालिक इंजन खराब होने और माइलेज कम होने की शिकायत कर रहे हैं। अपने बचाव में, सरकार का कहना है कि यह नीति सबूतों पर आधारित है और डेटा समर्थित है, जिसमें अधिकांशतः पेट्रोलियम संगठनों के बेनामी और अप्रकाशित अध्ययनों का हवाला दिया गया है।

वाहनों पर इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के असर के दावों को साबित करने के लिए कोई स्वतंत्र अथवा विशेषज्ञों द्वारा जांचा-परखा अध्ययन मौजूद नहीं है। अगर इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने वाली कारों की फ़्यूल एफ़िशिएंसी (ईंधन दक्षता) कम है-जैसा कि अब कार निर्माता भी मान रहे हैं-और इंजन खराब हो रहे हैं-जैसा कि वाहन मालिक शिकायत कर रहे हैं-तो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। इसके अलावा, कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा, क्योंकि किसान खाद्य फ़सलों के बजाय ज़्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल की बढ़ती मांग के मद्देनजर निर्माता कंपनियां मक्का और चावल का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर कर रही हैं। सरकार को नीति के लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट होना जरूरी है और इसके फ़ायदों के बारे में ठोस सबूत पेश करने चाहिए, न कि आलोचकों पर गलत इरादे का आरोप मढ़ देना या इसके नकारात्मक प्रभावों को लेकर लोगों के गुस्से को नज़रअंदाज़ करना।

लोग अक्सर ब्राज़ील का उदाहरण देते हैं, जहां 1980 के दशक में इथेनॉल मिश्रण शुरू किया गया था। इसके दीर्घकालीन असर अब जाकर सामने आ रहे हैं। यह नीति 1970 के दशक में चीनी के फालतू उत्पादन का सीधा नतीजा थी और इसे चीनी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया था। पिछले चार दशकों में, इसने वहां ज़मीन के इस्तेमाल में भारी बदलाव किया है, नतीजतन, ईंधन फ़सलों के लिए जगह बनाने के वास्ते अमेज़न के जंगलों की कटाई के कारण भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ है। वैसे भी, बड़े पैमाने पर ऊर्जा फ़सलों की खेती के लिए भारत की जलवायु और मिट्टी की स्थिति ब्राज़ील जैसी नहीं है। किसी भी नई तकनीक की तरह, ग्रीन तकनीक को भी- चाहे वह इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल हो या इलेक्ट्रिक गाड़ियां-व्यापक पैमाने पर लागू करने पर अनचाहे बुरे असर हो सकते हैं। जैसे किसी नई वैक्सीन या दवा को लाने से पहले क्लिनिकल ट्रायल किए जाते हैं, वैसे ही सभी नई तकनीकों का अलग-अलग स्थितियों में कुछ समय तक फील्ड-टेस्ट किया जाना चाहिए, और उससे मिले डेटा का विश्लेषण करवाने को स्वतंत्र विशेषज्ञों को दिया जाए। परिवहन अर्थव्यवस्था का एक अहम अंग है, और किसी भी नई तकनीक को लागू करने से पहले उसकी कई पहलुओं से जांच होनी चाहिए और सिर्फ़ वाहन निर्माता ही नहीं, बल्कि सभी हितधारकों के साथ उस पर चर्चा होनी चाहिए।

यह काफी चौंकाने वाली बात है कि सरकार ने अपने बचाव में वाहन निर्माता कंपनियों को उन शिकायतों का जवाब देने के लिए बुलाया-जो वाहन का उपयोग करने वाले कह रहे हैं-जैसे कि माइलेज में कमी और गाड़ियों के धातु एवं रबर पुर्जों का खराब होना। दुनिया भर में वाहन निर्माता डेटा में हेरफेर करने के लिए कुख्यात हैं, जैसा कि 2015 में अमेरिका में फॉक्सवैगन एमिशन स्कैंडल में यह सामने आया था। कार बनाने वाली इस कंपनी ने अपनी कारों के डीज़ल इंजन को कुछ इस तरह प्रोग्राम किया था कि टेस्टिंग के दौरान उत्सर्जन सीमा नियंत्रण में दिखे ताकि नियामक मानकों पर खरा उतरता दिखाई दे; नतीजतन, 40 गुना ज़्यादा प्रदूषण पैदा करने वाली कारों को भी मानकों के भीतर पाया मानकर स्वीकृति दे दी गई। अगर पेट्रोलियम मंत्री के दावे के मुताबिक इथेनॉल नीति वाकई वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है, तो सरकार को उन तमाम अध्ययनों के नतीजे सार्वजनिक करने चाहिए, जो ईंधन की क्षमता, अलग-अलग पुर्जों और इंजन पर मिश्रित ईंधन के दीर्घकालीन प्रभाव और अलग-अलग तरह की गाड़ियों पर अलग-अलग परिचालन स्थितियों में परीक्षण डेटा को जांचने के लिए किए गए हों।

इसके अलावा, हमें इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के पर्यावरण के अनुकूल होने के बारे में वैज्ञानिक सुबूत चाहिए, जो कि इथेनॉल के संपूर्ण पर्यावरणीय एवं कार्बन फुटप्रिंट पर आधारित हो- यानी कच्चे ईंधन के उत्पादन से लेकर कारों में वास्तविक इस्तेमाल होने तक। फिर, हमें मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल करने पर लागत-लाभ विश्लेषण की ज़रूरत है। यह इसलिए ज़रूरी है क्योंकि माइलेज गिरने की चिंताएं हैं। अगर माइलेज 5 प्रतिशत भी कम हो जाती है और कार उपयोग करने वालों को ज़्यादा पेट्रोल खरीदना पड़ता जाए, तो आर्थिक फ़ायदों और विदेशी मुद्रा की बचत के दावे हवा हो जाते हैं।

दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी के मामले में भी ऐसी ही बातें लागू होती हैं। यह पॉलिसी मुख्यतः दुपहिया और तिपहिया केंद्रित है। इसमें पेट्रोल से चलने वाली नई मोटरसाइकिलों और आटो-रिक्शा के पंजीकरण को बंद करने की समय-सीमा तय कर दी गई है। मुख्यमंत्री के दावे में इस कदम को सही ठहराने के लिए चुनिंदा डेटा का सहारा लिया है। दरअसल, दिल्ली में कुल गाड़ियों में दुपहिया का अंश 62 फीसदी है, लेकिन वाहन चालन से पैदा होने वाले पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) उत्सर्जन में उनका अंश मात्र 15 प्रतिशत है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरु के गुफ़रान बेग द्वारा प्रकाशित 2025 नीति सारांश अनुसार, हल्के और भारी व्यावसायिक वाहनों का अंश परिवहन उत्सर्जन में 39 प्रतिशत है, जबकि शहर की कुल गाड़ियों में उनकी हिस्सेदारी 3 फीसदी से भी कम है। अतः व्यावसायिक वाहनों और बसों से पैदा होने वाले उत्सर्जन को कम करने से पर्यावरण और इंसानी सेहत को सबसे ज़्यादा फ़ायदा होगा। सार्वजनिक नीतियों में तथ्य आधारित क्रमबद्ध व्यवस्था का होना जरूरी होता है।

दिनेश सी. शर्मा

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के विशेषज्ञ हैं

पर्यावरण पर संसदीय स्थायी समिति ने नीति के टुकड़ों में बंटे हुए नज़रिए के खिलाफ़ चेताया था और सुझाव दिया था कि राज्य स्तर के बजाय एयरशेड स्तर पर उपाय किए जाएं। अगर ऐसा तरीका नहीं अपनाया गया, तो दिल्ली में ईवी अपनाने से पर्यावरण को उतना फ़ायदा नहीं होगा जितना कि होना चाहिए; क्योंकि दिल्ली के प्रदूषण फैलाने वाले वाहन पड़ोसी राज्यों में चले जाएंगे और वहां से आने वाली साझा हवा में प्रदूषण बढ़ाते रहेंगे। सार्वजनिक हित नीति बनाने का काम भरोसेमंद और प्रासंगिक प्रमाण आधारित हो, न कि राय, अल्पकालिक लाभ, संकीर्ण राजनीतिक और कारोबारी हितों या विचारधारा पर। नीति से जुड़े फ़ैसले पारदर्शी और निष्पक्ष होने चाहिए और उनका एकमात्र मकसद जनहित हो।

विधिक बिरादरी के लिए 'वेकअप कॉल'

डॉ. सुधीर कुमार

लेखक कुरुक्षेत्र वि.वि. के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

कानून स्थिर नहीं है, यह जीवित है और समय के साथ बदलता रहता है। एक वकील के लिए उसकी डिग्री केवल एक प्रवेश द्वार है, लेकिन असली परीक्षा अदालत के फर्श पर हर दिन होती है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 'अजय विज बनाम इंडियन बैंक्स एसोसिएशन' (2026) मामले में जो टिप्पणी की, वह महज एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि भारतीय विधिक बिरादरी के लिए एक अत्यंत गंभीर 'वेकअप कॉल' है। यह मामला केवल एक वकील का निजी विवाद नहीं, बल्कि भारतीय न्याय प्रणाली की एक गंभीर खामी को उजागर करने वाला एक ऐतिहासिक घटनाक्रम है। एक वकील की कानूनी राय को 'लापरवाही' मानकर उसे 'कॉशन लिस्ट' में डालना, वकील की बदलती भूमिका और उसकी व्यावसायिक जवाबदेही पर बड़े प्रश्नचिह्न लगाता है। यह निर्णय बताता है कि वकील अब केवल अपने मुवक्किल का पक्ष रखने वाला व्यक्ति नहीं रह गया है, बल्कि वह एक 'विशेषज्ञ' बन गया है, जिसकी एक छोटी-सी गलती भी पूरी न्याय व्यवस्था की साख पर सवाल खड़ा कर सकती है। आज के डिजिटल युग में, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बदलता वैश्विक परिदृश्य कानून के स्वरूप को निरंतर नया आकार दे रहे हैं, क्या केवल पुरानी किताबों के ज्ञान से न्याय की रक्षा संभव है? सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश कि वकीलों के लिए 'कंटीन्यूइंग लीगल एजुकेशन' अनिवार्य हो और एक 'नेशनल लीगल एकेडमी' की स्थापना की जाए, भारतीय न्याय व्यवस्था की गुणवत्ता को वैश्विक स्तर पर ले जाने की दिशा में एक साहसी और दूरदर्शी कदम है। कानून का पेशा केवल बहस करना नहीं है, बल्कि यह एक 'पवित्र विश्वास' है, जिसे बनाए रखने के लिए निरंतर विकास अनिवार्य है। आज के इस 'ज्ञान युग' में, कानूनों, तकनीक और विनियामक ढांचों में इतनी तेजी से बदलाव हो रहे हैं कि वर्षों पहले अर्जित किया गया ज्ञान आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो सकता है। इसके साथ ही, कानूनी क्षेत्र में तकनीकी पिछड़ापन एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसे दूर करना समय की मांग है। आज के आधुनिक वकील के लिए ई-कोर्ट्स, वर्चुअल हियरिंग, ऑनलाइन केस मैनेजमेंट और कानूनी डेटा विश्लेषण में दक्ष होना केवल कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि आवश्यकता है। इसके अलावा, अदालती शिष्टाचार, मुवक्किल के प्रति जवाबदेही और अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर नैतिक प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है, ताकि इस पेशे की गरिमा हमेशा बनी रहे।

अमेरिका और कनाडा जैसे देशों में 'मैन्डेटरी कंटीन्यूइंग लीगल एजुकेशन' लागू है। वहां वकीलों के लिए अपने लाइसेंस को बनाए रखने हेतु हर साल निश्चित घंटों की कानूनी शिक्षा या सेमिनार में भाग लेना अनिवार्य होता है। इसी तरह, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया में बार एसोसिएशन और सरकार के सहयोग से 'निरंतर पेशेवर विकास' कार्यक्रमों को कड़ाई से लागू किया जाता है, जहां इन क्रेडिट्स को पूरा न करने पर वकील के अभ्यास करने के अधिकार को अस्थायी रूप से निलंबित तक किया जा सकता है। भारत में कानूनी पेशे का विस्तार तेजी से हुआ है, लेकिन गुणवत्ता उस अनुपात में नहीं बढ़ सकी है। आज देश में वकीलों की संख्या 20 लाख के आंकड़े को पार कर गई है और हर वर्ष हजारों युवा कानून की डिग्री लेकर इस क्षेत्र में आ रहे हैं। दूसरी ओर, भारतीय अदालतों में लंबित मामलों का बोझ 5 करोड़ से भी अधिक हो चुका है। वकीलों की संख्या में अनियंत्रित वृद्धि के कारण प्रति व्यक्ति 'प्रोफेशनल स्किल डेवलपमेंट' के अवसर सीमित हो गए हैं। 'नेशनल लीगल एकेडमी' का उद्देश्य केवल वकीलों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें निरंतर प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन के माध्यम से 'सक्षम वकीलों की फौज' में बदलना है। यह एकेडमी नए वकीलों के लिए एक 'मेंटरशिप हब' के रूप में कार्य करेगी, जहां वरिष्ठ अधिवक्ता अपने व्यावहारिक अनुभव साझा करेंगे। इस प्रयास से किताबी ज्ञान और अदालती हकीकत के बीच की खाई मिटेगी और मुकदमों के जल्द निस्तारण की दर में 15 से 20 प्रतिशत तक की महत्वपूर्ण वृद्धि संभव हो सकेगी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया को कानूनी पेशे के मानकों को ऊंचा उठाने के लिए एक 'सुपर-रेगुलेटर' के रूप में अपनी भूमिका को सशक्त बनाना होगा। इसके कार्यान्वयन हेतु सबसे पहले वकीलों के लिए एक अनिवार्य क्रेडिट-आधारित प्रणाली लागू की जानी चाहिए, जिसके तहत हर वकील के लिए प्रतिवर्ष 20 से 30 घंटे का प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य हो। इस शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए एक हाइब्रिड लर्निंग मॉडल अपनाना आवश्यक है, जहां नेशनल लीगल एकेडमी को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों के वकीलों तक पहुंचाया जा सके। एकेडमी की सफलता के लिए 'सार्वजनिक-निजी भागीदारी' का मॉडल सबसे प्रभावी होगा। इसमें शीर्ष लॉ फर्मों और अनुभवी वकीलों को 'गेस्ट लेक्चरर' के रूप में जोड़कर व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा सकता है। न्यायिक प्रणाली में 'नेशनल लीगल एकेडमी' की स्थापना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कानूनी पेशे को केवल 'पढ़ाई' तक सीमित न रखकर इसे एक 'थिंक टैंक' में बदल सकती है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया को इसे अधिकारों के हनन के बजाय 'अधिकारों के विस्तार' के रूप में देखना चाहिए।

ताला-चाबी सब बेकार, जब चौकीदार हो गुनहगार

इस बार हाथी घोड़े नहीं आये, न ही तलवारें चमकीं। न मंदिर टूटे। न ही देवमूर्तियां लूटी गईं। सोना-चांदी और अशर्फियों को ऊंटों व घोड़ों पर लादकर सीमाओं के पार भी नहीं ले जाया गया। पर नोटों की गड्डियां गिनते-गिनते ही लुप्त हो गईं। सोना-चांदी ऊपर ही ऊपर हुर्रफुर्र हो गया। अब चोरी भी आत्मनिर्भर हो गई है, बाहर वालों को तकलीफ देने की जरूरत ही नहीं रही। इतिहास की किताबों में हम सदियों से उन आक्रान्ताओं को कोसते आ रहे हैं कि विदेशी लुटेरे आये और हमारे मंदिरों से धन-सम्पदा लूट ले गये। जब मंदिर की चौखट पर खड़ा व्यक्ति ही मंदिर की पवित्रता को कलंकित कर दे तो विदेशी लुटेरों को गालियां देने से क्या फायदा? प्रभु चरणों में जो चढ़ावा अर्पित होता है, वह केवल मुद्रा नहीं है। वह किसी मां की मनौती होती है, किसी किसान की पहली कमाई होती है, किसी वृद्ध की जीवनभर की बचत होती है, किसी बच्चे की गुल्लक होती है। कहावत तो है कि राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट। बस इन्हें 'लूटना' शब्द याद रह गया और लूट लिया। मंदिर में आने वाला भक्त जूते बाहर छोड़ता है और विश्वास भीतर रखकर जाता है। लेकिन जब भीतर ही विश्वास की जेब कट जाए तो फिर भगवान भी क्या करें? सबसे बड़ा नुकसान चोरी हुए सामान का नहीं बल्कि उस विश्वास का होता है जो लाखों लोग अपने साथ लेकर मंदिर की चौखट तक आते हैं। सोना-चांदी फिर आ जाएगा, लेकिन भरोसे की मरम्मत किसी सुनार के बस की बात नहीं। कहते हैं कि 'घर का भेदी लंका ढाए' लेकिन अब तो हालत यह हो गई है कि घर का भेदी सीधे मंदिर का दानपात्र ही साफ कर देता है। पहले चोर रात के अंधेरे में आते थे, अब वे ड्यूटी पर आते हैं। पहले ताले तोड़े जाते थे, अब भरोसा तोड़ा जाता है। हमारे देश में समितियां बनाना सबसे आसान काम है। घटना हुई नहीं कि जांच समिति बैठ गई। समिति रिपोर्ट देगी, रिपोर्ट पर समिति बनेगी, फिर उस समिति की रिपोर्ट की समीक्षा के लिए एक और समिति। आखिर में निष्कर्ष निकलेगा कि व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है। यह वाक्य सरकारी फाइलों का वही अमर प्रसाद है जो हर जगह चढ़ जाता है।

- शमीम शर्मा

पारिवारिक त्याग की अनदेखी कर आजादी की चाह

क्षमा शर्मा

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

फरीदाबाद में राहुल नाम के लड़के ने आत्महत्या कर ली। इससे पहले उसने वीडियो बनाया और कहा कि वह घर के सारे काम करता है, व्यापार भी करता है, फिर भी उसकी पत्नी उसे मारती-पीटती है। दूसरा किस्सा पुणे के केतन का है, कहा गया कि उसकी मंगेतर सिया ने अपने मित्र चेतन की मदद से उसे लोहागढ़ पहाड़ी से धक्का दे दिया। सिया इस रिश्ते से खुश नहीं थी क्योंकि केतन के सिर पर बाल नहीं थे और वह हकलाता भी था। इन दोनों मामलों में युवाओं ने जान गंवाई। इनके घर वालों, परिजनों पर क्या गुजरी, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। मगर अफसोस की बात ये है कि इन दोनों की मृत्यु को स्त्री अधिकारों के नाम पर सेलिब्रेट किया गया। कहा गया कि अब तक स्त्रियां सहती रही हैं, मगर अब वे बदला ले रही हैं। मुस्कान सोनी नाम की दांतों की डॉक्टर ने तो बाकायदा केतन की मौत का मजाक उड़ाया कि उसके साथ तो ऐसा होना ही था और हा-हा-हा करते वीडियो पोस्ट किया। हालांकि बाद में इस डॉक्टर ने माफी भी मांगी।

जब हम अधिकारों की बात करते हैं, तो उनका अर्थ हमारे दैनंदिन जीवन की सुविधाओं से जुड़ा होता है। छोटे, बड़े की भावना को खत्म करने की बात होती है। लेकिन मृत्यु पर हंसना, मीम्स बनाना, कहना कि वक्त आ गया है कि अब स्त्रियों को अपने प्रति किए गए हर अपराध का बदला लेना चाहिए, कितना दुखद है। अंग्रेजी की एक बड़ी लेखिका और एक बड़े लेखक ने तो यह तक कहा कि सिया ने केतन को मारा, इसके लिए सिर्फ वह ही नहीं, बल्कि हमारे परिवारों का ढांचा जिम्मेदार है। जहां लड़कियों को कुछ करने की आजादी नहीं। वे न अपनी मर्जी से शादी कर सकती हैं, न देर रात लौट सकती हैं, न शराब पी सकती हैं। ऐसा कहने वाले वे लोग हैं, जो बहुत अच्छी आर्थिक स्थिति वाले हैं। जिनके इर्द-गिर्द सेवकों और सिक्योरिटी गार्ड्स की पूरी फौज है, लेकिन ज्ञान वे उन आम लड़कियों को दे रहे हैं, जो अमूमन अपराध की जद में होती हैं। 'अपनी सुरक्षा अपने हाथ' वाली कहावत इन पर चरितार्थ होती है। फिर देर रात तक पार्टी करना या शराब पीना आम लड़कियों का जीवन नहीं है। और क्या स्त्रियों के लिए शराब पीना इतनी अच्छी बात है। फिर ऐसा क्यों है कि अक्सर महिलाएं अपने घर के आसपास शराब के ठेके खुलने का विरोध करती हैं। शराबबंदी की मांग करती हैं क्योंकि शराब के कारण ही उनके पति तरह-तरह की हिंसा करते हैं। यदि वे पैसे भी कमाएं, तो उनके पैसे शराब पीने के लिए छीन लिए जाते हैं। उन्हें घर से बाहर निकाल दिया जाता है।

गांधी जी जिन्होंने कहा था कि शराब आत्मा का नाश करती है, उनकी इस शिक्षा को भी लोग भूल गए हैं। डाक्टरों की सलाह भी याद नहीं रखते, जो कहते हैं कि शराब पीने से शरीर के तमाम अंगों पर प्रभाव पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य भी खराब होता है। यदि इन लोगों की मानें तो देश में चलने वाले जितने नशा मुक्ति केंद्र हैं, उन्हें बंद कर देना चाहिए। लेकिन 'माई लाइफ और माई च्वाइस' का विचार एलीट स्त्री-पुरुषों के मन में इतना बसा हुआ है कि वे अपनी शर्तों को दूसरों पर लाद रहे हैं और इन्हें ही दूसरों की च्वाइस बता रहे हैं। वे सिया का बचाव करते हुए उसके घर वालों और हर एक के घर वालों को दोष दे रहे हैं। पश्चिम का उदाहरण बार-बार दिया जा रहा है कि वहां देखो स्त्रियों को कितनी आजादी है। क्या सचमुच!

अपने यहां माता-पिता बच्चों को हमेशा बच्चा मानते हुए, उनकी सुरक्षा की चिंता करते हैं। उनकी पढ़ाई-लिखाई का खर्चा उठाते हैं। पढ़ने के लिए विदेश भेजते है। करोड़ों रुपये का लोन लेते हैं, उसे खुद चुकाते हैं। बच्चों के लिए घर बनाते हैं। यानि कि अपनी उम्र और सारे संसाधन वे बच्चों के लिए लगा देते हैं, जिससे उनका जीवन आसान हो सके। माता-पिता के सारे संसाधन चाहिए, लेकिन जीवन अपनी शर्तों पर जीना है। कौन रोकता है, लेकिन फिर संसाधन भी खुद जुटाइए। माता-पिता की जमीन-जायदाद में भी हिस्सा मत मांगिए। बीमारी-हारी में भी अपनी मदद खुद कीजिए। ड्रीम वैडिंग करना हो, तो खुद पैसे जुटाइए। उनके सम्पर्कों का भी लाभ मत उठाइए। अधिकार बिना कर्तव्यों के नहीं मिलते। सिर्फ कर्तव्य ही नहीं, अधिकारों की कीमत भी चुकानी पड़ती है। लेकिन आजादी के नाम पर कीमत कोई चुकाना नहीं चाहता। हां मन की बात न हो, तो हत्या की जा सकती है। अतिवादी लोग इसे जायज ठहराने के लिए झंडा बुलंद कर सकते हैं। विदेश में लोन लेकर पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता इस कर्ज को नहीं चुकाते। विदेशों में कई ऐसे आदमियों से मिली, जिनकी उम्र पचास के पार है, लेकिन अभी तक वे अपनी पढ़ाई के लिए उठाए गए कर्ज को चुका रहे हैं। भारत में तो माता-पिता की हालत ये है कि ताउम्र खटते भी हैं और पिटते भी हैं। बातें बनाते रहिए कि बुजुर्गों के लिए क्या-क्या होना चाहिए।

विमर्शों की नकारात्मकता कितनी है कि जहां मौत का भी जश्न मनाया जाए। जाति, धर्म, लिंग देखकर शोक और खुशी प्रकट की जाए, इससे यही पता चलता है कि हमारा वैचारिक आधार कितना पोला है, जहां हम किसी मरने वाले की जाति या जेंडर देख रहे हैं। उसके राजनीतिक विचारों के आधार पर उसकी मौत की खुशी या दु:ख मना रहे हैं। इसका पहली बार अहसास पत्रकार रोहित सरदाना की मौत पर हुआ। जब एक मशहूर इनफ्लुएंसर ने कहा कि यह अकेला क्यों मर गया, इसके बीवी -बच्चे क्यों नहीं मर गए। यह एक तरह से वही हिटलरी विचार है, जिसकी आलोचना करते-करते ऐसे लोग दुबले हुए जाते हैं। यदि बच्चों को अपनी पसंद से विवाह करने दिया जाए तो भी उनका जीवन सुचारु रूप से चलेगा, इसकी क्या गारंटी है। अपनी पसंद से शादी करने के बाद भी इन दिनों कितने मामले ऐसे आते हैं, जहां पत्नी ने पति को मार दिया, पति ने पत्नी को, गर्लफ्रेंड ने बॉयफ्रेंड को और बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड को। चर्चित घटना में भरत तिवारी की मौत के मामले में तो बहुत से नेता भी कूद पड़े और कहने लगे कि उसके वर्ग ने जो किया है, वह तो उन्हें भुगतना ही पड़ेगा। कोई सवर्ण, कोई दलित, कोई स्त्री, कोई पुरुष, किसी की भी मृत्यु हंसने और आनंद मनाने के लिए कैसे हो सकती है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक से एक नफरती विचारों की होड़ लगी है। सोचते तो ये थे कि तकनीक बढ़ेगी, तो तमाम तरह के नफरत फैलाने वाले विचार अपने आप खत्म हो जाएंगे। लेकिन हुआ इसका उलटा है। नफरत और बदले की भावना की फसल लहलहा रही है। लोग भूल रहे हैं कि नफरत से नफरत उपजती है और बदले से बदला।

आसिम मुनीर करते रहे बैठक, शाहबाज ने किया खेल

लाखों पाकिस्तानियों को भुगतना पड़ सकता है खामियाजा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने सेना के अफसरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की है। यह बैठक बलूचिस्तान में चल रहे बवाल पर काबू पाने के तौर-तरीकों पर विचार करने के लिए बुलाई गई थी। मुनीर ने इस बैठक में सेना के टॉप कमांडर्स को खूब खरी-खोटी सुनाई और अल्टीमेटम देते हुए बलूच विद्रोहियों से निपटने का आदेश दिया। आसिम मुनीर जब आर्मी कमांडर्स की बैठक ले रहे थे, तब उनके देश में एक और समस्या सिर उठा रही थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ऐसा खेल किया जिसका खामियाजा लाखों पाकिस्तानियों को भुगतना होगा। ईरान जंग छिड़ने के बाद से तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है। इसके देखते हुए, शहबाज सरकार ने जेट फ्यूल की कीमतें बढ़ा दी हैं। जेट फ्यूल की कीमत भी 13.23 रुपये (पाकिस्तानी मुद्रा) तक बढ़ाई गई है। इसका असर हवाई यात्रा पर भी पड़ने की प्रबल संभावना है। किराये में वृद्धि होने के आसार बढ़ गए हैं।

पाकिस्तान में हवाई यात्रा जल्द महंगी हो सकती है। पाकिस्तान सरकार ने जेट ईंधन (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) की कीमत में 13.23 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है, जिसके बाद एयरलाइंस की ऑपरेशनल लागत बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बढ़ी हुई लागत का सीधा असर यात्रियों पर पड़ेगा और आने वाले दिनों में हवाई किरायों में इजाफा किया जा सकता है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना में जेट ईंधन की नई कीमत 251.02 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर तय की गई है। इससे राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के साथ-साथ निजी एयरलाइंस की संचालन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि ईंधन किसी भी एयरलाइन के कुल ऑपरेशनल कॉस्ट का सबसे बड़ा हिस्सा होता है, इसलिए इसकी कीमत बढ़ने का सीधा असर टिकट दरों पर पड़ना स्वाभाविक है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान में पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण पेट्रोल की कीमत में लगभग 13 रुपये प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल में करीब 14 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की गई है। इससे पहले 28 जून को पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल पर पेट्रोलियम लेवी बढ़ा दी थी, लेकिन खुदरा ईंधन कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, हाई-स्पीड डीजल पर पेट्रोलियम लेवी बढ़ाकर 79.54 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर कर दी गई, जबकि पेट्रोल पर यह बढ़कर 66.64 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो गई। हालांकि, केरोसीन पर लगने वाली लेवी में कोई बदलाव नहीं किया गया। सरकार ने उस समय अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं को नहीं दिया और पेट्रोल व डीजल की खुदरा कीमतों को पहले जैसे रखा। इसके विपरीत, केरोसीन तेल की कीमत में 6.85 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई, जिसके बाद इसकी नई कीमत 227.05 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर निर्धारित की गई। जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी और ईंधन पर बढ़ते करों का असर केवल विमानन क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि महंगाई पर भी इसका असर पड़ेगा।

ईरान में गिरी 140 मिसाइलें

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच शांति की हर उम्मीद बार-बार धुएं में उड़ती नजर आ रही है। अभी तक किसी भी तरह की डील पक्की भी नहीं हो पाई थी कि दोनों देशों ने फिर हथियार उठा लिए। ईरान ने रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में एक कंटेनर जहाज को निशाना बनाया था। इसके बाद अमेरिका ने एक सप्ताह में तीसरी बार हमला शुरू कर दिया। ईरान के 140 से ज्यादा ठिकानों पर हमले हुए। अमेरिकी हमले के बाद एक बार फिर युद्ध बढ़ता दिख रहा है। नया बवाल सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र के देश अलर्ट पर है। ईरान ने जवाबी हमला किया है। हमला यूएई, कुवैत, कतर, बहरीन पर किया है। इतना ही नहीं इजरायल के पड़ोसी जॉर्डन पर भी अटैक किया गया है। यहां मौजूद अमेरिकी बेस को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद ईरान के खिलाफ नए हमले किए। यह एक सप्ताह के अंदर यह तीसरा बड़ा हमला है। बाद में एक बयान में कहा गया कि 140 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर हमला हुआ। तनाव की नई चिंगारी जहाज पर हमले से भड़क उठी। अमेरिकी सेना का आरोप कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज को निशाना बनाया।

900 रुपये निकालने गई थी छात्रा, खाते में दिखे 7596951951 रुपये तो उड़े होश

कोलकाता

बेटी के बैंक खाते में स्कॉलरशिप के पैसे आए तो परिवार को उम्मीद थी कि इन पैसों से वह बेटी के लिए स्कूल के नए जूते खरीद लेंगे। लेकिन बैंक बैलेंस चेक करते ही ऐसा नजारा सामने आया कि पूरे परिवार की आंखें फटी की फटी रह गईं। उस बैंक खाते में 759 करोड़ 69 लाख 51 हजार 951 रुपये दिखाई दे रहे थे। देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में जंगल की आग की तरह फैल गई और छात्रा का बैंक अकाउंट चर्चा का विषय बन गया। यह हैरान करने वाला मामला पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के हल्दीबाड़ी का है। यहां हल्दीबाड़ी हाई स्कूल में सातवीं क्लास में पढ़ने वाली सुपर्णा रॉय के खाते में सरकार की ओर से स्कॉलरशिप के 800 रुपये आने का मैसेज मिला था। सुपर्णा के पिता केरल में मजदूरी करते हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। पुराने जूते टूट जाने के कारण परिवार ने तय किया था कि स्कॉलरशिप के पैसों से बेटी के लिए नए जूते खरीद देंगे। शनिवार को सुपर्णा अपने बड़े भाई के साथ स्थानीय ग्राहक सेवा केंद्र पहुंची। उसने अपने खाते से 900 रुपये निकाले। इसके बाद जब ऑपरेटर ने खाते का बैलेंस देखा तो स्क्रीन पर चमक रही रकम देखकर सभी दंग रह गए। खाते में 759,69,51,951 रुपये, यानी 759 करोड़ से ज्यादा का बैलेंस दिखाई दे रहा था। सुपर्णा के परिवार का कहना है कि उनका इस रकम से कोई लेना-देना नहीं है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बैंक अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

नकटी सहित 6 गांवों की 1076 एकड़ जमीन निजी डेवलपर्स को सौंपने की तैयारी: कांग्रेस

रायपुर (वार्ता)

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे नकटी गांव की जमीन को लेकर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अकबर ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार नकटी सहित छह गांवों की करीब 1076 एकड़ जमीन नगर विकास योजना के नाम पर निजी डेवलपर्स को सौंपने की तैयारी कर रही है। भाजपा ने इन आरोपों को रविवार को पूरी तरह निराधार बताते हुए कांग्रेस पर जनता को गुमराह करने और राजनीतिक भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है।

मोहम्मद अकबर ने शनिवार रात कहा कि नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के निविदा दस्तावेजों के अनुसार नकटी, सेरीखेड़ी, मंदिर हसौद, रमचंडी, बरौंदा और रीको की कुल 436.01 हेक्टेयर (करीब 1076 एकड़) भूमि के विकास की योजना बनाई गई है। उनका दावा है कि प्रस्तावित योजना में नकटी गांव की कुछ जमीन भी शामिल है। उन्होंने सरकार से स्पष्ट करने की मांग की कि क्या इसमें वही विवादित भूमि भी शामिल है, जहां हाल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि चयनित एजेंसी को सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के बदले मिश्रित उपयोग भूमि के विकास और उसके विक्रय का अधिकार दिया जाएगा। उनके अनुसार यह सरकारी भूमि को डेवलपर के माध्यम से निजी हाथों में सौंपने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई 2026 है। ऐसे समय में, जब नकटी में कार्रवाई के बाद प्रभावित परिवार न्याय की मांग कर रहे हैं, सरकार को पहले पुनर्वास और सर्वसम्मत समाधान पर ध्यान देना चाहिए।वन मंत्री केदार कश्यप ने आज कांग्रेस के आरोपों को सफेद झूठ और राजनीतिक साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अपने आरोपों के समर्थन में कोई तथ्य या प्रमाण नहीं है और जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। कश्यप ने कहा कि जिस भूमि से जुड़ी पूरी प्रक्रिया कांग्रेस शासनकाल में शुरू हुई थी, उसकी जिम्मेदारी भी कांग्रेस को लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार कानून के अनुसार सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने की कार्रवाई कर रही है और इसे बिल्डरों से जोड़ना पूरी तरह भ्रामक है। उन्होंने कहा कि नकटी में हुई कार्रवाई किसी निजी हित के लिए नहीं, बल्कि सरकारी भूमि की सुरक्षा और कानून के राज की स्थापना के उद्देश्य से की गई है। सरकार की नीति स्पष्ट है कि भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। कश्यप ने कांग्रेस पर अवैध कब्जों की राजनीति को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया।

कनाडा के फेस्टिवल में गोलीबारी, 2 की मौत

टोरंटो

कनाडा के सबसे लोकप्रिय सांस्कृतिक आयोजनों में से एक 'साल्सा ऑन सेंट क्लेयर' फेस्टिवल शनिवार शाम अचानक दहशत में बदल गया। जहां कुछ पल पहले लोग लैटिन म्यूजिक पर झूम रहे थे, वहीं देखते ही देखते गोलियों की आवाज गूंजने लगी। अफरा-तफरी मच गई, लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे और कुछ ही मिनटों में पूरा इलाका पुलिस छावनी में बदल गया। टोरंटो पुलिस के मुताबिक, फायरिंग की इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि घटना के कई घंटे बाद भी हमलावर पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। यह घटना शनिवार रात को टोरंटो के सेंट क्लेयर एवेन्यू वेस्ट और आर्लिंगटन एवेन्यू के पास हुई। इसी इलाके में हर साल होने वाला 'साल्सा ऑन सेंट क्लेयर' फेस्टिवल चल रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस ने पहले इलाके में एक्टिव शूटर अलर्ट जारी किया और लोगों से तुरंत वहां से दूर रहने की अपील की। कुछ देर बाद अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल को घेर लिया गया है, लेकिन संदिग्ध अभी भी फरार है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वहां पांच लोग गोली लगने से घायल मिले। इनमें से दो ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया, जबकि तीन घायलों का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने अभी तक न तो मृतकों की पहचान सार्वजनिक की है और न ही हमले के पीछे की वजह बताई है। घटना के बाद देर रात तक बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी इलाके में तैनात रहे। फोरेंसिक टीमें सबूत जुटाने में लगी रहीं, जबकि संदिग्ध या संदिग्धों की तलाश जारी रही।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने नागपुर नगर निगम को लगाई फटकार

फहीम खान के घर पर चुनिंदा बुलडोजर कार्रवाई पर मांगा जवाब

नागपुर (वार्ता)। बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ ने नागपुर हिंसा के आरोपी फहीम खान का घर गिराने को लेकर नागपुर नगर निगम को फटकार लगायी और सवाल किया कि दूसरे अवैध निर्माणों के खिलाफ ऐसी तुरंत कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति राज वाकोडे की पीठ ने नगर निकाय को दो सप्ताह के अंदर एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। इसमें उस अधिकारी का नाम बताना होगा जिसने घर गिराने का आदेश दिया था और नोटिस जारी करने के 24 घंटे के अंदर कार्रवाई करने के कारण बताने के साथ ही उन दूसरे मामलों की जानकारी देनी होगी जिनमें इसी तरह तुरंत घर गिराने की कार्रवाई की गयी थी।

फहीम की मां जहरुननिसा और एक अन्य आरोपी अब्दुल हफीज के बेटे अयाज शेख ने अपने याचिका में हिंसा के बाद एनएमसी द्वारा अपनी संपत्तियां गिराये जाने को चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि घर गिराने की कार्रवाई शीर्ष न्यायालय की नवंबर 24 के दिशानिर्देश का उल्लंघन है। इसके तहत कोई भी निर्माण गिराने से पहले सूचना देना, जवाब देने का मौका देना और उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति का घर सिर्फ इसलिए नहीं गिराया जा सकता क्योंकि वह किसी आपराधिक मामले में आरोपी है।

भाजपा-आरएसएस के लिए पैसा ही एकमात्र धर्म : आलोक

नागपुर (वार्ता)

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर धर्म के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन संगठनों का एकमात्र धर्म पैसा है। शर्मा ने आज यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अयोध्या के राम मंदिर को करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र बताते हुए कहा कि देशभर के लोगों ने एक भव्य मंदिर देखने की उम्मीद में इसके निर्माण में आर्थिक योगदान किया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आरोप सामने आए हैं कि चढ़ावे के रूप में भक्तों के हजारों करोड़ रुपये और सामग्री गायब हो गयी है। उन्होंने राम मंदिर घोटाले की तैयारी मंदिर के निर्माण से पहले ही शुरू हो जाने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि मंदिर ट्रस्ट में भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों को बहाल किया गया था। उन्होंने कहा, मंदिर के 15 ट्रस्टियों में से 12 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नियुक्त किया था। पहले ट्रस्ट का हिस्सा शंकराचार्य भी थे लेकिन उन्हें हटा दिया गया। उन्होंने मंदिर क्षेत्र के आसपास जमीन के लेन-देन में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि जमीन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि दो करोड़ रुपये में खरीदी गयी जमीन को बाद में 18 करोड़ रुपये में हासिल किया गया, जबकि पांच करोड़ रुपये की जमीन 55 करोड़ रुपये में बेची गयी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक बड़ी लूट है जिसमें भाजपा और आरएसएस के लोग शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने राम मंदिर निर्माण से जुड़े कुछ लोगों के इस मामले में आरोपी होने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की जांच का मकसद भाजपा और आरएसएस के वरिष्ठ नेताओं को बचाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है लेकिन उन्हें पुलिस हिरासत में नहीं लिया गया है। इसके बजाय पुलिस जेल में उनसे मिलकर जानकारी जुटा रही है और 50 लाख रुपये नकद जब्त किये गये हैं लेकिन कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस पूछताछ करे, तो और जानकारी सामने आयेगी, लेकिन सरकार ऐसा नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मामले पर बोलना चाहिए। उन्होंने राम मंदिर घोटाले की जांच उच्चतम न्यायालय के जरिए कराए जाने की और ट्रस्ट बोर्ड को भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सवाल उठाना जारी रखेगी और आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करेगी।

रिसॉर्ट में बोरवेल की खुदाई के दौरान करंट से 4 की मौत

चेन्नई (वार्ता)। तमिलनाडु के पर्यटन स्थल मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) के निकट एक निजी रिसॉर्ट में बोरवेल की खुदाई के दौरान शनिवार शाम हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से चार श्रमिकों की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा चेन्नई से करीब 55 किलोमीटर दूर स्थित एक निजी रिसॉर्ट में हुआ। श्रमिक बोरवेल में डालने के लिए एक लंबी लोहे की पाइप को सीधा खड़ा कर रहे थे, तभी वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। इससे पाइप में करंट दौड़ गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतकों की पहचान प्रभु (33), बालाजी (20), बाशा बाई (45) और राजेंद्रन (55) के रूप में हुई है। हादसे में घायल भगवान (45) को निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चेंगलपट्टू सरकारी मुख्यालय अस्पताल भेज दिया है तथा हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

40 साल का रिश्ता मजाक नहीं

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा रियलिटी शो लॉक अप से बाहर हो गई हैं। हेल्थ इश्यूज की वजह से सुनीता को बीच शो से बाहर किया गया है। गोविंदा और बेटी टीना खुद सुनीता को लेने लॉक अप में आए थे। शो में बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल गोविंदा और सुनीता का खूबसूरत बॉन्ड भी देखने को मिला,जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं था। लॉक अप से बाहर निकलने के बाद सुनीता आहूजा ने गोविंदा संग अपने रिश्ते पर बात की। उन्होंने ये भी कहा कि वो गोविंदा को कभी नहीं छोड़ेंगी। एक्टर के अफेयर्स पर भी सुनीता ने अपनी राय खुलकर सामने रखी। सुनीता ने गोविंदा संग अपने रिश्ते के टिके रहने की वजह बताते हुए कहा- देखो हम आज भी साथ हैं। हम एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते। मैंने तो शिल्पा शिंदे से भी कहा था कि वो मेरे पति हैं और मैं अपनी आखिरी सांस तक उन्हें कभी नहीं छोड़ूंगी, चाहे वो कुछ भी करें। हमने साथ में 40 साल बिताए हैं, और यह कोई मजाक नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री में इतने सालों तक टिके रहना ही अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लेकिन हम आज भी साथ हैं और एक-दूसरे से प्यार करते हैं। रिश्ते में बेवफाई, भरोसे, माफी और एक फिल्म स्टार की पत्नी होने की हकीकतों पर बात करते हुए सुनीता आगे बोलीं- भरोसा सबसे बड़ी चीज है। मुझे नहीं लगता कि फिल्म इंडस्ट्री में कोई भी हीरो पूरी तरह से दूध का धुला होता है, क्योंकि वो हमसे ज्यादा वक्त अपनी हीरोइनों के साथ बिताते हैं। यह सब इस बात पर डिपेंड करता है कि आपको अपने प्यार पर कितना भरोसा है और आप हालातों को कैसे संभालती हैं। सुनीता आगे बोलीं- मैंने हमेशा कहा है कि एक एक्टर की पत्नी बनने के लिए दिल पत्थर का होना चाहिए। मुझे 15 साल की उम्र में गोविंदा से प्यार हुआ था। आज मैं 56 साल की हूं और आज भी उनसे उतना ही प्यार करती हूं। मैंने उन्हें कई बार माफ किया है। मुझे पूरा यकीन है कि गलतियां मुझसे भी हुई होंगी, क्योंकि वो हमेशा कहते हैं कि यह मेरी पत्नी नहीं, मेरा बच्चा है। जब प्यार सच्चा होता है, तो आप माफ कर देते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। सुनीता आहूजा की लॉक अप में जर्नी काफी अच्छी रही। उनके वन लाइनर्स और बेबाक अंदाज फैंस को काफी एंटरटेनिंग लगा। सुनीता के शो से बाहर होने पर यकीनन फैंस उन्हें काफी मिस करेंगे।

किशोरी का पीछा कर मारपीट करने के आरोप में टीवी एक्टर रोहित चंदेल गिरफ्तार

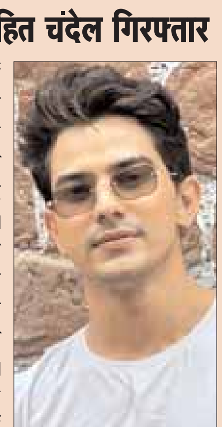

मुंबई पुलिस ने शहर के पूर्वी उपनगरों में 16 साल की किशोरी का पीछा करने, उसे परेशान करने और उसके साथ मारपीट करने के आरोप में टेलीविजन कलाकार रोहित चंदेल को गिरफ्तार किया है। रोहित के खिलाफ बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि किशोरी ने शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें उसने आरोप लगाया कि रोहित लगातार उससे संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे, जबकि वह उनसे बात नहीं करना चाहती थी। जब लड़की ने जवाब देना बंद कर दिया, तो रोहित ने कथित तौर पर अपने नंबर और अन्य मोबाइल नंबरों से बार-बार फोन किये। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने कुछ समय तक उस किशोरी का पीछा किया और उसे परेशान किया। रोहित ने कथित तौर पर किशोरी को उसके रिहायशी कॉम्प्लेक्स के पास रोका तथा उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने पोस्को और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। जांचकर्ताओं ने संकेत दिया है कि आरोपी और शिकायतकर्ता पहले से एक-दूसरे को जानते थे, हालांकि अधिकारियों ने उनके संबंधों की प्रकृति के बारे में और जानकारी नहीं दी है।

खलनायकी की दुनिया के बेताज बादशाह थे प्राण

हिंदी सिनेमा में प्राण को ऐसे अभिनेता के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने अपने सशक्त अभिनय, प्रभावशाली संवाद अदायगी और दमदार व्यक्तित्व के बल पर रूपहले पर्दे पर खलनायकी की दुनिया में एकछत्र राज किया। 12 फरवरी 1920 को दिल्ली के एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे प्राण के पिता केवल कृष्ण सिकंद सरकारी ठेकेदार थे। उनकी कंपनी सड़क और पुल निर्माण के ठेके लिया करती थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राण अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगे। एक दिन लाहौर में एक पान की दुकान पर उनकी मुलाकात प्रसिद्ध पटकथा लेखक वली मोहम्मद से हुई। वली मोहम्मद ने उनके व्यक्तित्व से प्रभावित होकर उन्हें फिल्मों में काम करने का प्रस्ताव दिया। शुरुआत में प्राण ने इस प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन उनके बार-बार आग्रह करने पर वह तैयार हो गए। प्राण ने वर्ष 1940 में पंजाबी फिल्म यमला जट से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। फिल्म की सफलता के बाद उन्होंने अभिनय को ही अपना पेशा बनाने का फैसला किया। भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद वह मुंबई आ गए। शुरुआती दौर में उन्होंने कई फिल्मों में नायक की भूमिकाएं निभाईं, लेकिन उन्हें जल्द ही एहसास हो गया कि खलनायक के रूप में उनकी प्रतिभा अधिक प्रभावशाली ढंग से सामने आ सकती है। वर्ष 1948 में बॉम्बे टॉकीज की फिल्म जिद्दी में उन्हें खलनायक की भूमिका मिली। फिल्म की सफलता के बाद उन्होंने खलनायकी को ही अपने करियर का आधार बना लिया। इसके बाद लगभग चार दशकों तक उन्होंने पर्दे पर ऐसे खलनायक किरदार निभाए कि दर्शक उनके अभिनय को वास्तविकता मान बैठते थे। जब वह किसी फिल्म में नायक को बहलाते या धोखा देने की कोशिश करते, तो दर्शक अक्सर कहते, इसकी बात पर विश्वास मत करो, यह प्राण है। वर्ष 1958 में प्रदर्शित फिल्म अदालत में उनके प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया था। साठ के दशक के उत्तरार्ध में प्राण ने चरित्र भूमिकाओं की ओर रुख किया। वर्ष 1967 में निर्माता-निर्देशक मनोज कुमार ने फिल्म उपकार में उन्हें मलंग चाचा का किरदार दिया, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। इस भूमिका को उन्होंने इतनी सहजता और गहराई से निभाया कि दर्शक उनके खलनायक वाले रूप को भूल गए। इसके बाद जंजीर में शेर खान सहित कई चरित्र भूमिकाओं में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया और सत्तर से नब्बे के दशक तक दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 13 जुलाई 2026

मंत्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक

बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर अहम निर्णय

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शासकीय सिविल अस्पताल गाडरवारा में शनिवार को रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में गाडरवारा सहित साईंखेड़ा, सालीचौका एवं चीचली क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए समाजसेवियों एवं दानदाताओं से अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं के विकास हेतु सहयोग करने का आह्वान किया। बैठक में अस्पताल में 24 घंटे निर्बाध विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने, ओपीडी पंजीयन के लिए कंप्यूटरीकृत तीन काउंटर स्थापित करने, नए भवन में रैंप सहित मरीजों की सुविधा अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित करने तथा रिक्त पदों पर आउटसोर्स के माध्यम से आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा दो मॉर्चुरी बॉक्स उपलब्ध कराने एवं अस्पताल के मुख्य प्रवेश मार्ग के निर्माण का भी निर्णय लिया गया। अस्पताल परिसर की शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से कोचर कॉलोनी मार्ग पर भारी वाहनों, डीजे वाहनों एवं अनावश्यक शोर-शराबे पर नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग लगाने तथा जुलूसों के आवागमन को प्रतिबंधित करने संबंधी प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, मिनेन्द्र डागा, जिला पंचायत सदस्य डॉ. योगेश, रोगी कल्याण समिति के सदस्य श्रीमती बसंती पालीवाल, शैलेंद्र जैन, अरुण बड़कुर, चंद्रकांत शर्मा, राव संदीप सिंह, एसडीएम मणिन्द्र सिंह, एसडीओपी ललित डागुर, अस्पताल अधीक्षक डॉ. उपेंद्र वस्त्रकर, सभी बीएमओ एवं स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

पिकअप पलटने से रोपा लगाने जा रही डेढ़ दर्जन महिलाएं घायल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। रामपायली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोंगरमाली व बिटोड़ी गांव से धान का रोपा (पराह) लगाने नेवरगांव धड़ी जा रही करीब डेढ़ दर्जन महिलाएं पिकअप पलटने से घायल हो गई। पिकअप पलटते ही मौके स्थल पर चीख पुकार मच गई व स्थानीय जनों की भीड़ जमा हो गई। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां दो महिलाओं की हालत गंभीर होने पर उन्हें गोंदिया रिफर किया गया। वहीं एक महिला को परिजनों ने शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया व अन्य महिलाओं का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

घटना संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 जुलाई रविवार की सुबह करीब 9.30 बजे ग्राम डोंगरमाली, बिटोड़ी से रोपा लगाने करीब 18 महिलाएं पिकअप वाहन से नेवरगांव धड़ी जा रही थी। तभी रास्ते में दिनी नदी बटरमारा पुल के समीप वाहन अनियंत्रित होकर पलटकर खेत में जा घुसी। इससे वाहन में सवार महिलाएं पिकअप से नीचे उछलकर गिर गई। जिससे वाहन चालक लोकेश नगपुरे निवासी बिटोड़ी को मामूली चोट आई। वहीं पिकअप में सवार महिलाएं घायल हो गई। इसमें गंभीर चोट आने पर सुनिता पति मुकेश गजभिए व सविता पति बैगा लिल्हारे दोनों निवासी डोंगरमाली को प्राथमिक उपचार कर गोंदिया रिफर कर दिया गया। वहीं एक महिला को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

बंदियों की सुनी समस्याएं दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमल जोशी ने जिला जेल का निरीक्षण किया इस दौरान विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया निरीक्षण के दौरान श्री जोशी ने पुरुष एवं महिला बैरकों पाकशाला शौचालयों तथा बंदियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं साफ-सफाई का जायजा लिया उन्होंने जेल मैनुअल के अनुरूप व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की और बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा आवश्यक विधिक सलाह प्रदान की विधिक जागरूकता कार्यक्रम में बंदियों को उनके अधिकारों निःशुल्क विधिक सहायता एवं विभिन्न विधिक योजनाओं की जानकारी दी गई जिन बंदियों के पास अधिवक्ता नहीं थे उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने

के निर्देश दिए गए साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समय पर पेशी सुनिश्चित करने तथा उच्च न्यायालय में अपील योग्य मामलों में शीघ्र निःशुल्क विधिक सहायता के माध्यम से अपील करने की सलाह भी दी गई इस अवसर पर सचिव तपन धारगा, सहायता अधिकारी विजय कुमार खोब्रागड़े, जेल अधीक्षक संजय सहलाम जेल स्टाफ जिला विधिक के कर्मचारी एवं बंदीजन उपस्थित रहे।

साईकिल प्राप्त होने से खिली विद्यार्थियों के चेहरे पर मुस्कान

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

शासन की महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने और विद्यालय तक उनकी नियमित पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के धमना बरमान हिरनपुर सुआतला रिछाई ग्रामों के आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया। साइकिल प्राप्त करते ही विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलकने लगा इस अवसर पर जालम सिंह पटेल ने कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा के कारण पढ़ाई से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे उनकी पढ़ाई नियमित और बेहतर हो सकेगी।उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। पूरी लगन, मेहनत और अनुशासन के साथ अध्ययन करें तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित छात्र हितैषी योजनाओं का उद्देश्य शिक्षा को बढ़ावा देना और हर बच्चे को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि शासन द्वारा लगातार विद्यार्थियों के हित में अनेक योजनाएं चलाई जा रही है जिससे लाभान्वित होकर आप अपने सपने साकार कर सकते है अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी से मेहनत करे और निरंतर आगे बढ़ते रहे कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने साइकिल मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें विद्यालय आने-जाने में काफी सुविधा होगी और समय की भी बचत होगी। शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया।साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक जिला पंचायत उपाध्यक्ष अनीता ठाकुर जनपद उपाध्यक्ष अंजू मनमोहन साहू दीपक राय राजेश रघुवंशी चंद्रभान सिंह रोशनी ठाकुर सीताराम नामदेव वीरेंद्र पटेल राव गणराज सिंह राय साहब सिंह राव मुकेश सिंह राव कृष्ण कुमार सत्यपाल सिंह सहित जनप्रतिनिधि, विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग ने नवीन डीपी स्थापना की प्रक्रिया शुरू की

नरसिंहपुर। स्वतंत्रममत। चावरपाठा में आयोजित बैठक के पश्चात ग्रामीणों द्वारा विद्युत व्यवस्था एवं मार्गों की सफाई संबंधी समस्याएं प्रमुखता से उठाई गई थीं। इस पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने संबंधित विभागों को मौके से ही त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह के निर्देशों के परिपालन में विद्युत विभाग द्वारा ग्राम में नवीन डीपी (डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफार्मर) स्थापित किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति और अधिक सुचारु एवं बेहतर हो सकेगी। वहीं ग्राम पंचायत चावरपाठा द्वारा गांव के मार्गों की सफाई, जलभराव के कारण रास्तों पर जमी सिल्ट को हटाने तथा आवागमन को सुगम बनाने के लिए जेसीबी से सफाई की गई। ग्रामीणों ने उनकी मांगों पर त्वरित कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सब्जी विक्रेताओं को किया जागरूक

मण्डला (स्वतंत्र मत)

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत सब्जी मंडी में विशेष आईईसी सूचना शिक्षा एवं संचार जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान सब्जी विक्रेताओं को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए अपनी दुकानों पर डस्टबिन रखने तथा सब्जियों का अपशिष्ट एवं अन्य कचरा केवल नगर पालिका के डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन में ही देने की अपील की गई इस अवसर पर विक्रेताओं से सड़क, नालियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाने का आग्रह करते हुए बताया गया कि स्वच्छ एवं सुंदर मंडी का निर्माण नगर पालिका के साथ-साथ प्रत्येक विक्रेता और नागरिक की सहभागिता से ही संभव है। सभी से मंडला को स्वच्छ, सुंदर एवं आदर्श शहर बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई जागरूकता अभियान आईईसी टीम अल्ट्रा क्लीन सर्विसेज द्वारा वार्ड पर्यवेक्षक नरेंद्र लाहोरिया के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।

उन्नत बीजों से बढ़ेगी किसानों की समृद्धि की राह

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में किसानों की आय बढ़ाने और उन्नत खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग नरसिंहपुर एवं शक्ति पूजा एफपीओ, करेली के संयुक्त तत्वावधान में सोयाबीन के उन्नत बीजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग ने लगभग 200 किसानों को उन्नत गुणवत्ता के सोयाबीन बीज वितरित किए। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों की महिला सदस्यों को प्रदर्शन प्लॉट तैयार करने के लिए 30-30 किलोग्राम सोयाबीन बीज उपलब्ध कराए गए, ताकि आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन कर अधिक से अधिक किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रेरित किया जा सके। कृषि विभाग ने किसानों से गुणवत्तापूर्ण बीजों के साथ वैज्ञानिक खेती की तकनीकों को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन एवं फसल की नियमित निगरानी से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। कृषि विभाग किसानों को हर स्तर पर तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

नरसिंहपुर में 13 जुलाई से शुरू होगा 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' का तृतीय चरण

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' का तृतीय चरण 13 जुलाई से जिले में प्रारंभ होगा। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव के दिशा-निर्देशों के अनुरूप इस अभियान को जिले में व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. सुनील कुमार बृजपुरिया ने अभियान के संदर्भ में प्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह, श्री रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गजेंद्र सिंह नागेश से भेंट कर विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर डॉ. बृजपुरिया ने उन्हें पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री श्री लखन सिंह पटेल का 'क्षीरधारा ग्राम' योजना से संबंधित पत्र भी सौंपा तथा अभियान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से उन पशुपालकों पर फोकस किया जाएगा जिनके पास 3 से 4 गौवंशीय या भैंसवंशीय पशु हैं। विभागीय अमला इन पशुपालकों से घर-घर संपर्क कर उनसे सीधा संवाद स्थापित करेगा। संवाद के दौरान पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य जैसे तीन प्रमुख विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। जागरूकता बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा तैयार की गई तीन विशेष रील (वीडियो) भी पशुपालकों को दिखाए जाएंगे। साथ ही उन्हें 'गोरस ऐप' डाउनलोड कराकर इसके उपयोग की जानकारी दी जाएगी, जिससे वे आधुनिक पशुपालन तकनीकों से जुड़ सकें। अभियान के तहत जिले के कुल 11 हजार 903 पशुपालकों को कवर किया जाएगा, जिनके लगभग 41 हजार 321 गौवंशीय एवं भैंसवंशीय पशु शामिल होंगे। इस अभियान को सफल बनाने के लिए 198 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, गौ सेवक एवं 'मैत्री' कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर कार्य करेंगे।अभियान की प्रभावी जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु जिले के सभी विकासखंडों में 10 एवं 11 जुलाई को दो दिवसीय तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मैदानी अमले को पशुपालकों से संवाद की तकनीक, पशुपालन के तकनीकी पहलुओं एवं गोरस ऐप के संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, ताकि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या न आए। यह अभियान जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पशुपालकों की आय में वृद्धि कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मायरा सराय बैहर में 17-18 को होगा सेराई सोलफेस्ट 2026 : योग, संगीत और मनोरंजन का रहेगा संगम

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

बैहर तहसील स्थित मायरा सराय रिसोर्ट में 17 एवं 18 जुलाई को दो दिवसीय सेराई सोलफेस्ट 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आयोजन की प्रस्तुति साईक्स द्वारा की जा रही है। आयोजन में आध्यात्म, योग, संगीत, कॉमेडी और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में शांतनु द्वारा भजन जैमिंग सत्संग, परमेश्वर, सौरभ, पंकज एवं हर्ष द्वारा एक्रा जुम्बा, काफिल एवं डीजे वीनस द्वारा सूफी संगीत और डीजे नाइट, विक्रम सिंह द्वारा गेम्स एवं एक्टिविटीज, प्रसिद्ध स्टैंड-अप कॉमेडियन अपूर्व गुप्ता की हास्य प्रस्तुति, नील योग द्वारा एक्रा योग एवं आइस बाथ, डॉ. पुष्पक चौबे द्वारा ज्योति त्राटक क्रिया, स्वालिहा और आभा द्वारा माइंडफुल योग तथा हरशीत कौर द्वारा टैरो रीडिंग की प्रस्तुति दी जाएगी।

आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के लिए रहने और भोजन की विशेष व्यवस्था भी की गई है, ताकि वे पूरे कार्यक्रम का आनंद ले सकें। मायरा सराय रिसोर्ट प्रबंधन ने बताया कि कार्यक्रम के लिए सीमित पास उपलब्ध हैं। इच्छुक प्रतिभागी अधिक जानकारी एवं पास बुकिंग के लिए मोबाइल नंबर 9243005100 एवं 9203405961 पर संपर्क कर सकते हैं। यह आयोजन प्रकृति के बीच सुकून, स्वास्थ्य, आध्यात्म और मनोरंजन का अनूठा अनुभव प्रदान करेगा।

चावरा विद्यापीठ में अलंकरण समारोह, नव-निर्वाचित छात्र परिषद ने ली जिम्मेदारी की शपथ

एसपी डॉ. ऋषिकेश मीणा ने पदाधिकारियों को बैज और सैश पहनाकर किया सम्मानित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। चावरा विद्यापीठ, नरसिंहपुर में शनिवार को सत्र 2026-27 के लिए अलंकरण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि नरसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, आईपीएस ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को बैज एवं सैश प्रदान कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपीं।विद्यालय के प्राचार्य रेव. फादर वर्गीस एम. वी. ने छात्र परिषद के सभी सदस्यों को पद एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय की पूर्व छात्रा सुश्री अश्विता उइके विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।विद्यालय के स्कूल लीडर्स मोहम्मद अशाज़ खान एवं संस्कृति राजपूत तथा कैप्टन्स आनंद दुबे एवं समृद्धि धिमोले ने ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा विद्यालय की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लिया।समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन, जिम्मेदारी और सेवाभाव के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा मिली। विद्यालय परिवार ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सभी पदाधिकारियों को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

ई-केवायसी व योजनाओं के पंजीयन के लिए 13 जुलाई को लगने वाले शिविर

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देश पर शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में होंगे शिविर

जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 13 जुलाई को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शहरी क्षेत्र में 13 जुलाई को नगर पालिका गाडरवारा के भामा वार्ड व हनुमान वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के किसानी वार्ड व पाठक वार्ड के लिए सामुदायिक भवन बेलापुरकर वार्ड रिप्टापार कंदेली नरसिंहपुर, नगर पालिका करेली के महात्मा गांधी वार्ड व महेन्द्र वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के गौरा देवी वार्ड व गुरूनानक वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 7 महात्मा गांधी वार्ड व वार्ड क्रमांक 8 सुभाष वार्ड, नगर परिषद चीचली, सालीचौका एवं सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 7 व 8 में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 13 जुलाई को जिले की जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत चिनकी, देवाकछार, घूरपुर, गोबरगांव व गोंगावरी, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत चंदपुरा, चीलाचौन खुर्द, चीलाचौन कलां, चौराखेड़ा व देवरीकलां, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत चारगांव कलां, चारगांव खुर्द, छैनाकछार ए, छैनाकछार बी व चीचली, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत बेलखेड़ी नर्मदा, भैंसा, भामा, बुढ़ैना व बुधगांव, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत चामचौन, डुंगरिया, गरधा, इमलिया व जमाड़ा और जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत बिलगुवां, बिल्हरा, बिल्थारी, बोहारी व चरगुवां में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा। इसके अलावा पटवारियों द्वारा किसानों का यूनिक फार्मर आईडी पंजीयन, पोस्टमैन के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा आजीविका मिशन के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के आवेदन भी भरवाए जाएंगे।

भाई की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। विगत दिवस प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार तिवारी ने भाई की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। संक्षेप में मामला इस प्रकार है कि जिला अस्पताल पुलिस चौकी नरसिंहपुर में रिपोर्ट कर्ता गुलाब धानक द्वारा इस आशय की रिपोर्ट लेख कराई गयी कि वह इंद्रा कालोनी आजाद वार्ड गाडरवारा में रहता है तथा उसके चार लड़के हैं , जिसमें बड़ा लड़का आरोपी शैलेन्द्र उर्फ शैलेष उर्फ तेजराम धानक है तथा तीन अन्य लड़के मल्लू , कमलेश एवं राकेश हैं। उसका बड़ा लड़का शैलेन्द्र उर्फ शैलेष शराब पीकर हमेशा घर-परिवार वालों से झगड़ा करता रहता है। दिनांक 23/12/25 को रात करीब 2.30 बजे उसका लड़का आरोपी शैलेन्द्र उर्फ शैलेष उर्फ तेजराम शराब के नशे में घर - परिवार वालों को गाली गलौच कर रहा था तब उसका छोटा लड़का राकेश उसे समझाने आया तो आरोपी शैलेन्द्र उर्फ शैलेष उर्फ तेजराम उससे विवाद करने लगा तथा कमरे में रखा फावड़ा उठाकर उसकी मुधाई से राकेश के सिर पर 4-5 बार मारा जिससे राकेश के सिर से खून आने लगा और राकेश वहीं जमीन पर गिर गया इसके बाद घटना के बारे में छोटे भाई छोटू धानक को बताया तथा लड़के कमलेश व रिंकू के साथ रिंकू के आटो में राकेश को उठाकर गाडरवारा सरकारी अस्पताल ले गये जहाँ पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉं. ने राकेश को सरकारी जिला अस्पताल नरसिंहपुर रिफर कर दिया जहां पर डॉं. ने चेक करने के बाद राकेश की मृत्यु होना बताया उक्त रिपोर्ट के आधार पर मर्ग अपराध क्र. 00/25 धारा 103(1) बी.एन.एस.में लेख कर थाना गाडरवारा के अपराध क्र. 1421/25 धारा 103(1) बी. एन. एस. का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया प्रकरण में आयी साक्ष्य एवं अपर लोक अभियोजक के तर्कों से सहमत होते हुये न्यायालय ने आरोपी कोअपने भाई की हत्या का दोषी मानते हुये धारा 103(1) बी. एन.एस. में आजीवन कारावास एवं 3000/- रु के अर्थ दंड से दंडित किया।

जिले में 18 जुलाई तक चलेगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

सिंगरौली जिले में 13 से 18 जुलाई 2026 तक दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण संचालित किया जाएगा। अभियान के सफल संचालन हेतु समस्त सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों, मैत्री कार्यकर्ताओं, गौसेवकों एवं पशुसखियों को 10 जुलाई को कृषि विज्ञान केंद्र सिंगरौली में जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मैदानी अमले को निर्देशित किया गया है कि वे मुख्य रूप से उन पशुपालकों के घर-घर पहुंचकर संपर्क व संवाद स्थापित करें, जिनके पास तीन से चार गौवंश अथवा भैंसवंश उपलब्ध हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादन में गुणात्मक सुधार लाना, पशुओं की उत्पादकता बढ़ाना और वैज्ञानिक पशुपालन को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत पशुपालकों को नस्ल सुधार, संतुलित पशु पोषण तथा पशु स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही कृत्रिम गर्भाधान, उन्नत नस्ल विकास, संतुलित आहार और रोगों की रोकथाम के प्रति गृह भेंट, गौरस ऐप, क्षीर धारा ग्राम योजना तथा गौपालक दीदी योजना के माध्यमों से जागरूक किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रत्येक लक्षित पशुपालक से संपर्क के बाद कार्यकर्ता पूरी जानकारी विभागीय %दुग्ध संपर्क अभियान ऑनलाइन पोर्टल% पर दर्ज करेंगे। इसकी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग, उपखंड अधिकारी राजस्व, पशु चिकित्सकों तथा नोडल अधिकारियों की टीम द्वारा इन प्रविष्टियों का जमीनी स्तर पर भौतिक सत्यापन भी किया जाएगा।

183 गांवों की बदलेगी तकदीर : बहोरीबंद माइक्रो उदवहन परियोजना से खेतों तक पहुंचेगा पानी

2029 तक आएगी सिंचाई क्रांति, एक फसल से दो और तीन फसलों की ओर बढ़ेंगे किसान

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मानसून की बेरुखी की स्थिति और सिंचाई के सीमित साधनों के कारण खेती की चुनौतियों का सामना कर रहे कटनी और जबलपुर जिले के हजारों किसानों के लिए अब उम्मीद की नई धारा बहने जा रही है। बहुप्रतीक्षित बहोरीबंद माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के साथ ही क्षेत्र में कृषि विकास और ग्रामीण समृद्धि के नए युग की शुरुआत मानी जा रही है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने बीते दिनों इस उद्वहन सिंचाई परियोजना की विस्तृत समीक्षा कर कार्य में तेजी लाने और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बताया गया है कि करीब 1432.77 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना वर्ष 2029 तक पूर्ण होने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। परियोजना के तहत जल स्रोत से 17.35 क्यूमेक पानी का उद्वहन किया जाएगा, जिसके संचालन के लिए 25.15 मेगावाट विद्युत क्षमता का उपयोग किया जाएगा। आधुनिक तकनीक और व्यापक जल प्रबंधन पर आधारित यह योजना आने वाले वर्षों में क्षेत्र की कृषि व्यवस्था की दिशा और दशा दोनों बदलने का सामर्थ्य रखती है।

183 गांवों के खेतों तक पहुंचेगा जीवनदायिनी जल

परियोजना के माध्यम से कटनी और जबलपुर जिले के कुल 183 गांवों की 46 हजार 716 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। कटनी जिले के 167 गांवों की 44 हजार 334 हेक्टेयर भूमि तथा जबलपुर जिले की मझौली तहसील के 16 गांवों की 2 हजार 383 हेक्टेयर भूमि इस योजना से लाभान्वित होगी। कटनी जिले में सर्वाधिक लाभ बहोरीबंद तहसील को मिलेगा, जहां 95 गांवों की 22 हजार 103 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इसके अलावा स्लीमनाबाद के 48 गांवों की 15 हजार 303 हेक्टेयर, रीठी के 22 गांवों की 6 हजार 314 हेक्टेयर तथा कटनी तहसील के 2 गांवों की 613 हेक्टेयर भूमि को भी सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। विशेषज्ञों के अनुसार परियोजना के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की खेती पूरी तरह बदल जाएगी। जिन खेतों में एक फसल ली जाती थी, वहां दो से तीन फसलें लेने में सक्षम होंगे। खरीफ रबी दोनों मौसमों में उत्पादन बढ़ेगा और मौसम की अनिश्चितताओं का असर कम होगा।

नकदी फसलों और बागवानी को मिलेगा बढ़ावा

पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने के बाद किसान गेहूं, धान और चना जैसी पारंपरिक फसलों के साथ-साथ सब्जियां, दलहन, तिलहन और अन्य नकदी फसलों की खेती की ओर भी आगे बढ़ सकेंगे। इससे कृषि का स्वरूप बदलेगा और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति यह परियोजना केवल सिंचाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेगी। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे, वहीं कृषि आधारित उद्योगों और प्रसंस्करण इकाइयों के विकास की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन में कमी आने और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कृषि इतिहास में दर्ज होगा नया अध्याय

कलेक्टर आशीष तिवारी इन योजनाओं की अद्यतन प्रगति की नियमित समीक्षा करते हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसी को निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। वर्ष 2029 में जब इस परियोजना का पानी खेतों तक पहुंचेगा, तब यह केवल एक सिंचाई परियोजना नहीं होगी, बल्कि हजारों किसान परिवारों के सपनों, उम्मीदों और आर्थिक सशक्तिकरण की मजबूत आधारशिला बनेगी। बहोरीबंद माइक्रो उद्वहन परियोजना आने वाले वर्षों में कटनी और जबलपुर के कृषि इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगी और क्षेत्र को जल-संपन्न तथा कृषि समृद्ध बनाने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

कटनी बनेगा उड़ीसा का जगन्नाथ धाम

16 जुलाई को धूमधाम से निकलेगी भव्य एवं विशाल रथ यात्रा

महोत्सव को सफल बनाने तैयारियां तेज, बैठक में सौंपी गई जिम्मेदारियां

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भारतीय सनातन संस्कृति में महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के महाप्रसाद की महिमा अपरंपार है। धर्मग्रंथों और लोक-मान्यताओं में कहा गया है। जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ। यानी जिसके सामने पूरी दुनिया हाथ फैलाती है, वह नारायण अपने भक्तों को देने के लिए स्वयं रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं और उनके धाम में मिलने वाले भात चावल के महाप्रसाद को पाने के लिए राजा हो या रंक, हर कोई हाथ पसारे खड़ा रहता है। इसी पावन और अटूट श्रद्धा को समेटे, कटनी शहर में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव 2026 का आयोजन आगामी 16 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। पिछले साल की तरह इस साल भी कई मनमोहक और आकर्षक झांकियां रथ यात्रा में शामिल की जा रही है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद सरावगी, सचिव शिव सोनी, रथ यात्रा महोत्सव के अध्यक्ष विजय ठाकुर, सह सचिव विजय पटेल, कोषाध्यक्ष शिशिर टुड़हा ने बताया कि रथ यात्रा महोत्सव की शुरुआत विशाल वाहन रैली के साथ 15 जुलाई को होगी। 16 जुलाई को भव्य रथ यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया है। जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सब्जी मंडी स्थित राधाकृष्ण मन्दिर पहुंचकर समाप्त होगी।

इसी कड़ी में 23 जुलाई को जानकी जी की वापसी रथ यात्रा, 24 जुलाई को श्री जी सेवा संकीर्तन रंगारंग भजन कार्यक्रम शाम 6 बजे से, 25 जुलाई को शाम 6 बजे से समधुर रसमय भजन संध्या, 26 जुलाई को बजरंग बाल रामायण समाज द्वारा एक शाम जगन्नाथ प्रभु के नाम आयोजित की जाएगी। 27 जुलाई को सुबह 10 बजे से हवन, पूजन, ब्राम्हण भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। आयोजन को ऐतिहासिक और भव्य बनाने की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। महाप्रभु की इस विशेष कृपा और 7 दिवसीय उत्सव की सुनियोजित रूपरेखा तैयार करने के लिए मंदिर प्रांगण में बैठक भी आयोजित की गई। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ जब मौसी के घर जाते हैं, तो भक्तों का वात्सल्य उमड़ पड़ता है। इस व्यवस्था को सहेजने और महोत्सव में सेवा का संकल्प लेने के लिए शिव शक्ति महिला मिलन ग्रुप, कटनी द्वारा शहर की समस्त मातृशक्तियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। मां शक्तियों की उपस्थिति इस धार्मिक आयोजन को और भी अधिक संवेदनशील, अनुशासित और भक्तिमय बनाएगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद सरावगी ने कटनी के समस्त धर्मप्रेमियों से अपील की है कि महाप्रभु के इस काज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। आइए, इस बैठक में सम्मिलित होकर रथ यात्रा महोत्सव को दिव्य बनाएं और महाप्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को धन्य करें।

कांग्रेस ने ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन सृजन अभियान किया तेज

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कांग्रेस द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार बैठकों का दौर जारी है। वहीं कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित लोगों को पार्टी से जोड़ते हुए संगठन सृजन को लेकर विभिन्न ग्रामों का दौरा किया जा रहा है। गुरुवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह ने विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामों का दौरा कर ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन सृजन के तहत ब्लाक, मंडलम तथा ग्राम समितियों के गठन को लेकर पार्टी के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष गणेशराव, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रवींद्र सिंह छोटू, शिवकुमार पटेल, जितेन्द्र सिंह, रत्नेश सिंह, रैवा प्रसाद, राजा बाबू, जगदीश पटेल एवं वंश गोपाल पटेल सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ताओ के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सनशाइन एकेडमी में सेफ एंड अनसेफ टच विषय पर जागरूकता

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी राहुलबाग में बच्चों को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से सेफ एंड अनसेफ टच विषय पर एक विशेष जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को सरल एवं रोचक तरीके से सुरक्षित और असुरक्षित के बीच का अंतर समझाया गया। शिक्षकों ने चित्रों, संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को बताया कि किसी भी असहज स्थिति में उन्हें तुरंत अपने माता-पिता, किसी विश्वसनीय बड़े व्यक्ति को जानकारी देनी चाहिए।

5,515 पशुपालकों के घरों में पहुंचेगा पशुपालन विभाग

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और नस्ल सुधार के लिए 13 से 18 जुलाई तक चलेगा अभियान

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले में पशुपालन को अधिक लाभकारी और आधुनिक बनाने की दिशा में पशुपालन विभाग द्वारा 13 से 18 जुलाई तक तीसरा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान संचालित किया जाएगा। कलेक्टर आशीष तिवारी ने इस छह दिवसीय विशेष अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों और मैदानी अमले को जिले के 5 हजार 515 पशुपालकों के घर पहुंचकर उन्हें पशुपालन के वैज्ञानिक तौर-तरीकों, नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के आधुनिक उपायों की जानकारी पशुपालकों को प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के अंतर्गत ऐसे पशुपालकों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके पास तीन या चार मादा पशु उपलब्ध हैं। विभागीय टीम घर-घर जाकर पशुओं के बेहतर प्रबंधन, संतुलित आहार, खनिज मिश्रण का पशु आहार में उपयोग, समय पर टीकाकरण, रोग नियंत्रण तथा आधुनिक प्रजनन तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करेगी।

उपसंचालक पशु पालन एवं डेयरी विकास डॉ नीता मनोचा ने बताया कि अभियान का मुख्य फोकस स्थानीय अवर्णित नस्ल के पशुओं का वैज्ञानिक तरीके से नस्ल सुधार करना है, ताकि उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो सके। इसके लिए पशुपालकों को सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक के उपयोग के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। इस तकनीक से अधिक संख्या में उच्च उत्पादक क्षमता वाली मादा बछियों का जन्म संभव होता है, जिससे भविष्य में दुग्ध उत्पादन और पशुपालकों की आय दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। अभियान के दौरान पशुपालकों को विभाग की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं और नवाचारों की भी जानकारी दी जाएगी। इनमें लखपति दीदी योजना, नंदिनी महोत्सव और पशुपालकों के लिए विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म गौरस ऐप प्रमुख हैं।

इन योजनाओं का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं और स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिला पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है। पशुपालन विभाग का मानना है कि यदि वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों को गांव-गांव तक पहुंचाया जाए, तो कम संसाधनों में भी पशुपालक बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। यही कारण है कि विभाग अब केवल उपचार और टीकाकरण तक सीमित न रहकर पशुपालकों के घर पहुंचकर उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन और व्यवहारिक सलाह उपलब्ध करा रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान केवल जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, उन्नत नस्लों को प्रोत्साहित करने और पशुपालकों की आय दोगुनी करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे आधुनिक तकनीकों का लाभ गांव-गांव तक पहुंचेगा और जिले में श्वेत क्रांति को नई गति मिलने के साथ हजारों पशुपालक परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिसब्रांडेड गरम मसाला बेचने वाले व्यापारी पर 45 हजार का जुर्माना

जांच में फेल हुआ मसाला, नोटिसों को भी किया नजर अंदाज

कटनी (स्वतंत्रमत)।

बाजार में बिक रहे पैक्ड मसालों की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में 'दिव्य ज्योति मिक्स गरम मसाला' मिसब्रांडेड (मिथ्याछाप) पाए जाने के बाद न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा ने पोस्ट ऑफिस गली स्थित मेसर्स सुमित किराना के संचालक जगदीश चांदवानी पर 45 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। खास बात यह है कि यह कार्रवाई वर्ष 2020 में लिए गए नमूने की जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद सामने आई है। मामले के अनुसार 5 दिसंबर 2020 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुर्मी ने दुकान का निरीक्षण कर संदेह के आधार पर 'दिव्य ज्योति मिक्स गरम मसाला' का नमूना जांच के लिए भेजा था। 1 फरवरी 2021 को आई प्रयोगशाला रिपोर्ट में मसाला मिथ्याछाप पाया गया। इसके बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान व्यापारी को कई बार नोटिस भेजे गए, लेकिन वह न तो न्यायालय में उपस्थित हुआ और न ही अपना पक्ष रखा। इसके बाद न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और जांच रिपोर्ट के आधार पर एकपक्षीय फैसला सुनाते हुए व्यापारी को दोषी ठहराया। न्यायालय ने माना कि व्यापारी ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 26(2) एवं धारा 52 का उल्लंघन किया है। इसके चलते उस पर 45 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया है। आदेश में 30 दिन के भीतर ट्रेजरी चालान के माध्यम से राशि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। समय सीमा में राशि जमा नहीं होने पर अधिनियम की धारा 96 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन की अहमियत को भी रेखांकित करती है। खाद्य सुरक्षा विभाग का कहना है कि खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता और लेबलिंग संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

सराफा एसोसिएशन में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के सराफा एसोसिएशन में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। एसोसिएशन में भी शिकवा शिकायतों का दौर शुरू हो गया है। सराफा एसोसिएशन के कुछ सदस्यों ने सराफा एसोसिएशन (पंजीयन क्रमांक-04/15/03/17350/15) में वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को एक शिकायत देकर जांच व आवश्यक कार्यवाही की मांग की है। कलेक्टर को दिए गए शिकायती पत्र में साराफा एसोसिएशन के सदस्य आशीष सोनी ने कहा कि मैं साराफा एसोसिएशन, कटनी का सदस्य हूं। आशीष ने आरोप लगाया कि संस्था में लंबे समय से गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं, जिससे सदस्यों के अधिकारों का हनन हो रहा है तथा संस्था का संचालन उपविधियों एवं कानून के अनुरूप नहीं हो रहा है। कई वर्षों से संस्था की आम सभा आयोजित नहीं की गई। आय-व्यय विवरण एवं ऑडिट रिपोर्ट सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई है। निर्धारित समय पर चुनाव नहीं कराए गए तथा लगभग 5 वर्षों से कार्यकारिणी बिना चुनाव के कार्य कर रही है। सदस्यता सूची में मनमाने ढंग से नाम जोड़े एवं हटाए गए हैं। सदस्यता शुल्क जमा होने के बावजूद कई सदस्यों के नाम सूची में शामिल नहीं किए गए।

सड़क पर बेतरतीब पार्किंग से बिगड़ रहे हालात

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल शंकर टॉकीज के समीप सड़क पर बेतरतीब पार्किंग के कारण यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। दुकानों के सामने सड़क किनारे खड़े दोपहिया वाहनों से मार्ग संकरा हो गया है, जिसके चलते दिनभर जाम जैसे हालात बन रहे हैं। इसका खामियाजा राहगीरों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और वाहन चालकों को उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन चौराहे के पास नियमित रूप से यातायात पुलिस की तैनाती रहती है, लेकिन शंकर टॉकीज क्षेत्र में अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं देती।

नाबालिग बालिका से बालात्कार करने वाले 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अति पुलिस अधीक्षक कटनी कमल मौर्या के कुशल निर्देशन एवं आकांक्षा चतुर्वेदी एसडीओपी स्लीमनाबाद कटनी के मार्ग दर्शन में थाना स्लीमनाबाद पुलिस द्वारा नाबालिक बालिका से बालात्कार करने वाले 02 आरोपियों को किया गिरफ्तार। 09 जुलाई को फरियादिया नाबालिक बालिका ने एक टाईप शुदा आवेदन आरोपी जीतू झरिया द्वारा हाथ पकड़ने व विष्णु कुचबंदिया नि ग्राम धनगवा थाना सिहोरा के द्वारा जबरदस्ती गलत काम करने एवं जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध मे पेश किया आवेदन के अवलोकन पर प्रथम दृष्टया अपराध धारा- 137(2), 64(1), 351(3), 3(5) बीएनएस 3,4 पाक्सो एक्ट का पाये जाने से अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना आरोपी विष्णु कुचबंदिया पिता राजकुमार कुचबंदिया उम्र 23 साल व जितेंद्र उर्फ जीतू झारिया पिता दशरथ झारिया उम्र 25 साल नि गण ग्राम धनगवा को 10 जुलाई को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी विष्णु कुचबंदिया का मेडिकल परीक्षण कराने के पश्चात आरोपी गणों को माननीय विशेष न्यायाधीश महोदय कटनी के समक्ष पेश किया गया।

अनियंत्रित होकर पलटी तेज रफ्तार कार

कटनी (स्वतंत्रमत)। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुरैनी स्थित सब्जी मंडी के पास बीती रात तेज रफ्तार कार सड़क पर बैठी गाय को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के वक्त कार में तीन लोग सवार थे, जो इस हादसे में बाल-बाल बच गए और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। पुलिस ने बताया कि शनिवार की रात 10 बजे तेज रफ्तार कार चाका से शहर आ रही थी। जैसे ही कार पुरैनी सब्जी मंडी के पास पहुंची, तभी अचानक सड़क पर बैठी एक गाय को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया। नियंत्रण खोते ही कार सीधे डिवाइडर से जा टकराई और जोरदार ठोकर के साथ बीच सड़क पर पलट गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के स्थानीय लोग और वहां से गुजर रहे राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। कार को उल्टा देखकर मौके पर चीख पुकार मच गई थी।

पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का किया आह्वान

पदयात्रा के दौरान सांसद बंटी साहू एवं भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन पहुँचे डीपीएस स्कूल

कटनी (स्वतंत्रमत)। पदयात्रा के दौरान छिंदवाड़ा के सांसद बंटी साहू एवं भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन दिल्ली पब्लिक स्कूल डीपीएस पहुँचे। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर अनुराग जैन एवं अनुज जैन ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या सीमा दुबे, ऋचा टंडन, मयूर एंथनी, सतीश परौहा एवं रजत जैन सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताया तथा सभी बच्चों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पौधारोपण की सही विधि, पौधों के संरक्षण तथा उन्हें विकसित करने के विभिन्न तरीकों की भी जानकारी दी। विद्यालय परिवार ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के इस प्रेरणादायी संदेश को विद्यार्थियों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप सेमीफाइनल में अर्जेंटीना

स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे, अब इंग्लैंड से मुकाबला

कैंसस

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।

कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ। मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।

मेसी के क्रॉस पर मैक एलिस्टर का गोल- डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

मैच में खास

- अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।
- अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।
- स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

21 साल की लिंडा नोस्कोवा बनीं विंबलडन चैंपियन

नई दिल्ली। चेक रिपब्लिक की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में नौवीं सीड नोस्कोवा ने अपनी ही हमवतन और पेरिस ओलिंपिक की डबल्स पार्टनर कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। विंबलडन के इतिहास में यह पहली बार था जब दो चेक खिलाड़ियों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस जीत के साथ ही नोस्कोवा को करीब 38.5 करोड़ रुपए (£3.6 मिलियन) की इनामी राशि मिली और वे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी।

4 साल में तीसरी चेक चैंपियन बनीं लिंडा नोस्कोवा

लिंडा नोस्कोवा पिछले चार सालों में विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह खिताब जीता था।

इंग्लैंड दौरे के बाद बदल सकता है भारत का कोचिंग स्टाफ

गंभीर के दो भरोसेमंद कोच हट सकते हैं, फील्डिंग कोच दिलीप पर भी दबाव

नई दिल्ली

इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो टी-20 सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ में बदलाव हो सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल टीम से बाहर हो सकते हैं। दोनों का मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद खत्म हो रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई टीम और सपोर्ट स्टाफ का रिव्यू करेगा। टीम की खराब फील्डिंग भी बोर्ड की चिंता बढ़ा रही है। भारत ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर 10 से ज्यादा कैच छोड़े। ऐसे में फील्डिंग कोच टी. दिलीप को भी हटाया जा सकता है। पिछले साल उन्हें अभिषेक नायर के साथ टीम से बाहर किया गया था, लेकिन बाद में दोबारा जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रयान टेन डोशेट पूरे साल भारतीय टीम के साथ लगातार यात्रा करने से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने अपनी यह बात बीसीसीआई के सामने भी रखी है। साथ ही उनके किसी फ्रेंचाइजी से जुड़ने की चर्चा है। वहीं, मोर्ने मोर्कल भी दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

बालाजी को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

अगर रेयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल सपोर्ट स्टाफ से बाहर होते हैं, तो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के नए फास्ट बॉलिंग कोच लक्ष्मीपति बालाजी को श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के साथ भेजा जा सकता है। भारत अगस्त की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। वहीं, जुलाई के आखिर में जिम्बाब्वे दौरे पर होने वाली टी-20 सीरीज में वीवीएस लक्ष्मण ष्टश्वश्व के कोचिंग स्टाफ के साथ टीम इंडिया की जिम्मेदारी संभालेंगे।

गंभीर ने खुद चुने थे दोनों कोच

रयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल को गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में हेड कोच बनने के बाद अपने सपोर्ट स्टाफ में शामिल किया था। इससे पहले बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर की जगह सितांशु कोटक को जिम्मेदारी दी जा चुकी है। अब इंग्लैंड दौरे के बाद गंभीर के सपोर्ट स्टाफ में एक और बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

यूरोप चरण में अच्छे प्रदर्शन से विश्वकप के लिए हॉकी टीम का मनोबल बढ़ा : फुल्टन

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के यूरोप चरण में अच्छे प्रदर्शन से टीम का हौंसला बढ़ा है और अब आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों में जीत दर्ज करने के लिए तैयार है। कोच के अनुसार टीम सही समय पर लय में आई है और इसका लाभ उसे आगामी मुकाबलों में मिलेगा। साथ ही कहा कि वर्तमान में भारतयी टीम दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को टककर दे सकती है। कोच ने कहा कि मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीदरलैंड्स को हराकर भारतीय टीम ने दिखाया है कि वह किसी से पीछे नहीं है। इससे टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। फुल्टन ने कहा, इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि खिलाड़ियों का बढ़ा हुआ आत्मविश्वास है। जर्मनी और नीदरलैंड्स जैसी शीर्ष टीमों को हराना और इंग्लैंड के खिलाफ भी प्रभावशाली प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि हम अपनी रणनीति पर बने रहें तो हम दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं। फुल्टन ने यह भी कहा किया कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान दबावपूर्ण परिस्थितियों में असाधारण संयम दिखाया और विभिन्न खेल स्थितियों के अनुसार खुद को सफलतापूर्वक ढालने की क्षमता विकसित की। उनके अनुसार, ये नई विकसित क्षमताएं ही विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में भारत के लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होंगी।

वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी टीम के प्रदर्शन पर गहरा संतोष व्यक्त किया।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलक मीराबाई चानू पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली

भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है।

राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।यह साल 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मीराबाई चानू अब पूरी तरह से अपनी चोट से उबरने और ग्लासगो व आइची-नागोया (में होने वाले बड़े मुकाबलों के लिए अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करेंगी, ताकि वह एक बार फिर भारत को गौरवान्वित कर सकें।

भू-राजनीति और क्रूड की चाल पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में जोरदार तेजी दिखाते हुए निवेशकों में उत्साह भरा। सेंसेक्स 828 अंक उछलकर 77,569 और निफ्टी 244 अंक बढ़कर 24,206 पर बंद हुआ। हालांकि, आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए कई अहम चुनौतियों और अवसरों से भरा होगा, जहां घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के फैक्टर बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल कई महत्वपूर्ण कारकों से प्रभावित होगी। सबसे पहले, जून तिमाही के नतीजों का सिलसिला जोर पकड़ेगा। लगभग 100 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे पेश करेंगी। टीसीएस के बेहतर प्रदर्शन के बाद आईटी सेक्टर पर खास नजर रहेगी। एचसीएल टेक और विप्रो के नतीजों के साथ उनकी भविष्य की गाइडेंस भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जो सेक्टर के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उम्मीद से बेहतर नतीजे बाजार को मजबूती दे सकते हैं, वहीं कमजोर गाइडेंस मुनाफावसूली को ट्रिगर कर सकती है। घरेलू कारकों के साथ-साथ भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार पर असर डालेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। हालांकि, बातचीत जारी रहने की खबरों ने कुछ राहत दी है। तनाव में कमी आने से वैश्विक बाजारों का माहौल सुधरेगा, जबकि स्थिति बिगड़ने पर उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भी अहम भूमिका निभाएंगी। कच्चे तेल की नरमी महंगाई पर दबाव कम करती है। हालांकि, यदि अगले सप्ताह कीमतों में फिर से तेजी आती है, तो यह बाजार के लिए चिंता का विषय बन सकता है।

सेल और इंडोनेशियन क्राकाटाउ स्टील स्टेनलेस स्टील जेवी पर सहमत

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इंडोनेशिया की पीटी क्राकाटाउ स्टील ने एक संयुक्त उद्यम (जेवी) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का लक्ष्य इंडोनेशिया में 5 लाख से 10 लाख टन क्षमता की स्टेनलेस स्टील परियोजना की संभावनाओं को तलाशना है। यह प्रस्तावित जेवी स्टेनलेस स्टील स्लैब के विनिर्माण पर केंद्रित होगा। सूत्रों के अनुसार उत्पादन इंडोनेशिया में होगा, जहां दुनिया के सबसे बड़े निकल भंडार और सस्ती लागत का लाभ उठाया जा सकेगा। उत्पादित स्लैब की आपूर्ति सेल के आंध्र प्रदेश स्थित सलेम स्टील प्लांट को की जाएगी। सेल के एक अधिकारी ने बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग का उल्लेख किया।

खाद्य तेलों में आया उछाल, विदेशी बाजारों की तेजी और घरेलू आवक में कमी बनी वजह

नई दिल्ली

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी प्रमुख तेल-तिलहनों के दामों में मजबूती दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख, घरेलू मंडियों में आवक में कमी, रुपये की कमजोरी और बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कई कारकों ने मिलकर सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों को ऊपर धकेला। बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख का असर सीधे घरेलू कीमतों पर दिखा। इसके साथ ही, भारतीय रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेलों की लागत बढ़ी। महत्वपूर्ण बात यह है कि आयातकों को होने वाला घाटा पहले के 3-4 प्रतिशत से घटकर अब 1-1.5 प्रतिशत रह गया है, जिससे आयातित तेलों के दाम में सुधार आया। घरेलू मोर्चे पर किसानों ने बेहतर मूल्य की उम्मीद में बाजार में अपनी उपज की आवक कम कर दी है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने तो किसानों को आकर्षित करने के लिए खरीद मूल्य बढ़ाकर 7,750 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जिससे स्टॉक की होल्डिंग बढ़ रही है। सोयाबीन रिफाइंड, पाम-पामोलीन और मूंगफली जैसे तेलों की औद्योगिक मांग में भी वृद्धि देखी गई। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण मूंगफली तेल की मांग में विशेष उछाल आया, जिससे इसके दाम भी मजबूत हुए। कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल की कीमतों में भी तेजी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये के सुधार के साथ 7,725-7,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-55 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,615-2,715 रुपये और 2,615-2,765 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,300 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 200 रुपये के सुधार के साथ 6,950-7,525 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 375 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये क्विंटल रहा।

बाजार की नरमी में भी चार दिग्गजों का जलवा, 93 हजार करोड़ का उछाल

एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया

नई दिल्ली

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मामूली गिरावट के बावजूद सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार ने विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूत प्रदर्शन किया। इन चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 92,995.48 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ, जिसमें एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी दोनों ही हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 35,808.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,69,454.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का मूल्यांकन 34,896.92 करोड़ रुपये बढ़कर 11,98,774.22 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भी 16,065.50 करोड़ रुपये का फायदा हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप 5,60,205.05 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,224.97 करोड़ रुपये बढ़कर 17,71,206.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिसने पहले स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी। इसके विपरीत शीर्ष 10 में शामिल अन्य छह कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में कुल 49,294.13 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

महिला सशक्तिकरण में लाड़ली बहना योजना क्रांतिकारी पहल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक बहनों के खातों में अंतरित किये 1835 करोड़ रुपए, भिण्ड के लहार में लाड़ली बहना योजना का हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाएं परिवार की रीढ और इज्जत होती हैं। सनातन संस्कृति में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है। महिलाओं के अधिकार और सशक्तिकरण के लिये प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, जो निरंतर जारी रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहनों को सशक्त बनाना अपनी पहली प्राथमिकता मानते हैं। वे चाहते हैं कि ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक महिलाएं प्रमुख भूमिका में रहें। महिला कल्याण और सशक्तिकरण की यही नीति मध्यप्रदेश सरकार की भी है। प्रदेश की लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भिंड जिले के लहार में लाड़ली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को लाड़ली बहना योजना की 38वीं किश्त के रूप में 1835 करोड़ रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि अंतरित कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भिंड जिले को 322 करोड़ लागत के 56 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 4 सांदीपनि विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लहार में विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय स्तर पर पीजी कक्षाओं की सुविधा में वृद्धि करने की घोषणा भी की।

बहनों, बेटियों के विकास के साथ सभी नागरिकों के कल्याण के हो रहे कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कामकाजी महिलाओं की समृद्धि, सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार सभी आवश्यक प्रयास कर रही है। बहनों और बेटियों के साथ युवाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण के प्रयास किए जा रहे हैं। युवाओं को इतना सक्षम बनाया जाएगा कि वे नौकरी पाने में नहीं, बल्कि नौकरी प्रदान करने में सक्षम बनें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कतिपय लोग महिला कल्याण कार्यक्रमों का विरोध करते हैं। ऐसे लोगों ने स्वयं तो कभी भी लाड़ली बहना जैसी कारगर योजना प्रारंभ नहीं की, अब वे निंदा के अलावा कुछ नहीं करते। यह सर्वविदित है कि लाड़ली बहना योजना में बहनों को दी जा रही राशि परिवार में खुशियां लाने का माध्यम बनी हैं। हमारी बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और जगदम्बा का स्वरूप हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ रहा है। देश का इतिहास बदल रहा है। अब महिला आरक्षण की पहल से इतिहास का नया अध्याय प्रारंभ होगा। कतिपय लोगों ने महिला आरक्षण के प्रावधान में बाधा बनने का कार्य किया है।

ग्वालियर और चंबल अंचल के विकास में नए आयाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भिंड जिले में विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। भिण्ड का जवान सीमा की रक्षा करता है और किसान खेती से अपनी पहचान बनाता है। इस अंचल का संबंध महाभारत से जोड़ा जाता है। लहार नामकरण यहां लाक्षागृह के होने से हुआ, ऐसी मान्यता है। इस अंचल पर हनुमान जी की भी विशेष कृपा है। भिंड जिले के साहसी जवान भारतीय सेना में बड़ी संख्या में शामिल हैं। भिंड के बीहड़ कभी दस्यु समस्या के कारण जाने जाते थे, अब यह क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर है। शिवपुरी जिले में हाल ही में सैन्य क्षेत्र में उपयोगी लंबी दूरी तक तेज मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइल की इकाई प्रारंभ करने की पहल हुई है।

सांदीपनि विद्यालयों से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ मिल रहे हैं संस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भिंड जिले के जिन विकास कार्यों की शुरूआत हो रही है, उनमें 4 सांदीपनि विद्यालों की सौगात भी शामिल है। इतिहास गवाह है कि भगवान कृष्ण और सुदामा की मैत्री का उदाहरण सांदीपनि आश्रम था, अत: राज्य शासन ने सांदीपनि विद्यालय का नाम देकर विद्यार्थियों को समानता के महत्व से भी अवगत करवाया है।

प्राण वायु का स्थाई प्रबंध है एक पेड़ मां के नाम अभियान

इन्दौर में हुई 21 लाख पौधारोपण एवं 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयों की स्थापना के महाभियान की शुरुआत

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जो हमें जीवन दें, सद्मार्ग पर ले जाए, वह सदैव वंदनीय है। हमारे लिए प्रकृति ही परमेश्वर के स्वरूप है, क्योंकि यह हमें जीवन देती है, हमारा उदर-पोषण करती है। इसलिए हम सबको प्रकृतिपूजक बनकर इसकी वंदना करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार भी हैं और वसुधा का श्रृंगार भी। वृक्ष ऋषि मुनियों के समान एक ही स्थान पर रहकर साधना करते हैं। यह हमारी नकारात्मक ऊर्जा को स्वयं ग्रहण कर हमें सकारात्मक ऊर्जा (प्राण वायु) देने वाले उदार साधक होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंजर भूमि को हरियाली की चादर ओढ़ाना प्रकृति माता को हरी चुनरी ओढ़ाने जैसा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर चलाया जा रहा है एक पेड़ मां के नाम अभियान कोई शासकीय कार्यक्रम नहीं, ये जीवन के लिए सांसों का स्थायी प्रबंध करने का अभियान है। जल, जंगल, जमीन और जानवर जिनसे हमारा पारिस्थितिकीय-तंत्र तैयार होता है, यह अभियान इनकी सुरक्षा का मिशन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर जिले के ग्राम बुढ़ानिया स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां अपनी पूजनीय माता स्व. श्रीमती लीला बाई यादव की स्मृति में संतरे का फलदार पौधा लगाकर इन्दौर में 21 लाख पौधारोपण एवं 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयों की स्थापना (निर्माण) कार्य के महाभियान का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान तथा जल, जंगल एवं पर्यावरण बचाने के पुनीत महाभियान में पूरे समाज की सहभागिता बेहद सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौधरोपण एवं जल संचयन में सरकार और समाज की सहयोगी सामाजिक संस्था पृथ्वी को प्रोत्साहन स्वरूप 2 लाख रुपये और प्रदेश में चलाए गए नक्सल उन्मूलन अभियान में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले बीएसएफ के दो जवानों को मंच से सम्मानित कर 2-2 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

इंदौर ने दिखाई जल संरक्षण में बेहतर करने की दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां अहिल्या की नगरी इंदौर अतीत के उस गौरवशाली पृष्ठ के रूप में जानी जाती है, जिसने सनातन संस्कृति को पुनर्जीवित किया। देवी अहिल्या माता ने अपने शासनकाल में अपने मूल उत्तरदायित्व के साथ-साथ प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर कुंए और बावड़ियां बनाई। उन्हीं से प्रेरणा लेते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने जल संरक्षण की दिशा में नदी, तालाब, कुंए, बावड़ियों की सफ़ाई और इनके पुनर्निर्माण का अभियान चलाया है।

जनसुनवाई में 102 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

दमोह (स्वतंत्र मत)। राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी की पहल पर प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई आमजन के लिए राहत का माध्यम बनती जा रही है। हर शनिवार सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित इस जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर उपस्थित रहते हैं जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही हैए शनिवार को आयोजित जनसुनवाई में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान कुल 102 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से अधिकांश का उपस्थित अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

युवाओं को नशे की लत से बचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पुलिस प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में जिले में गांजा, अफीम की अवैध खेती, नशीले पदार्थों की तस्करी तथा प्रतिबंधित दवाइयों के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विस्तृत रणनीति बनाई गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री यादव ने कहा जिले को ड्रग फ्री बनाने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा नशे से दूरी है जरूरी अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे की लत से बचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है ताकि युवा पीढ़ी गलत दिशा में जाने से बच सके।

बैठक में ड्रग इंस्पेक्टर को निर्देश दिए गए कि जिले के मेडिकल स्टोरों की नियमित जांच कर यह सुनिश्चित करें कि प्रतिबंधित एवं नशे के रूप में उपयोग होने वाली दवाइयों का अवैध विक्रय न हो। वहीं कृषि एवं वन विभाग को दूरस्थ क्षेत्रों में अवैध अफीम की खेती पर विशेष निगरानी रखने और ऐसी गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने आबकारी विभाग को भी अवैध शराब एवं प्रतिबंधित मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही रेलवे स्टेशन एवं अन्य प्रमुख परिवहन माध्यमों पर विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा गया ताकि बाहरी राज्यों से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। बच्चों को नशे की लत से दूर रखने के लिए समाजए शिक्षकों और अभिभावकों की सहभागिता से व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा।

पेपर बैग दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

दमोह (स्वतंत्र मत)। विश्व पेपर बैग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में 11 मप्र बटालियन एनसीसी सागर के कमान अधिकारी कर्नल प्रताप मोहंती के निर्देश एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार जैन के मार्गदर्शन में जागरूकता रैली तथा सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए पेपर बैग के उपयोग को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में जागरूकता रैली निकालकर नागरिकों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा पर्यावरण अनुकूल पेपर बैग अपनाने का संदेश दिया। आयोजित सेमिनार में एनसीसी अधिकारी डॉ. केएस बामनिया ने पेपर बैग के उपयोग की आवश्यकता, प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाली पर्यावरणीय हानि तथा स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थियों ने भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों से दैनिक जीवन में प्लास्टिक के स्थान पर पेपर बैग एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का अधिकाधिक उपयोग करने का आह्वान किया गया।

बारिश में खचना नाका मार्ग बना मुसीबत, हादसे का बढ़ा खतरा

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर में कुछ दिन पूर्व हुई बारिश के बाद खचना नाका से मंदिर मस्जिद चौराहे की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर जलभराव की गंभीर समस्या सामने आ रही है। सड़क पर इतना पानी भर रहा है कि पूरा मार्ग तालाब जैसा दिखाई देने लगता है। हालात ऐसे हो जाते हैं कि राहगीरों और वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर इस रास्ते से गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश होते ही इस सड़क पर हर वर्ष हर दिन तेज बारिश के बाद जलभराव की स्थिति बन जाती है। पानी भरने से सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। वहीं पैदल चलने वाले लोगों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नागरिकों का कहना है कि इस समस्या की जानकारी कई बार नगर पालिका को दी जा चुकी है लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। बरसात के मौसम में यह मार्ग लोगों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बन जाता है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था कर सड़क पर होने वाले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए ताकि किसी बड़े हादसे से पहले लोगों को राहत मिल सके। अब सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या पर कब ध्यान देंगे।

क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है या फिर समय रहते इस मार्ग को सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। नगरवासियों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग जल्द कार्रवाई कर इस समस्या से निजात दिलाएगा।

रतन बजरिया क्षेत्र में घर में लगी भीषण आग, काबू

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के रतन बजरिया क्षेत्र में शनिवार देर रात एक मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार सब्जी मार्केट की संकरी गली स्थित गोविंद बीठल की बंद पड़ी दुकान में रात करीब 12 से 1 बजे के बीच अचानक आग भड़क उठी। आग लगने की सूचना मिलते ही हटा थाना प्रभारी सुधीर बेगी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं नगरपालिका का अमला भी सी एम ओ राजेन्द्र खरे के नेतृत्व में तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गया और आग बुझाने की प्रक्रिया में सहयोग किया। गली सकरी होने से कुछ समस्या हुई साथ ही स्थानीय लोगों और प्रशासन की संयुक्त कोशिशों से आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। आगजनी से हुए नुकसान के संबंध में भी फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिए जाने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सेवा सप्ताह का प्रेरक समापन पर मुक्तिधाम में हुआ पौधारोपण

हटा (स्वतंत्र मत)। विहिप एवं बजरंग दल हटा द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह का समापन समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ गौरीशंकर मुक्तिधाम में वृक्षारोपण एवं श्रमदान कार्यक्रम के माध्यम से हुआ। सेवा सप्ताह के अंतिम दिन कार्यकर्ताओं ने मुक्तिधाम परिसर की साफ सफाई कर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इससे पहले शनिवार को चंडीजी मंदिर परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें चिकित्सकों ने बड़ी संख्या में आए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। आवश्यकता अनुसार परामर्श दिया गया और नि:शुल्क दवाओं का भी वितरण किया गया। शिविर में बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। सेवा सप्ताह के दौरान किए गए इन दोनों आयोजनों ने यह संदेश दिया कि समाजसेवा केवल बड़े अवसरों तक सीमित नहीं है बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनस्वास्थ्य जैसे कार्यों के माध्यम से भी समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। आयोजकों ने कहा कि वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाएगी। वहीं स्वास्थ्य शिविर जैसे आयोजनों से जरूरतमंद लोगों को समय पर परामर्श और उपचार का लाभ मिलता है।

जिले के सभी मार्गो पर साइन बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करें एजेंसी : पुलिस कप्तान

14 ब्लैक स्पॉट सात दिन में होंगे सुरक्षित, सड़क हादसे रोकने के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)। लोगों का जीवन अमूल्य है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले में सर्वाधिक दुर्घटनाओं वाले 14 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। इन स्थानों पर संकेतक बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टर, अंधे मोड़ों पर चेतावनी संकेत तथा अन्य आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय सात दिनों के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं, जहां-जहां यूटर्न, अंधे मोड, ढलान अथवा दुर्घटना की संभावना वाले स्थान हैं, वहां दोनों ओर स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं ताकि वाहन चालक पहले से सतर्क होकर गति नियंत्रित कर सकें और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इस आशय की बात कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कही। बैठक में जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री यादव ने बैठक में सड़क किनारे होने वाले अतिक्रमण को भी दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण मानते हुए नगरीय निकायों को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होने सीएमओ से कहा सड़क किनारे लगने वाली अस्थायी दुकानों को हटाकर उन्हें निर्धारित सब्जी मंडी, फल मंडी एवं अन्य चिन्हित स्थानों पर व्यवस्थित किया जाए। साथ ही अतिक्रमण हटाने के बाद कम से कम एक सप्ताह तक नियमित निगरानी रखी जाए ताकि दोबारा कब्जा न हो सके। निर्धारित स्थलों पर साफ सफाई सूचना बोर्ड एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होने बताया जून माह में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अप्रैल की तुलना में कम हुई है जो प्रशासनिक प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने कहा लक्ष्य दुर्घटनाओं को न्यूनतम स्तर पर लाना है और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। कलेक्टर ने बैठक में विशेष रूप से तेंदूखेड़ा कोतवाली थाना क्षेत्र को सबसे अधिक दुर्घटना प्रभावित क्षेत्र बताया गया। उन्होंने कहा समीक्षा में सामने आया कि वहां कई स्थानों पर संकेतकों का अभाव है तथा मोड़ों के पास पेड़ों के कारण दृश्यता प्रभावित होती है। इसके चलते कई गंभीर दुर्घटनाएं एवं ट्रकों के पलटने की घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसे स्थानों पर तत्काल संकेतक लगाए जाएं। उन्होंने कहा इस प्रकार के छोटे कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 1.50 लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध है। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि दुर्घटना पीड़ितों का उपचार आयुष्मान योजना के बजाय प्राथमिकता से प्रधानमंत्री राहत योजना के प्रावधानों के तहत कराया जाए, ताकि अन्य उपचारों के लिए आयुष्मान योजना का लाभ सुरक्षित रह सके।

सड़क सुरक्षा महत्वपूर्ण

पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने कहा सड़क सुरक्षा महत्वपूर्ण है, जहां-जहां की सड़कों की समस्या बताई गई है, उस पर संबंधित एजेंसी काम कर आगामी बैठक में पालन प्रतिवेदन और फोटोग्राफ्स सहित आयें। उन्होने कहा बटियागढ़ क्षेत्र के उल्लेखित क्षेत्र में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा जबलपुर-तेंदूखेड़ा मार्ग पर शार्ट टर्म पर त्वरित रूप से साइन बोर्ड जहां आवश्यक है लगाये जायें। पुलिस अधीक्षक ने पीएम राहत योजना पर चर्चा करते हुए मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी से कहा सभी अस्पतालों की आईडी जनरेट कर योजना का लाभ संबंधितो को मिले सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री राहवीर योजना के संबंध में प्रचार प्रसार करने और पात्रों को लाभ दिलाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर हुई ठगी

लिंक पर क्लिक करते ही अकाउंट हुआ खाली

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाने में बीती रात 44 वर्षीय धर्मेन्द्र मिश्रा इंद्रा गांधी वार्ड गढ़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की उसके अकाउण्ट से 29 जून से 2 जुलाई के बीच 40 हजार 822 रूपये कट गये हैं। बेटी तानिया मिश्रा से पूछा जो बताई कि इंस्टाग्राम मे वर्क फ्राम होम का काम सर्च करने के दौरान ग्लोबल बुक पब्लिकेशन नाम से एक पेज पर वर्क फ्राम होम के लिये उसे टाईप राईडर का काम मिला था। जिन्होंने क्यूआर कोड देते हुये 500 रूपये का रजिस्ट्रेशन करने के लिये उनके द्वारा लिंक भेजी गयी थी। जिसके बाद से खाते से रकम निकल गई।

हनुमानताल थाना क्षेत्र में वारदात

दरगाह गए युवक पर हुआ चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हनुमानताल थाने में 24 वर्षीय मो शहनवाज कुरैशी निवासी हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की दोपहर दादामिया दरगाह में दर्शन करने गया था। वहां पर मोहल्ले का अल्ताफ अपने साथी के साथ खड़ा था जो उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो अल्ताफ एवं अल्ताफ का साथी उसके साथ गाली गलोज करने लगेए गालियां देने से मना करने पर अल्ताफ ने चाकू से हमलाकर उसे चोट पहुंचा दी। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

जबलपुर से कोलकाता के लिए शुरू होगी सीधी उड़ान, एयरपोर्ट प्रबंधन ने शुरू की तैयारियां

सांसद आशीष दुबे प्रयासों से शुरू होगी कोलकाता के लिए हवाई सेवा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर से कोलकाता के बीच जल्द ही हवाई यात्रा शुरू होने जा रही है। सांसद आशीष दुबे के प्रयास से अब जबलपुर से कोलकाता के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू होने जा रही है। एलायंस एयर इसी माह जुलाई या अगस्त के प्रारंभ में इस नई उड़ान का संचालन प्रारंभ करने जा रहा है। सांसद आशीष दुबे ने बताया कि वे लंबे समय से इस मार्ग पर उड़ान प्रारम्भ करवाने के लिए विभिन्न स्तर पर प्रयासरत थे, जिसका परिणाम यह निकला कि एलायंस एयर जबलपुर-कोलकाता के बीच उड़ान प्रारम्भ करने जा रहा है। श्री दुबे ने बताया कि उन्हें एलायंस एयर प्रबंधन ने उन्हें इस आशय की सूचना देते हुए इस उड़ान का प्रस्तावित शेड्यूल भी साझा किया

है, जिसके अनुसार एलायंस एयर का एटीआर 72 विमान सप्ताह के तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को सुबह 07.05 पर कोलकाता से उड़ान भरकर 09.35 बजे जबलपुर पहुंचेगा और फिर जबलपुर से कोलकाता के लिए 10.00 बजे उड़ान भरकर 12.35 बजे कोलकाता में लैंड करेगा।

अब तक नहीं है कोई भी सीधी उड़ान

सांसद श्री दुबे ने कहा कि फिलहाल जबलपुर से कोलकाता के लिए कोई सीधी उड़ान नहीं थी। जिससे हवाई यात्रियों को जबलपुर से कोलकाता जाने के लिए स्टॉप ओवर उड़ान से कोलकाता जाना पड़ता था, अब जबलपुर से कोलकाता के बीच सीधी उड़ान प्रारम्भ होने से जबलपुर के हवाई यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ उनके समय की बचत भी होगी और आर्थिक भार भी अपेक्षाकृत कम हो जाएगा। इस उड़ान से जबलपुर के शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और पर्यटन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। कोलकाता में पढ़ने वाले जबलपुर के छात्र, इलाज के लिए जाने वाले मरीज और पूर्वी भारत से व्यापार करने वाले उद्यमियों को अब सीधी हवाई सुविधा मिलेगी। हवाई अड्डा प्रबंधन ने बताया कि नई उड़ान के लिए डुमना एयरपोर्ट पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह के स्लॉट से यात्रियों को कोलकाता में दिनभर के काम निपटाने में सुविधा होगी।

चलती ट्रेन में अवैध वेंडर्स ने किया चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे के भोपाल में गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन में चाकू से जानलेवा हमले की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यह घटना भददा से सूखी सेवनिया के बीच की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, अवैध वेंडर बताए जा रहे जितेंद्र खटीक और अंकित सुपारी ने ट्रेन में मौजूद कर्मचारियों पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में विजय कुमार, आनंद कुमार और किशन गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें विजय कुमार की हालत नाजुक बताई जा रही है। आरोपी कर्मचारियों पर अवैध किचन का खाना खरीदने का दबाव बना रहे थे। कर्मचारियों द्वारा विरोध करने पर पहले उन्हें धमकाया गया और इसके बाद चाकुओं से हमला कर दिया गया। घटना के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। अवैध वेंडरों की गतिविधियों के साथ-साथ जीआरपी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पलक झपकते ही ट्रेन से उड़ा देतीं थीं सामान जीआरपी ने पकड़ा महिला चोर गिरोह

महिला यात्रियों को बनाती थीं निशाना, हजारों के जेवरात बरामद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के जेवर और सामान चुराने वाले एक महिला चोर गिरोह का जीआरपी ने पर्दाफाश किया है। बताया जा रहा है कि गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने स्टेशन परिसर से दो आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह मुख्य रूप से ट्रेनों और प्लेटफॉर्मों पर महिला यात्रियों को निशाना बनाता था। जानकारी के अनुसार जीआरपी टीम को गश्त के दौरान जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 के अंतिम छोर पर 2 महिलाएं संदिग्ध अवस्था में घूमती मिलीं। संदेह के आधार पर उन्हें रोककर पूछताछ की गई, तो उन्होंने अपनी पहचान 25 वर्षीय रूपा माली निवासी हिंडोलिया, दमोह और 25 वर्षीय रेखा माली निवासी ललितपुर के रूप में बताई। गहन पूछताछ में दोनों महिलाओं ने ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

घूमकर-घूमकर करती थी चोरियां

पुलिस की तलाशी में आरोपियों के पास से हाल ही में चोरी की 3 अलग-अलग वारदातों से संबंधित लगभग 70 हजार रुपये मूल्य के जेवरात बरामद हुए

हैं। बरामद सामान में दो चांदी की पायल, 2 चांदी की चेन, एक चांदी का ब्रेसलेट और बिछिया शामिल हैं। जीआरपी ने सभी जेवरातों को जब्त कर इन मामलों को सुलझाने का दावा किया है। शुरुआती जांच से पता चला है कि दोनों महिलाओं का वर्तमान में कोई स्थायी ठिकाना नहीं है और घूम-घूमकर अपराध करती थीं। जीआरपी पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और पृष्ठभूमि की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस गिरोह में अन्य कौन से सदस्य शामिल हैं, ताकि उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके।

प्रशिक्षु इंजीनियरों ने सीखी बिजली लाइनों की पेचीदा मरम्मत

एमपी ट्रांसको के ट्रेनीज असिस्टेंट इंजीनियरों का व्यावहारिक प्रशिक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको)के चार सहायक अभियंता (असिस्टेंट इंजीनियर) प्रशिक्षुओं ने 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन पर फ्लैशओवर से प्रभावित डिस्क इंसुलेटर के रिप्लेसमेंट हेतु लिए गए शटडाउन कार्य के दौरान महत्वपूर्ण व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह व्यावहारिक प्रशिक्षण संपूर्ण मप्र मे एम पी ट्रांस्को के विभिन्न फील्ड कार्यालयों द्वारा अभियंताओं के छोटे छोटे समूहों को दिया जा रहा है। प्रशिक्षुओं ने शटडाउन लेने की संपूर्ण प्रक्रिया, सुरक्षा मानकों, वर्क परमिट व्यवस्था, लाइन को सुरक्षित रूप से आइसोलेट करने की कार्यवाही तथा कार्यस्थल पर उपयोग किए जाने वाले विभिन्न टूल्स की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने डिस्क इंसुलेटर बदलने की वास्तविक प्रक्रिया को निकट से देखा और ट्रांसमिशन लाइन के मेंटेनेंस कार्यों की तकनीकी बारीकियों को समझा। विद्युत क्षेत्र के अभियंताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस प्रकार के फील्ड प्रशिक्षण में सुरक्षा प्रक्रियाओं एवं उपकरणों के संचालन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ । मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी भोपाल के कार्यपालन अभियंता रवि चौरसिया एवं सहायक अभियंता अंकित महरोलिया ने स्वयं प्रशिक्षुओं को शटडाउन प्रबंधन, कार्यस्थल पर सुरक्षा तथा एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइनों के रखरखाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

सिद्धचक्र महामंडल विधान और विश्व शांति महायज्ञ का होगा आयोजन

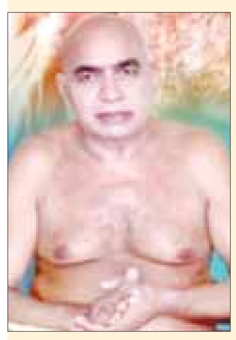

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मदर टेरेसा नगर स्थित श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट में आगामी 21 जुलाई से 28 जुलाई तक भव्य श्री 1008 सिद्धचगि महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन मूलनायक श्री 1008 महावीर स्वामी की पावन सन्निधि में संपन्न होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को आचार्य प्रवर श्री 108 विद्यासागर महाराज की कृपा स्थली एवं आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज के आशीर्वाद से आयोजित किया जा रहा है। साथ ही पूज्य मुनिश्री 108 प्रभुद्ध सागर महाराज के मंगल सान्निध्य एवं आशीर्वचन श्रद्धालुओं को प्राप्त होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत 21 जुलाई को प्रातः 6.30 बजे घटयात्रा से होगी।

पनीर की गुणवत्ता में मिली खामियां, रेलवे स्टेशन पर बने भोजनालय में मचाकर रखी थी भारी गंदगी

रेलवे मजिस्ट्रेट के औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप, वसूला जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गत दिवस रेलवे मजिस्ट्रेट वेद प्रकाश सगर द्वारा जबलपुर रेलवे स्टेशन स्थित अधिकृत भोजनालय एवं उसके बेस किचन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भोजन तैयार करने एवं भंडारण की व्यवस्था, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, साफ-सफाई तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का गहन परीक्षण किया गया। जांच के दौरान उपयोग में लाई जा रही पनीर की गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर रेलवे मजिस्ट्रेट ने उपस्थित स्वास्थ्य निरीक्षक हेमंत यादव को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार पनीर के 2 नमूने परीक्षण हेतु अधिकृत खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए तथा गुणवत्ता परीक्षण के लिए एक अतिरिक्त नमूना भी जांच के लिए सुरक्षित किया गया। **रेलवे अधिनियम के तहत हुई कार्यवाही** - निरीक्षण के दौरान बेस किचन परिसर में साफ-सफाई संबंधी कमियां भी पाई गईं। इस पर संबंधित भोजनालय संचालक के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 145 के अंतर्गत नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही करते हुए जुर्माना वसूल किया गया। साथ ही संबंधित

एजेंसी को स्वच्छता एवं खाद्य गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। जबलपुर रेल मंडल यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं उच्च गुणवत्ता वाला भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मंडल प्रशासन द्वारा स्टेशन परिसरों एवं अधिकृत भोजनालयों का नियमित निरीक्षण एवं निगरानी की जाती है, ताकि यात्रियों के स्वास्थ्य एवं सुविधा से किसी प्रकार का समझौता न हो। इस निरीक्षण अभियान में रेलवे मजिस्ट्रेट के साथ वाणिज्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आरपीएफ, जीआरपी, मजिस्ट्रेट स्क्वाड तथा न्यायालय के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

सीमेंट से भरा ट्रक पलटा, पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने मारी टक्कर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिहोरा बाइपास पर रविवार दोपहर एक सीमेंट से भरा एक ट्रक पलट गया। पीछे से आ रहे एक दूसरे ट्रक की टक्कर के बाद यह हादसा हुआ। हादसे के दौरान ट्रक ड्राइवर और क्लीनर ने सूझबूझ दिखाई और गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि यह घटना नेशनल हाईवे-30 पर स्थित सिहोरा बाईपास पर यह घटना हुई। सीमेंट से लदा ट्रक मैहर से छिंदवाड़ा की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि सीमेंट से भरा ट्रक बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गया और सड़क पर ही पलट गया। ट्रक के पूरी तरह पलटने से पहले ही छिंदवाड़ा के रहने वाले ड्राइवर अब्दुल रहमान और क्लीनर मनोज यदुवंशी ने सूझबूझ दिखाई और गाड़ी से नीचे कूद गए, जिससे दोनों की जान बच गई। इस हादसे में ट्रक बुरी तरह टूट गया है और उसका अगला व पिछला हिस्सा बहुत ज्यादा डैमेज हुआ है।

सिहोरा बाइपास की घटना, चालक-क्लीनर ने कूदकर बचाई जान

कांग्रेस की बैठक में संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) की प्रकोष्ठ एवं विभागों की महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष संजय यादव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक का संचालन एवं समन्वय प्रकोष्ठ एवं विभागों के प्रभारी विवेक यादव द्वारा किया गया। बैठक में सभी प्रकोष्ठ एवं विभागों के अध्यक्षों के साथ संगठन की कार्यकारिणी के गठन एवं विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष संजय यादव ने सभी अध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रकोष्ठ एवं विभाग की पूर्ण कार्यकारिणी का गठन कर उसकी सूची शीघ्र जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) कार्यालय में उपलब्ध कराएं, ताकि संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाया जा सके। बैठक के दौरान कार्यकारिणी गठन में आ रही विभिन्न समस्याओं एवं कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। बैठक में विवेक यादव, राजेश तिवारी, राजेश पटेल, परमलाल अहवासी, सतेंद्र चौबे गुड्डा, शिव नामदेव आदि उपस्थित रहे।

रुपयों की मांग कर मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में 39 वर्षीय देवेन्द्र पटेल निवासी ग्राम झुरझुरू एपनागर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की सेंटरिंग का काम करता है। बीती रात काम करके अपने साथी श्रीराम के साथ घर वापस जा रहा था। रास्ते में सुभाषनगर झंडा चौक में पान की दूकान से गुटखा लेकर जाने लगा तभी वहीं खड़े अंशु वंशकार, ईशू और साजन उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो तीनों उसके साथ गाली गलौज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर तीनों मारपीट शुरू करदिये अंशू वंशकार ने चाकू से हमलाकर उसे चोट पहुँचा दी एवं तीनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

नगर निगम ने चलाया भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान के तहत रविवार को शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। उपायुक्त अंकिता जैन ने बताया कि यहां भिक्षावृत्ति में लिप्त कुल 20 लोगों पर कार्यवाही की गई। उन्होंने कहा कि मेडिकल बाजनामठ मंदिर परिसर धार्मिक क्षेत्र में आने वाले दर्शनार्थियों को असुविधा न हो और भिक्षावृत्ति पर रोक लगे, इसके लिए यहां से 16 भिक्षुकों को हटाया गया। टीम द्वारा सभी 36 भिक्षुकों को आत्मीयता के साथ समझाइश दी गई कि वे भिक्षावृत्ति छोड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएं।

अयोध्या से लेकर नागपुर तक, नागपुर से लेकर नई दिल्ली तक पसरा हुआ है सन्नाटा

राम मंदिर चंदा चोरी मामले में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता ने भाजपा और आरएसएस पर जमकर साधा निशाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अल्पवास पर शहर पहुंची कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने पत्रकार वार्ता कर आयोध्या चंदा चोरी मामले को लेकर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिसकी सत्ता और व्यवस्था में हो चंदा चढ़ावा चोरों का आदर, वही है चीफ चंदा चढ़ावा चोरों का गॉडफादर। गौड़सेवादी गद्दार गैंग के गॉडफादरो अब रामलीला की आड़ में रावणलीला बंद करो, किसी भी स्वतंत्र जांच एजेंसी द्वारा सुप्रीम कोर्ट की सरपरस्ती में राम मंदिर जमीन खरीदी घोटाले सहित चंदा चढ़ावा चंपत कांड की निष्पक्ष जांच निश्चित समय सीमा में कराना चाहिए। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने कहा कि जिस एसआईटी के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत पर पहले ही 420 और 465 की धाराओं के तहत गबन, जालसाजी और लूट के आरोपों में एफआईआर दर्ज है, वो एसआईटी का अध्यक्ष राम मंदिर चंदा चढ़ावा चोरी चंपत कांड की निष्पक्ष जांच कैसे कर पाएगा। ऐसा एसआईटी अध्यक्ष तो चोर चोर मौसेरे भाई की कहावत को ही चरितार्थ कराएगा।

कौन कर रहा बांटने, छांटने का काम-उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के जमीन खरीदी चंपत घोटाले से लेकर चन्दा चढ़ावा चोरी चंपत कांड तक हो गया। चंदा चढ़ावा हरण से लेकर अयोध्या में आध्यात्मिक आस्था हरण तक हो गया। मगर अयोध्या से लेकर नागपुर तक और नागपुर से लेकर नई दिल्ली तक सन्नाटा पसरा हुआ है कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने कहा कि सनातनी सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों का सर्वोच्च सिद्धांत है। वसुधैव कुटुंबकम् अर्थात सारा संसार हमारा परिवार है, आखिर हमारे इस परिवार को आज कल भारत भूमि पर बांटने छांटने और काटने का कुटिल कुकर्म कौन कर रहा है।

पहले जमीन फिर चढ़ावे की चोरी-कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने कहा कि भाजपा-आरएसएस ने पहले चंदे की चोरी की, फिर जमीन चोरी की और अब चढ़ावे की चोरी कर ली। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुछ छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई करके राम मंदिर ट्रस्ट के बड़े आरोपी सदस्यों को बचाने की कोशिश हो रही है। पत्रकार वार्ता में विधायक लखन घनघोरिया, कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव, रितेश गुप्ता, आरिफ बेग, प्रवेंद्र चौहान आदि उपस्थित थे।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic
EXPERIENCE RUBY WHERE CINEMATIC LUXURY AWAITS

DHAMAAL 4 (HIN/ENG)	8:55 AM, 11:40 AM, 1:15 PM, 2:25 PM, 4:00 PM, 5:10 PM, 6:45 PM, 7:55 PM, 9:30 PM & 10:40 PM; RUBY 9:25 PM
MOANA (HIN/ENG)	RUBY HINDI - 3:10 PM; RUBY ENG - 4:40 PM
EVIL DEAD BURN (HIN/ENG)	HINDI - 9:40 AM, 11:50 AM; RUBY ENG - 5:15 PM, 7:20 PM
ALPHA (HIN)	RUBY 12:35 PM; 2:00 PM
WELCOME TO THE JUNGLE (HIN)	10:10 AM, 7:10 PM & 10:15 PM; RUBY 12:20 PM, 3:35 PM, 9:40 PM
MAIN VAAPAS AAUNGA (HIN)	RUBY 6:35 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एमएसपी जबलपुर/13/2026-28, RNI No. 64561/96.